THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 223 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **कार्तिक कृ.4 2080 बुधवार, 1 नवंबर-2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

सिर्फ 15 दिन में

10 लाख बढ़ेंगे

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा

यूपी और राजस्थान सरकार से पूछा-वायु प्रदूषण कैसे रोकेंगे?

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्लीः वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई की और कोर्ट ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सहित पांच राज्यों से वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए लागू किए गए उपायों का विस्तृत विवरण देने को कहा। न्यायमूर्ति एसके कौल की अध्यक्षता और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति पीके मिश्रा की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने राज्यों को हलफनामा दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 7 नवंबर तय की है। अदालत ने

वायु प्रदूषण पर भीर चिंता जताते हुए कहा कि भविष्य की पीढ़ियों पर वायु प्रदूषण का प्रभाव बहुत बड़ा और बुरा होगा। इसमें यह भी कहा गया है कि प्रदूषण के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना कठिन हो गया है, खासकर उस समय जब दिल्ली में दिन का सबसे अच्छा समय माना जाता था। अदालत ने इस मुद्दे की आवर्ती प्रकृति पर प्रकाश डाला, यह देखते हुए कि यह साल-दर-साल बढ़ता ही जा रहा है। पीठ ने यह भी कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण का एक मुख्य कारण पराली जलाना है। कोर्ट में इस मामले में हुई सुनवाई के दौरान, वकील ने तेज़ हवाओं की घटना का उल्लेख किया, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने तेज प्रशासनिक हवाओं की भी आवश्यकता पर जोर दिया। सुनवाई सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) और आग की संख्या जैसे मापदंडों सहित वर्तमान जमीनी स्थिति का विवरण देने वाली एक सारणीबद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश के साथ समाप्त हुई। शीर्ष अदालत ने पहले दिल्ली और उसके आसपास वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से रिपोर्ट मांगी थी।

हिमाचल में आज से सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ, दो दिन बारिश-बर्फबारी के आसार

शिमला, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में 1 नवंबर से ताजा पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के आसार हैं। इसके प्रभाव से राज्य के कई भागों में दो दिन बारिश-बर्फबारी की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य में 1 नवंबर तक मौसम साफ रहेगा। लेकिन 1 नवंबर की रात को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। इससे 2 व 3 नवंबर को राज्य के मैदानी व मध्य पर्वतीय कुछ भागों में बारिश की संभावना है। जबकि उच्च पर्वतीय भागों में बारिश के साथ बर्फबारी भी हो सकती है। 4 नवंबर से पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। 3

'तुम्हारी सुरक्षा कितनी भी चाक चौबंद हो

हमारा एस स्नाइपर ही तुम्हारी जान ले सकता है', मुकेश अंबानी को तीसरी बार मिली धमकी

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं दुनिया के अमीरों की सूची में शुमार मुकेश अंबानी को पिछले कुछ ही दिनों में 3 बार धमकी मिल चुकी है। ध्यान देने वाली बात यह है कि एक ही ईमेल से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। पहले ईमेल में मुकेश अंबानी से 20 करोड़ रुपये की मांग की गई। तत्पश्चात, यह रकम बढ़ाकर 200 करोड़ कर दी गई। तीसरी बार 400 करोड़ की रंगदारी मांगी गई है। इसमें यह भी बताया गया है कि पहले दो ईमेल का अंबानी ने जवाब नहीं दिया इसलिए अब उन्हें 400 करोड़ रुपये देने होंगे। मुकेश अंबानी की ऑफिशियल आईडी पर आए ईमेल में लिखा है, 'तुम्हारी सुरक्षा कितनी भी चाक चौबंद हो, हमारा एस स्नाइपर ही तुम्हारी जान ले सकता है।

इस बार 400 करोड़ और पुलिस मेरा ना पता लगा सकती है तथा ना ही गिरफ्तार कर सकती है।' इन धमकियों की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस ने अंबानी के दक्षिणी मुंबई के आवास एंटीलिया की सुरक्षा बढ़ा दी है। वही पहली बार धमकी वाला मेल शुक्रवार को आया था। धमकी देने वाले ने 100 करोड़ रुपये की मांग की थी तथा अंबानी को जान से मारने की धमकी दी थी। उसने अपना नाम शादाब खान बताया था। तत्पश्चात, एंटीलिया के सिक्योरिटी इनचार्ज देवेंद्र मुंशीराम ने पुलिस के पास मुकदमा दर्ज करवाया था। शनिवार को दूसरा ईमेल आया एवं रंगदारी की रकम डबल हो गई। हालांकि मुकेश अंबानी की ओर से इन ईमेल पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। एक वरिष्ठ पुलिस अफसर का कहना है कि उसी सेंडर ने सोमवार को एक बार फिर मेल भेजकर धमकी दी।

पुलिस का कहना है कि ईमेल भेजना वाला बेल्जियम के सर्विस प्रोवाइडर का उपयोग कर रहा है। मुंबई पुलिस ने एक खत लिखकर इंटरनेट प्रटोकॉल ऐड्रेस को लोकेट करने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि तहकीकात जारी है तथा जल्द ही धमकी देने वाले का भंडाफोड़ होगा। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ सेक्शन 387 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस महाराष्ट्र साइबर एवं मुंबई साइबर स्टेशन से सेंडर को ट्रैस करने में सहायता ले रही है।

कलयुगी मां का कारनामा, 15 दिन की मासूम को ट्रेन में छोड़ हुई फरार

उज्जैन, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के उज्जैन से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सभी को हिलाकर रख दिया, यहां नर्मदा एक्सप्रेस में भोपाल से उज्जैन के बीच कोई 15 दिन की मासूम बच्ची को ट्रेन की बर्थ पर छोड़ गया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सामने आया एक महिला बच्ची को गोद में लिए ट्रेन में चढ़ी है। पुलिस महिला की तलाश में लग गई । 9 महीने अपने कोख में पालने के बाद मासूम को उसकी मां ट्रेन की बर्थ पर छोड़कर लापता हो गई। ममता को शर्मसार करने वाला यह कृत्य भोपाल से उज्जैन के बीच नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन में हुआ। ट्रेन भोपाल पहुंची तो यात्रियों ने मासूम को जीआरपी पुलिस के हवाले कर सुरक्षित किया उज्जैन जीआरपी की थाना प्रभारी ज्योति शर्मा ने जानकारी देते बताया कि, रविवार रात को ट्रेन क्रमांक 18233 नर्मदा एक्सप्रेस में सवार यात्रियों ने रेलवे हेल्पलाइन नंबर 182 पर कॉल कर जानकारी दी की ट्रेन के कोच S8 की बर्थ नंबर 56 पर एक मासूम बालिका को उसकी मां छोड़कर लापता हो गई है। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और ट्रेन के भोपाल पहुंचते ही भोपाल जीआरपी एसआई श्वेता सोमकुंवर टीम के साथ कोच में पहुंची और यात्रियों से पूछताछ की, जिसके बाद सामने आया कि बालिका को लेकर महिला उज्जैन स्टेशन से चढ़ी थी और टॉयलेट जाने का का कर ट्रेन से उतरकर लापता हो गई

भूपेश बघेल पर बरसे देवेंद्र फडणवीस

बोले- ये तो गोबर भी नहीं छोड़ रहे

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवसी ने बिहार में हुए चारा घोटाले का जिक्र करते हुए छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार पर तीखा हमला बोला है। फडणवीस ने कहा कि बिहार में लालू यादव ने चारा घोटाला किया था लेकिन छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार तो गोबर तक नहीं छोड़ रही है। राहुल गांधी के चुनावी भाषणों का हवाला देते हुए फडणवीस ने कहा कि ये लोग चुनाव में जीत के बाद गजनी हो जाते हैं, अपने वादों को भूल जाते हैं। उन्हें भूलने की बीमारी है। राहुल गांधी ने जो घोषणाएं पांच साल पहले की थी उसका क्या हुआ। भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव ने जो घोषणाएं की थी उसका क्या हुआ। इन लोगों का वीडियो क्लिप दिखाते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ये लोग अपने किए हुए वादे भूल गए और अब नई घोषणाएं कर रहे हैं। पिछले चुनाव में इन लोगों ने जो वादे किए थे उसमे से अधिकतर वादे पूरे नहीं हुए हैं। प्रदेश में राहुल गांधी, भूपेश बघेल की सभाएं हो रही हैं लेकिन ये लोग अपने पुराने वादे भूल गए हैं। इन लोगों के भाषण को सुनकर मुझे गजनी फिल्म याद आती है। ये लोग पहले किए हुए वादे भूल जाते हैं। अगर झूठ बोलने का कोई ओलंपिक हो तो ये लोग गोल्ड मेडल लाएंगे। इन लोगों ने शराब नीति की घोषणा की थी, कहा था कि हम गंगाजल हाथ मे लेकर कहते हैं कि शराबबंदी करेंगे। शराब बंदी तो दूर की बात, यहां तो शराब घोटाला हो गया। यह देश का एक नायाब अजूबा है। यहां शराब पर नकली होलोग्राम लगाकर 2 हजार करोड़ रुपए का शराब घोटाला हो गया। इसी पैसे को इन लोगों ने चुनाव में लगाया है।

किराये पर कमरा लेने आई महिला से गैंगरेप प्रॉपर्टी डीलर और उसका साथी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के बुराड़ी इलाके में गैंगरेप का मामला सामने आया है। एक प्रॉपर्टी डीलर पर अपने साथी के साथ मिलकर एक महिला का रेप करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक पीड़िता जितेंद्र नाम के प्रॉपर्टी डीलर के पास किराये पर कमरा लेने के लिए पहुंची थी। प्रॉपर्टी डीलर ने पीड़िता को कोल्ड ड्रिंक में नशे की टैबलेट मिलाकर दे दी और फिर ग्राउंड फ्लोर पर ही महिला के साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। वही पूरी घटना के दौरान एक अन्य शख्स भी मौके पर मौजूद था। उस अज्ञात व्यक्ति ने भी पीड़िता के साथ रेप करने की कोशिश की। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी घटनास्थल से चले गए। पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए पीसीआर को कॉल कर पुलिस को आपबीती बताई। जिसके बाद पुलिस ने पीड़िता के बयान पर बुराड़ी थाने में आईपीसी की धारा 376 (डी)/328/506 के तहत मुकदमा दर्ज किया। पीड़िता की मेडिकल जांच करवाई जा चुकी है। सोमवार के दिन सीईआरपीसी की धारा 164 के बयान भी दर्ज कराए जा चुके है। पुलिस ने आरोपी प्रॉपर्टी डीलर जितेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

मिग-21 बाइसन विमान ने भरी आखिरी उड़ान, वायुसेना ने दी विदाई

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक युग के अंत के रूप में भारतीय वायुसेना के मिग-21 बाइसन विमान को आखिरी बार भारतीय आसमान में उड़ाया गया। विमान को राजस्थान के बाड़मेर जिले के उत्तरलाई के आसमान में देखा गया। वायु सेना के मुताबिक 30 अक्टूबर को इस अवसर को चिह्नित करने के लिए मिग-21 बाइसन ने आधुनिक फाइटर जेट सुखोई 30 एमकेआई के साथ उड़ान भरी। इस समारोह के दौरान तीनों सेनाओं के सैनिक मौजूद रहे। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि मिग-21 स्क्वाड्रन ने लगभग छह दशकों तक देश की सेवा की है। भारत-पाक संघर्षों के दौरान भी 'मिग-21 स्क्वाड्रन' ने युद्ध प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि ओरियल्स के नाम से जाना जाने वाला स्क्वाड्रन 1966 से मिग-21 का संचालन कर रहा है। अब इस स्क्वाड्रन को सुखोई-30 एमकेआई विमान से सुसज्जित किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह परिवर्तन देश के आसमान को आधुनिक बनाने और उसकी रक्षा करने के लिए भारतीय वायु सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दरअसल भारतीय वायु सेना ने अपने मिग-21 लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने पर रोक लगाने की प्रक्रिया काफी पहले ही शुरू कर दी थी। गौरतलब है कि मिग-21 फाइटर जेट बीते 6 दशकों से भारतीय वायु सेना के बेड़े का महत्वपूर्ण विमान है। वायु सेना के मुताबिक यह रोक मिग-21 लड़ाकू विमानों के पूरे बेड़े पर लगाई गई है। बीते दिनों राजस्थान में मिग-21 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसके बाद भी वायु सेना ने यह विमान न उड़ाने का निर्णय लिया था। भारतीय वायु सेना के मुताबिक राजस्थान हादसे की जांच पूरी होने तक मिग-21विमानों के बेड़े यह प्रतिबंध लागू था। जहां एक और भारतीय वायु सेना के पास आधुनिकतम फाइटर जेट सुखोई मौजूद है, वहीं बीते वर्ष दिसंबर में आधुनिक फाइटर जेट राफेल की अंतिम किस्त भी भारत पहुंच चुकी है। इसी के साथ ही भारत फ्रांस के बीच हुआ राफेल सौदा पूरा हो गया है। भारत और फ्रांस के बीच कुल 36 राफेल फाइटर जेट को लेकर सौदा हुआ था और अब भारत को सभी 36 राफेल मिल चुके हैं। भारतीय वायु सेना चरणबद्ध तरीके से मिग-21 विमानों को अपने बेड़े से बाहर करने की प्रक्रिया का पालन पहले से ही कर रही थी।

मां ने बेटी का गला काटकर अपने गले पर चलाया चाकू

दोनों अस्पताल में भर्ती, पुलिस जांच में जुटी

छिंदवाड़ा, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा शहर के इंदिरा नगर में मंगलवार को एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक महिला ने अपना और अपनी बेटी का गला काटकर खुदकुशी करने की कोशिश की। घटना के बाद दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनका इलाज जारी है। मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

वहीं, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, जब महिला ने अपनी बेटा का गला रेता तो उसके शोर करने पर पड़ोसी घर के अंदर आए। फिर घायल महिला और बेटी को गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। महिला ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी अब तक नहीं लग पाई है। हालांकि पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

'क्या बीजेपी के सभी लोग दूध के धुले हैं'

दिल्ली के सीएम को ईडी का समन मिलने पर संजय राउत

नई दिल्ली मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नोटिस भेजा है। इसपर उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना ने कहा कि जो भी भाजपा के विरोधी हैं, उन्हें चुनाव से पहले किसी भी मामले में फंसाकर जेल में बंद करवा दिया जाएगा।

जो भी भाजपा विरोधी हैं

दिल्ली के सीएम को ईडी के समन पर सांसद संजय राउत ने कहा, 'जो भी भाजपा विरोधी हैं, उनके नेताओं को चुनाव से पहले वे मनी लॉन्ड्रिंग या अन्य आरोप लगाकर बंद करवा देंगे। हमने सुप्रीम कोर्ट में सुना है कि मनीष सिसोदिया के खिलाफ कोई सबूत नहीं है, फिर भी जमानत याचिका खारिज कर दी गई। वहीं, पश्चिम बंगाल के एक मंत्री को भी गिरफ्तार किया गया है। चाहे आप हो, आरजेडी हो, टीएमसी हो, एनसीपी हो या फिर शिवसेना, सभी प्रमुख नेताओं पर झूठे मामले दर्ज किए गए हैं।

ईडी और सीबीआई को काम दिया है

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेताओं को राजनीतिक रूप से खत्म करने के लिए सीबीआई और ईडी को काम दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल को समन मिला है, लेकिन क्या भाजपा के सभी लोग दूध के धुले हैं? महाराष्ट्र के 12 सासंद ऐसे हैं, जिन पर ईडी की तलवार थी, पर अब वो लोग भाजपा में शामिल हो गए हैं। अगर अरविंद केजरीवाल भी भाजपा में शामिल हो जाते हैं तो वे भी हरिश्चंद्र बन जाएंगे।

कोई भी कानून से ऊपर नहीं : धर्मेंद्र प्रधान

वहीं, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी का समन मिलने पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 'कोई भी कानून से ऊपर नहीं हो सकता है, जो पार्टी यह दावा करती थी कि वह एक जन आंदोलन से आई है और भ्रष्टाचार के खिलाफ है, वह अब बेनकाब हो गई है। उन पर कई आरोप हैं। यह उनकी सरकार की शराब नीति के बारे में है, इसलिए एक सीएम के रूप में उन्हें जवाब देना होगा। एजेंसियां अपना काम करेंगी।'

दो नवंबर को होगी पूछताछ

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने नोटिस भेजा है। नोटिस में उन्हें दो नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इससे पहले मुख्यमंत्री को सीबीआई अप्रैल महीने में पूछताछ के लिए बुला चुकी है। सूत्रों के मुताबिक केजरीवाल से ईडी दिल्ली की नई शराब नीति मामले में पूछताछ करेगी।

ईडी नोटिस पर आप का पलटवार; कहा- इंडिया गठबंधन से बुरी तरह घबराई हुई है मोदी सरकार

भोपाल, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के भोपाल में आप की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दिए गए नोटिस पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। रानी अग्रवाल ने कहा कि इंडिया गठबंधन से मोदी सरकार बुरी तरह घबराई हुई है। रानी अग्रवाल ने कहा कि मोदी सरकार ने विपक्ष के नेताओं को जेल में डालने की सुपारी दोनों एजेंसियों (ईडी और सीबीआई) को दे दी है। बिना सबूत और साक्ष्यों के किसी को भी जेल में डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और जनता ही इनकी तानाशाही का अंत जल्द ही करने वाली है।

मुश्किल में आप

गिरफ्तार हो सकते हैं अरविंद केजरीवाल?

आतिशी का दावा; आप को खत्म करना चाहते हैं प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी शराब घोटाला मामले में लगातार घिरती जा रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने पेश होने के लिए कहा है। जिसके बाद दिल्ली मंत्री आतिशी ने भाजपा पर निशाना साधा। नोटिस में उन्हें दो नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इससे पहले मुख्यमंत्री को सीबीआई अप्रैल महीने में पूछताछ के लिए बुला चुकी है। केजरीवाल से ईडी दिल्ली की नई शराब नीति मामले में पूछताछ करेगी। आप मंत्री आतिशी ने अरविंद केजरीवाल को समन जारी होने पर कहा कि हमें जानकारी मिल रही है कि अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने दो नवंबर को पेश होने के लिए कहा है। ईडी उन्हें गिरफ्तार करेगी और जेल में डाल देगी। भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहते हैं। केजरीवाल को गिरफ्तार किया जा सकता है, जबकि उनके खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। आप पार्टी से प्रधानमंत्री डरते हैं। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि आज दिल्लीवासियों के जीवन में दशहरा दिवस है जब सच्चाई की जीत हुई है और जल्द ही दिल्ली को अरविंद केजरीवाल के भ्रष्ट शासन से मुक्ति मिलेगी। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने अरविंद केजरीवाल को ईडी के समन का स्वागत किया है और कहा है कि यह सच्चाई की जीत का दिन है। आज जब सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसौदिया की जमानत खारिज कर दी तो इससे भाजपा के शराब घोटाले के आरोप सही साबित हो गए और केजरीवाल को ईडी का समन, केजरीवाल टीम के जेल जाने के साथ भ्रष्टाचार की गाथा को अंजाम तक ले जाने का अंतिम कदम है।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के खिलाफ केरल में एफआईआर दर्ज

धार्मिक नफरत फैलाने के आरोप

कोच्चि, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने नफरती बयान देने के मामले में केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। केरल पुलिस ने कोच्चि विस्फोटों के संबंध में सोशल मीडिया पर मंत्री के हालिया बयानों को लेकर मामला दर्ज किया है। उनपर आरोप है कि उन्होंने राज्य के मलप्पुरम जिले में एक इस्लामी समूह द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में हमास नेता के संबोधन के संबंध में नफरती बयान दिया था।

धार्मिक नफरत फैलाने का आरोप

पुलिस ने मंगलवार को कहा कि कथित तौर पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने वाले बयान देने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कोच्चि शहर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आईपीसी की धारा 153ए (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और धारा 120 (ओ) (उपद्रव और सार्वजनिक व्यवस्था का उल्लंघन करना) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।) मंत्री के खिलाफ केरल पुलिस अधिनियम का मामला दर्ज किया गया है। रविवार को कलामासेरी में यहोवा के साक्षियों की एक धार्मिक सभा में बम विस्फोटों की रिपोर्ट सामने आने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर केरल के सीएम पिनाराई विजयन की आलोचना करते हुए पोस्ट डाले।

सीएम विजयन के खिलाफ विवादित पोस्ट

उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे बदनाम मुख्यमंत्री (और गृह मंत्री) पिनाराई विजयन गंदी-बेशर्म और तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। दिल्ली में बैठकर इजराइल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि केरल में जिहाद के लिए आतंकवादी हमास द्वारा खुले तौर पर आह्वान के कारण निर्दोष ईसाइयों पर हमले और बम विस्फोट हो रहे हैं। इसके बाद, सोमवार को सीएम और चंद्रशेखर के बीच जुबानी जंग हुई, जिसमें बीजेपी नेता ने विजयन को झूठा कहा और उन्होंने बदले में राज्य मंत्री को बेहद जहरीला करार दिया। सीएम ने यह भी कहा कि अगर कोई भी कानून का उल्लंघन करने वाला बयान देता है, चाहे वे केंद्रीय या राज्य मंत्री हों, उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जाएंगे। ये विस्फोट कोच्चि के पास कलामासेरी में एक कन्वेंशन सेंटर में किए गए थे, जहां रविवार को यहोवा के साक्षियों की एक प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। उसके कुछ घंटों बाद यहोवा के साक्षियों का एक अलग सदस्य होने का दावा करने वाले मार्टिन ने राज्य के त्रिशूर जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और कहा कि उसने कई विस्फोटों को अंजाम दिया। विस्फोट में प्रारंभ में एक महिला की मौत हो गई थी और 60 लोग घायल हो गए थे, जिनमें से छह की हालत गंभीर थी। इसके बाद गंभीर रूप से घायल छह लोगों में से एक - 53 वर्षीय महिला - ने दम तोड़ दिया था। सोमवार सुबह तक 12 वर्षीय लड़की की मौत के साथ मरने वालों की संख्या तीन हो गई, जो इस घटना में 95 प्रतिशत जल गई थी।

लुलु मॉल में शर्मनाक हरकत महिला के साथ छेड़छाड़ का वीडियो वायरल

बेंगलुरु, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर हर दिन अलग-अलग वीडियो वायरल होते रहते हैं। कुछ वीडियो लोगों को हैरान कर देते हैं तो वहीं कुछ वीडियो आपको हंसने को मजबूर कर देंगे। मगर इस बार एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसे देखने के बाद आपको शख्स की हरकत पर गुस्सा आएगा। वायरल वीडियो में एक शख्स महिला के साथ छेड़छाड़ करता हुआ नजर आ रहा है। आप देख सकते हैं कि मॉल के गेम ज़ोन में लड़की खड़ी है। तभी पीछे से एक उम्र दराज शख्स आता है और लड़कि को पीछे से टच करता है। इसके तुरंत बाद वो वहां से चला जाता है। वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर @नफरत का पता लगाने वाले नाम के पेज ने शेयर किया है। वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा है, 'वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स महिला को पीछे से जानबूझकर छू रहा है। इसके बाद वह शख्स वहां से चला गया। पीड़ित महिला ने इसका विरोध नहीं किया।' पेज पर आगे लिखा है कि, इस वीडियो को एक शख्स ने रिकॉर्ड किया और इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। वीडियो अपलोड करने वाले शख्स ने बताया कि यह घटना लुलु मॉल का है। उसने आगे बताया कि, 'जब उसने एक शख्स को अजीब हरकत करते हुए देखा। इसके बाद उसने उसका पीछा करते हुए वीडियो बनाया, जिसमें यह रिकॉर्ड हुआ। उसने वहां के गार्ड को इसकी शिकायत भी की मगर वह शख्स कहीं नजर नहीं आया।' वीडियो के साथ कैप्शन में यह भी बताया गया कि बेंगलुरु पुलिस मामले में जांच कर रही है। वायरल वीडियो को देखने के बाद लोगों को काफी गुस्सा आया। लोग इस शख्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- इसको तो सजा मिलनी चाहिए। तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- लड़की ने इसको मारो क्यों नहीं, उसने इसे इग्नोर कर दिया। तीसरे यूजर का कहना है कि- ऐसे लोगों को तो जेल के पीछ होना चाहिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 223 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.4 2080 बुधवार, 1 नवंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मेरी माटी-मेरा देश अमृत कलश यात्रा का समापन

मोदी बोले, देशभर से लाई मिट्टी सिद्धि के लिए प्रेरित करेगी, माई भारत पोर्टल लॉन्च किया

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के कर्तव्य-पथ (विजय चौक) पर मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा के समापन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर कर्तव्य पथ एक ऐतिहासिक महायज्ञ का साक्षी बन रहा है। इस दौरान उन्होंने देशभर से लाई गई मिट्टी को भारत कलश में डालकर तिलक लगाया और वीरों और वीरांगनाओं को श्रद्धांजलि दी। पीएम ने मेरा युवा भारत पोर्टल भी लॉन्च किया।

इससे पहले, पीएम ने इस यात्रा की एक डिजिटल प्रदर्शनी भी देखी। देशभर के गांवों से साढ़े आठ हजार अमृत कलशों में मिट्टी भरकर दिल्ली लाई गई है। इसे कर्तव्य पथ के पास रखे भारत कलश में इकट्ठा किया गया है।

मोदी के संबोधन की खास बातें

कई लोगों के मन में ये सवाल उठ सकता है कि मिट्टी ही क्यों, मिट्टी से भरे कलश ही क्यों? एक कवि ने कहा है, ये वह मिट्टी, जिससे जीवन पलता आया। इस मिट्टी की सौगंध खाकर वीरों ने आजादी की लड़ाई लड़ी। कितने ही किस्से इस मिट्टी से जुड़े हुए हैं। कई साल पहले एक बच्चा मिट्टी में लकड़ी बो रहा था। पिता ने पूछा, क्या बो रहे हो? लड़के ने कहा, बंदूकें बो रहा हूं, जिससे देश को आजाद कराऊंगा। वो वीर भगत सिंह थे। माटी स्वरूप चंदन को हम माथे पर लगाने के लिए लालायित रहते हैं। हमारे मन-मस्तिष्क में यही चलता है कि जो माटी का कर्ज चुका दे, वही जिंदगानी है। >14

मराठा आरक्षण को लेकर पुणे-मुंबई हाईवे जाम

धाराशिव में ट्रेन रोकी, आठ जिलों में प्रदर्शन जारी, सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई

बीड, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन हिंसक हो गया है। यह राज्य के मराठवाड़ा इलाके के 8 जिलों में फैल गया है। इनके अलावा पुणे, अहमदनगर में भी प्रदर्शन हो रहे हैं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस पर 6 किमी जाम लग गया। इन शहरों में आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं।

बीड और माजलगांव के बाद मंगलवार को जालना के पंचायत बॉडी ऑफिस में आग लगा दी गई। इसके पहले उमरगा कस्बे के नजदीक तुरोरी गांव में भी सोमवार देर रात आगजनी हुई। तुरोरी में प्रदर्शनकारियों ने कर्नाटक डिपो की एक बस में आग लगा दी थी। राज्य सरकार ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

उधर, इस आंदोलन से सबसे ज्यादा प्रभावित बीड शहर के बाद उस्मानाबाद में भी प्रशासन ने कर्फ्यू लगा दिया है। बीड में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। वहीं, जालना शहर में भी पिछले 12 घंटों में तीन लोगों ने सुसाइड करने की कोशिश की। यहां भी पिछले 13 दिनों से प्रदर्शन जारी है।

शिंदे सरकार विधानसभा का स्पेशल सेशन बुलाने पर विचार कर रही है। इसके लिए कैबिनेट मीटिंग हो सकती है। इसमें मराठाओं को आरक्षण देने के लिए अध्यादेश लाया जा सकता है। आंदोलन के नेता मनोज जारंगे ने कहा कि आधा नहीं, पूरा आरक्षण लेंगे। कोई भी ताकत आ जाए, महाराष्ट्र के मराठा नहीं रुकेंगे। विधायकों, सांसदों को आरक्षण मिलने तक मुंबई में रहना चाहिए।

महुआ बोलीं, सरकार मेरा फोन हैक करने की कोशिश कर रही

राहुल ने कहा, कांग्रेस नेताओं को हैकिंग अलर्ट आया, एपल बोला-अटैक किसने किया, नहीं बता सकते

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में फंसीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने दावा किया है कि केंद्र सरकार उनका फोन और ईमेल हैक करने की कोशिश कर रही है। एक ट्वीट में महुआ ने लिखा कि देश के गृह मंत्रालय के पास और कोई काम नहीं है। अडाणी और प्रधानमंत्री कार्यालय के गुंडों, तुम्हारा डर

देखकर मुझे तरस आता है।

कांग्रेस नेता शशि थरूर, पवन खेड़ा, आप सांसद राघव चड्ढा, शिवसेना (उद्धव गुट) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और सीपीआई(एम) के जनरल सेक्रेटरी सीताराम येचुरी ने भी यही दावा किया है। इसके कुछ देर बाद राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि ये अलर्ट मेरे ऑफिस में सबको मिला है। >14

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इंडियन आर्मी मेजर को किया टर्मिनेट

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड (एसएफसी) यूनिट में तैनात भारतीय सेना के एक मेजर की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। सेना की जांच में पहले पाया गया था कि मेजर ने कई गलतियां की थीं जिसकी वजह से राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी खतरा पैदा हो गया था।

राष्ट्रपति ने सेना अधिनियम, 1950 की धारा 18, संविधान के अनुच्छेद 310 के साथ और इस संबंध में उन्हें प्रदत्त अपनी सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दिया कि मेजर की सेवाओं को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया जाए। ये आदेश 15 सितंबर को जारी किए गए थे और इस महीने की शुरुआत में स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड यूनिट में लागू किए गए थे, जहां मेजर उत्तर भारत में तैनात थे।

मेजर की गतिविधियों की जांच मार्च 2022 से की जा रही थी जब अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौते से संबंधित मामलों की जांच के लिए अधिकारियों का एक बोर्ड बनाया गया था। स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड ने अधिकारियों के बोर्ड को डिजिटल उपकरणों को जब्त करने और संदिग्ध गतिविधियों/सोशल मीडिया उल्लंघनों/किसी भी सुरक्षा संबंधी चिंताओं, अनधिकृत लोगों के साथ जानकारी साझा करने/लीक करने में मेजर की संभावित संलिप्तता के बारे में प्रारंभिक जांच करने के लिए अधिकृत किया था। इसके साथ ही संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और जासूसी गतिविधियों में उसकी संभावित भागीदारी की भी जांच की जा रही थी।

मणिपुर में एसडीओपी को गोली मारी, मौत

इंफाल/नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर के टेंग्नौपाल जिले के मोरेह इलाके में मंगलवार 31 अक्टूबर को एक पुलिस अधिकारी को गोली मार दी। मोरेह के एसडीओपी चिंगथाम आनंद कुकी- जो समुदाय के प्रभाव वाले इलाके का दौरा कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि एसडीओपी आनंद बॉर्डर टाउन में नए बने हेलिपैड की जांच करने गए थे। इस दौरान ट्राइबल मिलिटेंट के एक समूह ने उन पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में एसडीओपी को गोली लग गई।

इसके बाद उन्हें हॉस्पिटल लाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।दरअसल, कई हफ्तों से मोरेह के कुछ सिविल सोसाइटी संगठन सुरक्षाबलों को बॉर्डर टाउन इलाके से हटाने की मांग कर रहे थे। इसके बाद ऐसी घटना सामने आई है।

पीएम मोदी ने सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

अहमदाबाद, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात दौरे के दूसरे दिन सुबह 8 बजे नर्मदा जिले के केवडिया स्थित पहुंचे। उन्होंने यहां लौह पुरुष और देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पटेल की यहां 182 मीटर ऊंची दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति है। इसे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी कहा जाता है।

इसके बाद पीएम ने लोगों को संबोधित किया। अपने संबोधन में देश की एकता और अखंडता के साथ-साथ कश्मीर में 370 को हटाए जाने पर भी बात की।

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर पहले दिन की सुनवाई

प्रशांत भूषण बोले- ये बांड केवल रिश्वत है, जो सरकारी निर्णयों को प्रभावित करता है

नई दिल्ली,31 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम मामले में 31 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में पहले दिन की सुनवाई हुई। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी केंद्र सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए, जबकि सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल, प्रशांत भूषण और विजय हंसारिया कोर्ट में मौजूद याचिकाकर्ताओं के लिए केस लड़ रहे हैं। मामले पर प्रशांत भूषण ने कहा कि ये बांड केवल रिश्वत हैं, जो सरकारी निर्णयों को प्रभावित करते हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2 जनवरी 2018 को स्कीम को नोटिफाई किया था। स्कीम के प्रावधानों के मुताबिक, इलेक्टोरल बॉन्ड को कोई भी नागरिक अकेले या किसी के साथ मिलकर खरीद सकता है। सुनवाई से पहले अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि नागरिकों को पार्टियों का इनकम सोर्स जानने का अधिकार नहीं है। मामले में चार याचिकाएं दायर की गई हैं। इनमें कांग्रेस नेता जया ठाकुर और सीपीएम की पिटीशंस भी हैं।

प्रशांत भूषण : केंद्रीय सत्तारूढ़ दल को कुल योगदान का 60 प्रतिशत से ज्यादा मिला है। अगर किसी नागरिक को उम्मीदवारों, उनकी संपत्ति, उनके आपराधिक इतिहास के बारे में जानने का अधिकार है तो उन्हें ये भी पता होना चाहिए कि राजनीतिक दलों को कौन फंड कर रहा है?

प्रशांत भूषण : बॉन्ड स्कीम कहती है कि यदि ईडी को पैसों के बारे में जानकारी चाहिए तो एसबीआई खुलासा कर सकती है। लेकिन सभी एजेंसियां सरकार के नियंत्रण में हैं और एसबीआई भी। >14

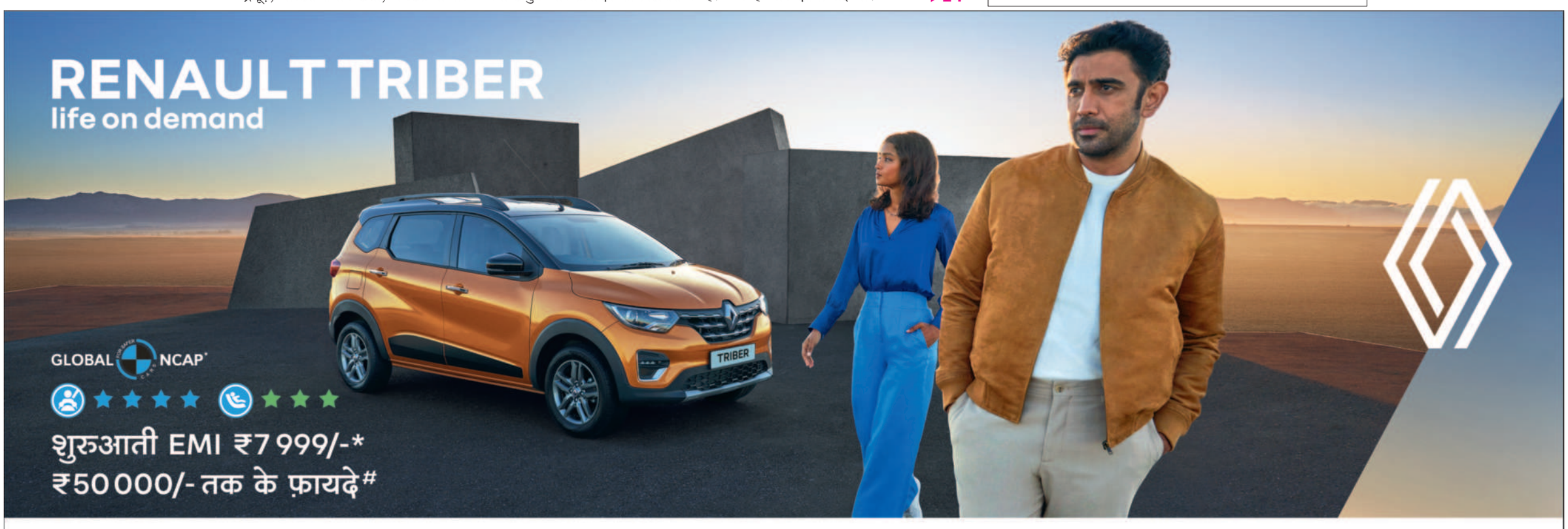

625L तक बूट स्पेस

20.32 cm टचस्क्रीन mediaNAV इवोल्यूशन

फ़्रंट और साइड एयरबैग्स - ड्राइवर और पैसेंजर

हिल स्टार्ट असिस्ट (HSA)

for a test drive, call on 1800 315 4444. select variants available in CSD. special offers for defence personnel, government, PSU and corporate employees. for bulk enquiries, contact corpsales@renault.com
for further details, connect on renault.co.in

terms and conditions apply. *₹7 999 EMI based on a loan amount of ₹4.74 lakh for a tenure of 84 months. EMI may vary based on actual loan amount and tenure. not valid for any added loan amount and tenure. finance at the sole discretion of Renault Finance. #advantages up to ₹50 000/- for Triber includes cash benefits up to ₹20 000/- on select variants, exchange benefits up to ₹20 000/- on select variants & loyalty cash benefits up to ₹10 000/- on select versions. *Triber has scored 4-star safety rating for adult occupant safety and 3-star child occupant safety in crash test conducted by Global NCAP. the same has been published by NCAP on their website. the evaluation of the tests by Global NCAP has resulted in Triber being the safest in the 7-seater mass segment in India.corporate/PSU/defense personnel/government employee/professionals benefits applicable on each model is basis eligibility of the customer and based on submission of required proof by the customer. price valid on the date of purchase. for detailed offers, visit www.renault.co.in/offers. Renault India Pvt. Ltd. reserves the right at its absolute discretion to terminate this scheme or vary, delete or add to any of these terms and conditions from time to time without notice including without limitation. offers may vary across variants and cities. model/accessories shown may not be a part of the standard fitment. the color in the image may vary slightly from the actual color of the product. the above mentioned offers & benefits are valid till 15th November 2023 and are through Renault dealership. Renault India Pvt. Ltd. shall not be liable for any loss or damage arising from your failure to comply or understand the offer details. in the event of any dispute, all matters shall be governed by all applicable laws of India and court at Gurugram shall have the exclusive jurisdiction. for detailed terms and conditions, please visit www.renault.co.in

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT Attapur Mob: +91 9311340914, RENAULT AS Rao Nagar Mob: +91 9289208861, RENAULT Banjara Hills Mob: +91 7428892716, RENAULT Begumpet Mob: +91 9311733972, RENAULT Gachibowli Mob: +91 9289220863, RENAULT Himayatnagar Mob: +91 8448989105, RENAULT Hitech City Mob: +91 9311733970, RENAULT Kukatpally Mob: +91 7067322620, RENAULT LB Nagar Mob: +91 9311700671. **KARIMNAGAR:** RENAULT Karimnagar Mob: +91 9582305983. **KHAMMAM:** RENAULT Khammam Mob: +91 8527234093. **KOTHAGUDEM:** RENAULT Kothagudem Mob: +91 7428439271. **MAHABUBABAD:** RENAULT Mahabubabad Mob: +91 9311341235. **MAHBUBNAGAR:** RENAULT Mahbubnagar Mob: +91 7799766431. **MANCHERIAL:** RENAULT Mancherial Mob: +91 9582571953. **MIRYALGUDA:** RENAULT Miryalguda Mob: +91 7428439406. **NALGONDA:** RENAULT Nalgonda Mob: +91 7428439437. **NIZAMABAD:** RENAULT Nizamabad Mob: +91 9311700672. **SATHUPALLY:** RENAULT Sathupally Mob: +91 8130499615. **SHADNAGAR:** RENAULT Shadnagar Mob: +91 9311700675. **SIDDIPET:** RENAULT Siddipet Mob: +91 8527235114. **SURYAPET:** RENAULT Suryapet Mob: +91 8130311149. **VIKARABAD:** RENAULT Vikarabad Mob: +91 9311733961. **WARANGAL:** RENAULT Warangal Mob: +91 9311700673. **ZAHIRABAD:** RENAULT Zahirabad Mob: +91 9311733977.

2024: यूपी में कुछ सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ सकती है नीतीश की पार्टी, जेडीयू नेता का बड़ा बयान

पटना, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। 'इंडिया' गठबंधन में शामिल नीतीश कुमार की पार्टी हो सकता है कुछ सीटों से यूपी में भी चुनाव लड़े। जेडीयू नेता और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने बड़ा बयान दिया। कहा कि उत्तर प्रदेश में 80 संसदीय क्षेत्र हैं तो सभी लोगों (महागठबंधन में शामिल पार्टियां) से मिलकर यह तय किया जाएगा कि क्या करना है। कुछ सीटों पर अगर बात बनी तो जेडीयू उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ सकती है। राजीव रंजन ने कहा, कोई भी पार्टी अपने राष्ट्रीय विस्तार के लिए किसी भी राज्य में अपने संगठन का विस्तार करती है। मैं असम का प्रभारी भी हूं और

वहां के जेडीयू कार्यकर्ता भी कुछ सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। तो यह एक संगठन विस्तार की प्रक्रिया है इसमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। उत्तर प्रदेश में कुछ भी तय होगा तो वहां की सबसे प्रभावशाली पार्टी समाजवादी पार्टी है जो इंडिया गठबंधन में शामिल है। कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है। सभी राज्यों में उसका प्रभाव है। उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस का प्रभाव है। तो यह सभी से मिलकर तय किया जाएगा।

'बीजेपी को इंडिया नाम से लगने लगा डर'

जेडीयू नेता ने कार्यक्रम में ही आगे कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने के साथ ही नीतीश कुमार सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने में जुट गए थे। इसका असर हुआ कि पटना से मुंबई तक बैठक हुई। इसमें वैसी पार्टी भी एकजुट हो गई जिनकी सहमति नहीं बन रही थी। कुछ विसंगतिया थीं, लेकिन सभी लोग साथ हो गए और इसका असर भी दिखा कि बीजेपी को 'इंडिया' नाम से डर लगने लगा। उन्होंने कहा कि जहां तक बात नीतीश कुमार के संयोजक बनने की है तो उन्होंने संयोजक बनने की इच्छा कभी नहीं जताई है।

जेडीयू के जवाब पर बीजेपी ने किया पलटवार

इधर, राजीव रंजन के बयान पर बीजेपी ने भी हमला किया है। बीजेपी प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि जेडीयू प्रवक्ता के बयान से उनका दर्द झलक रहा है। राजीव रंजन कहते हैं नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन में संयोजक नहीं बनना चाहते हैं, यह हास्यास्पद है। कांग्रेस नीतीश कुमार पर भरोसा नहीं करती है। कांग्रेस के मुखर विरोध के कारण वे संयोजक नहीं बने। कांग्रेस क्षेत्रीय पार्टियों को बढ़ते देखना नहीं चाहती है। इसका उदाहरण है कि मध्य प्रदेश के चुनाव में जेडीयू कांग्रेस के पास गई, लेकिन कांग्रेस ने भाव नहीं दिया तो जेडीयू अकेले मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ रही है। प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि घमंडिया गठबंधन के नेताओं के अक्ल पर पर्दा पड़ा हुआ है। उन्हें वास्तविकता नहीं दिख रही है, लेकिन राजीव रंजन का दर्द झलकना भी जायज है क्योंकि उनके नेता से दिल्ली दूर हो गई और उनका सपना चकनाचूर हो गया।

पीड़िता को मिला इंसाफ, 21 साल बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अलीगढ़, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 14 वर्षीय युवती के ऊपर सन 2002 में एसिड अटैक किया गया था। लेकिन पुलिस के द्वारा उक्त प्रकरण में मुकदमा दर्ज नहीं किया गया और काफी लंबे समय से युवती इंसाफ के लिए भटक रही थी। इस दौरान 2014 में युवती की आगरा के एक कैफे में अंदर नौकरी लग गई। एक दिन एडीजी आगरा जोन राजीव कृष्ण कैफे के अंदर पहुंचे, जहां उन्होंने एसिड अटैक युवतियों से बातचीत की। अलीगढ़ की रहने वाली एसिड अटैक युवती ने अपनी दास्तान एडीजी राजीव कृष्ण को बताई। जिसके बाद एडीजी राजीव कृष्ण ने आगरा में मुकदमा दर्ज कराया।

खेत में खोदाई के दौरान मिली पीली धातु की भगवान विष्णु की मूर्ति

पीलीभीत, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में एक खेत में खोदाई के दौरान पीली धातु की भगवान विष्णु की मूर्ति मिली है। इसकी जानकारी होने पर लोगों ने मूर्ति की पूजा शुरू कर दी है। मंगलवार सुबह से भगवान विष्णु की मूर्ति देखने वालों का तांता लगा है। कुछ लोगों ने मूर्ति को सोने की बताया है। जिस जगह पर मूर्ति मिली है, वहां पर मंदिर बनाने की बात कही जा रही है। पूरनपुर तहसील क्षेत्र के गांव चांट फिरोजपुर में पूरब दिशा की ओर देवी स्थान है। देवी स्थान के पास जेसीबी मशीन से गड्ढा खोदकर बोरिंग का काम चल रहा था। मंगलवार सुबह अचानक बोरिंग होने के स्थान पर जमीन से भगवान विष्णु की पीली धातु की मूर्ति निकालने की चर्चा होने लगी। बताया जा रहा है कि गड्ढे के पास खेल रहे बच्चों की नजर मूर्ति पर पड़ी।

ग्रामीणों ने मूर्ति की पूजा शुरू की

बच्चों ने इसके बारे में पास में ही मौजूद ग्रामीणों को बताया। जानकारी मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। मूर्ति की धुलाई कर उसी जगह पर रख दिया। आस पड़ोस के गांवों के लोग भी पहुंच गए। ग्रामीणों ने मूर्ति की पूजा अर्चना शुरू कर दी। धूप, दीप के अलावा रुपयों का चढ़ावा भी चढ़ाए जाने लगा। धार्मिक स्थल के पास भगवान की मूर्ति निकालने के बाद लोगों ने टंकी बनने का काम रुकवा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि इस स्थान पर टंकी नहीं अब भगवान का मंदिर बनाया जाएगा।

रिटायर्ड आईएएस और महिला के बीच थप्पड़बाजी

नोएडा, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक बार फिर लिफ्ट में कुत्ते को ले जाने पर विवाद खड़ा हो गया। ताजा मामला सेक्टर 108 स्थित पार्क लॉरेट सोसाइटी का है, जहां लिफ्ट में कुत्ते को ले जाने पर एक रिटायर्ड आईएएस और महिला के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि नौबत थप्पड़बाजी तक आ गई। अब इस थप्पड़कांड का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। मिल रही जानकारी के मुताबिक दोनों परिवारों की तरफ से पुलिस में कोई शिकायत न करते हुए समझौता कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि एक रिटायर्ड आईएएस आरपी गुप्ता ने महिला को कुत्ते के साथ लिफ्ट में जाने पर रोका। लेकिन महिला ने उनकी एक ना सुनी। जिसके बाद विवाद बढ़ गया। महिला ने लिफ्ट से निकलने से मना कर दिया। जिसके बाद रिटायर्ड आईएएस ने वीडियो बनाना शुरू किया। जिस पर महिला आग- बबूला हो गई और उन मोबाइल को हाथ से गिरा दिया। जिसके बाद उन्होंने महिला को ताबड़तोड़ थप्पड़ जड़ दिए। इस पूरे मामले पर पुलिस जांच में जुट गई, लेकिन बताया जा रहा है कि दोनों परिवारों में समझौता हो गया है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि रिटायर्ड आईएएस और हाथापाई हो रही है। इसी बीच उसका पति भी आ जाता है और वह भी उलझ जाता है और रिटायर्ड आईएएस से मारपीट करने लगता है। हालांकि बाद में दोनों परिवारों ने समझौता कर लिया। गौरतलब है कि यह पहला मामला नहीं है, जब लिफ्ट में कुत्ते को ले जाने पर विवाद हुआ हो। इससे पहले भी कई बार ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। इससे पहले एक वीडियो आया था, जिसमें लिफ्ट के अंदर महिला के साथ मौजूद कुत्ते ने एक मासूम को काट लिया था।

राजा भैया अपने तालाब में पालते हैं मगरमच्छ? लालू यादव के सवाल पर किया ये खुलासा

प्रयागराज, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का आज जन्मदिन है। सोशल मीडिया पर पहले ही बधाई और शुभकामनाओं की होड़ लग गई है। वैसे तो आपने राजा भैया के बारे में कई किस्से और कहानियां सुनी होंगी, लेकिन आज हम आपको उनके रहस्यमय तालाब के बारे में एक किस्सा सुनाएंगे। ऐसी अफवाहें हैं कि राजा भैया अपने तालाब में मगरमच्छ पालते हैं। इस किस्से को बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव भी जानते थे और उन्होंने खुद इस बारे में राजा भैया से बात किया था। यह किस्सा राजा भैया ने अपने एक इंटरव्यू के दौरान साझा किया था।

लालू प्रसाद यादव ने मगरमच्छ को लेकर यह क्या पूछ लिया?

राजा भैया ने इंटरव्यू में बताया कि लखनऊ के वीवीआई गेस्ट हाउस में उनकी मुलाकात पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर से हुई। उस समय वहां बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भी मौजूद थे। कमरे से निकलते समय दोनों एक दूसरे से टकराए। इस दौरान उन्होंने लालू प्रसाद यादव प्रणाम किया और आगे बढ़ गए।

कमरे में जाकर पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने तत्कालीन पीएम चंद्रशेखर से पूछा कि ये राजा भैया हैं ना, उनको बुलवाइए।

राजा भैया उनके पास गए तो उन्होंने बिहारी लहजे में पूछा कि क्यों जी ई मगरमच्छवा सही में पाले हैं। आपको बता दें कि ये किस्सा भले ही एक मजाक हो लेकिन इस तरह के विवादित सवालों में अक्सर राजा भैया घिर जाते हैं। राजा भैया की पत्नी और भाई में तू-तू मैं-मैं, अक्षय प्रताप बोले- हम भी चाहते हैं की असलियत सामने आए

राजा भैया ने क्या कहा?

राजा भैया ने इंटरव्यू में बताया, "जिस तालाब की बात दशकों से होती आई है, वो 600 बीघा में है। उसमें मछली पालन का काम होता है। अगर कोई भी मछली पालेगा तो, वो तालाब में मगरमच्छ नहीं पालेगा क्योंकि मगरमच्छ मछली खा जाएगा।"

'आजम खान का एनकाउंटर हुआ तो' देश में क्या होगा, सपा नेता ने दी चेतावनी

इटावा, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रोफेसर राम गोपाल यादव ने जेल में बंद पूर्व मंत्री और सपा के वरिष्ठ नेता आजम को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर आजम खान का 'एनकाउंटर' (मुठभेड़) हुआ तो देश में क्या होगा, इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। इटावा नगर में सरदार बल्लभ भाई पटेल की स्मृति में आयोजित समारोह में आये सपा नेता एवं राज्यसभा सदस्य प्रोफेसर राम गोपाल यादव ने पत्रकारों द्वारा आजम खान को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में कहा, "उन्होंने (आजम ने) सही कहा है। आजम खान के साथ जितना अन्याय हो रहा है, इतना अन्याय किसी भी राजनीतिक व्यक्ति के साथ नहीं हुआ है।" उन्होंने कहा कि अगर आजम खान का एनकाउंटर हुआ तो देश में क्या होगा इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। अब्दुल्ला आजम खान के दो अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्रों के मामले में 18 अक्टूबर 2023 को उन्हें, उनकी पत्नी पूर्व सांसद डॉ। तजीन फातिमा और छोटे बेटे अब्दुल्ला आजम को अदालत ने सात-सात वर्ष कारावास की सजा सुनाई थी और 50-50 हजार का जुर्माना लगाया था। इसके बाद उन्हें रामपुर जिला कारागार भेज दिया गया था। इसके बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को 22 अक्टूबर को तड़के रामपुर जिला

कारागार से क्रमशः सीतापुर और हरदोई की जेल भेज दिया गया। रामपुर जेल से निकलते समय आजम खान ने पत्रकारों के साथ बातचीत में आशंका जताई थी, हमारा एनकाउंटर भी किया जा सकता है।

यूपी सरकार पर साधा निशाना

राम गोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को पूरी तरह से चौपट करार देते हुए कहा, "मुख्यमंत्री को जो अधिकारी घेरे हुए हैं वो लगातार उन्हें गलत सूचनाएं देते हैं, उनको असलियत तक जाने ही नहीं देते हैं।" यादव ने आरोप लगाया, "प्रदेश में जितनी भी मुठभेड़ें हो रही हैं, सभी फर्जी हैं।" सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा पीडीए साइकिल यात्रा के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा कि अखिलेश यादव द्वारा पीडीए साइकिल यात्रा निकालने का मकसद बीजेपी की कमजोरियों को जनता के सामने लाकर उन्हें उसकी गलत नीतियों से रूबरू कराना और जनहित की अपनी योजना उनके बीच रख कर विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करना है।

बदायूं में दो स्कूल वाहनों की भिड़ंत में 3 बच्चों समेत 4 की मौत

बदायूं, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में सोमवार को दो स्कूल वाहनों की आपस में भिड़ंत हो गई जिसमें तीन बच्चों समेत एक वाहन चालक की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि बदायूं जिले के थाना उसावां क्षेत्र में सोमवार को स्कूल बस और वैन की टक्कर हुई। हादसे में बस चालक और तीन छात्रों की मौत हुई है। 16 छात्र घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बच्चों के बेहतर उपचार के लिए चिकित्सकों को निर्देश दिए गए हैं। वहीं, एक छात्र और भी गंभीर है। सारे मामले की जांच हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कस्बा म्याऊं स्थित एसआरपीएस स्कूल की वैन और सत्यदेव इंटर कॉलेज की बस गांवों से बच्चों को लेकर जा रही थी। नवीगंज के पास स्कूल बस और वैन की तेज टक्कर हो गई। हादसा होते ही घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारी मिलते ही बच्चों के स्वजन भी पहुंच गए। घायल बच्चों को निकाल कर सड़क पर लिटा दिया गया, जिससे कई बच्चों की मृत्यु की सूचना फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में पहुंचाया।

भाजपा और कांग्रेस ने की एक तरह की गलती

आज तक भुगत रही ख़ामियाज़ा- प्रशांत किशोर

पटना, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने चुनावी रणनीतियों पर काम करना शुरू कर दिया है। सभी पार्टियां अपनी सियासी ज़मीन मज़बूत करने में जुटी हुई है। इसी क्रम में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी प्रदेश में अलग ही सियासी फ़िज़ा तैयार करने में जुटे हुए हैं। प्रशांत किशोर ने बिहार की बदहाल व्यवस्था का ज़िम्मेदार लालू और नीतीश को ही बताया है। इसके साथ ही राजद, जदयू, कांग्रेस और भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा है। जन सुराज पदयात्रा के दौरान मधुबनी में लोगों को संबोधित करते हुए पीके ने कहा कि नीतीश और लालू के साथ-साथ भाजपा और कांग्रेस भी ज़िम्मेदार है।

कांग्रेस ने बिहार में अपने संगठन को लालू यादव को बेच दिया और प्रदेश को भी राजद को नीलाम कर दिया। भारतीय जनता पार्टी ने भी केंद्र की सत्ता पर क़ाबिज़ रहने के लिए घातक कदम उठाया है। 1989-1990 के दौरान जब बिहार में कांग्रेस हारी तो प्रदेश को लालू के हवाले कर दिया। बिहार में लंबा शासन करने वाली पार्टी राजद के हाथों बिक गई। बिहार की जनता के बारे में कुछ नहीं सोचा। बिहार बेचने के साथ ही संगठन को भी कांग्रेस ने बेच दिया। 1990 के दशक में प्रदेश की जनता से धोखा करने का ख़ामियाज़ा आज तक कांग्रेस भुगत रही है। पीके ने कहा कि 1990 के दशक में कांग्रेस बिहार में रुलिंग पार्टी थी।

एक बार कांग्रेस चुनाव हारी, इसके बाद से बिहार और पार्टी को लालू जी के हवाले छोड़ दिया। बिहार की जनता के बारे में नहीं सोचा, कांग्रेस ऐसा करने वारी अकेली पार्टी नहीं है। भारतीय जनता पार्टी ने भी बिहार में यही ग़लती की और नीतीश के हवाले बिहार कर दिया। बिहार के हितों का ध्यान नहीं रखा। भाजपा जो दूसरे प्रदेशों में दलों को तोड़कर सत्ता हासिल करती है, वही भाजपा 2020 में प्रदेशी की सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद नीतीश कुमार को सीएम का ताज पहना दिया।

भाजपा ने ना तो पद संभाला और ना ही प्रदेश को सुधारने की ज़िम्मेदारी उठाई। 45 विधायक वाले नीतीश कुमार को सीएम की कुर्सी सौंप दी। भाजपा ने यह 'नीतीश प्रेम' की वजह से नहीं किया, बल्कि इसके पीछे का गणित था कि जदयू-भाजपा के समीकरण के ज़रिए 30 से 35 एमपी जीत दर्ज करते रहें। केंद्र की सत्ता पर क़ाबिज़ रहें। प्रशांत किशोर ने कहा कि लालू यादव को सोनिया गांधी बिहार इसलिए बेच दिया, ताकि बिहार से 20 से 25 सांसद जीत दर्ज कर पार्टी का परमच बुलंद रखें।

दो महिला मरीजों की मौत पर नर्सिंग होम में बवाल परिजन बोले- डॉक्टर की लापरवाही से गई जान

सीतामढ़ी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीतामढ़ी के दो अलग-अलग नर्सिंग होम में दो महिलाओं की मौत हुई है। घटना के बाद दोनों के परिजन हंगामा करने लगे। डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाकर उनपर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। परिजनों का आरोप लगाकर डॉक्टर और स्टाफ छोड़कर फरार हो गए। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत करवाया। पहली घटना सोनबरसा कस्टम कार्यालय रोड स्थित एक निजी नर्सिंग होम में हुई। आरोप है कि ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत हो गयी। इसके बाद परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। आक्रोशित परिजनों ने जमकर बवाल किया। परिजनों ने घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान सोनबरसा थाना अन्तर्गत इंदरवा पंचायत के पड़रिया वार्ड नौ निवासी रबील कुमार की पत्नी कृष्णा कुमारी (20) के रूप में की गई। परिजनों के हंगामा के बाद चिकित्सक और स्टॉफ नर्सिंग होम छोड़कर फरार हो गए। परिजनों ने प्रसव पीड़ा होने पर उसे भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि डॉ. एम कुमार ने बिना जांच रिपोर्ट आए ही भर्ती करने के दस मिनट बाद प्रसूता का गलत ढंग से पेट चीरने के बाद बच्चा को पेट से बाहर निकाल दिया। जब तक सबकुछ समझ पाते, तब तक डॉ. ने प्रसूता को चीरा लगे स्थान पर बिना टांके के ही कपड़े में लपेटकर निजी गाड़ी में लादकर शांतिनगर रोड स्थित एक क्लिनिक में भर्ती करवा कर मौके से फरार हो गया।

लोकसभा चुनाव के पहले मायावती का साथ छोड़ेगी ये पार्टी

अखिलेश यादव के साथ जाने की चर्चा तेज

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के पहले उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी अपने साथ और दलों को जोड़ने की कोशिश में है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी कई मौकों पर यह कह चुके हैं कि पार्टी और दलों को अपने साथ लाने की कोशिश करेगी। यूपी में साल 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में सपा के साथ महान दल, सुभासपा और रालोद मुख्य तौर पर थे। हालांकि चुनाव बाद ओपी राजभर की सुभासपा और केशव देव मौर्य का महान दल सपा गठबंधन से अलग हो गए थे। ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा तो अब भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए का हिस्सा हो चुकी है लेकिन केशव देव मौर्य ने अभी तक कोई बड़ा फैसला नहीं लिया है। इन सबके बीच केशव देव मौर्य के एक बयान की बड़ी चर्चा है। इसी बयान के आधार पर राजनीतिक गलियारों में दावा किया जा रहा है कि महान दल एक बार फिर यूपी में सपा के साथ जा सकता है। मध्य प्रदेश में तो महान दल सपा के साथ है लेकिन यूपी में अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। हालांकि केशव देव मौर्य के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर सपा और अखिलेश समर्थित टिप्पणियों से यह लग रहा है यूपी में भी पार्टी, दोबारा गठबंधन में आएगी। दरअसल, रविवार को इकाना स्टेडियम में इंडिया बनाम इंग्लैंड मैच के पहले और बाद में सपा प्रमुख राज्य में अपनी सरकार के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम किया था। इस पर अखिलेश के सुर से सुर मिलाते हुए केशव देव मौर्य ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा- 'सपा शासन काल मे, उप्र के तत्कालीन मुख्यमन्त्री अखिलेश यादव की देखरेख मे बने दुनिया के बेहतरीन स्टेडियम मे से एक, इकाना स्टेडियम लखनऊ मे टीम इंडिया ने इंग्लैंड को बुरी तरह पराजित कर दिया।! जीत के हीरो, रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी, सूर्यकुमार यादव, बुमराह सहित पूरी टीम इंडिया को बहुत-बहुत बधाई। इतना ही नहीं केशव देव मौर्य, सपा प्रमुख के पीडीए के साथ भी नजर आ रहे हैं। उन्होंने इस पर भी प्रतिक्रिया दी थी। केशव देव मौर्य ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा था- 'जितनी संख्या।।उतनी हिस्सेदारी। आरक्षण लेने का नहीं, देने का समय आ गया है।! दलित पिछड़े अल्पसंख्यक (शोषित) 85% और शोषक 15% हैं। इसलिए 85% आरक्षण पीडीए को दो।! नहीं तो 15% आरक्षण तुम लो।'

यूपी में बसपा के साथ महान दल

इसी साल जून में केशव देव मौर्य ने बहुजन समाज पार्टी के पक्ष में प्रचार करने का जिम्मा लिया था। सोशल मीडिया साइट पर उन्होंने लिखा था- बसपा के पक्ष मे वॉल-राइटिंग अभियान ने पकड़ी गति, महान दल के जाबाज सिपाहियों ने महान दल ने ठाना है। बसपा को जिताना है। दीवालों पर लिखकर वॉल-राइटिंग अभियान को गति देने में ताकत झोंक दी है। इतना ही नहीं केशव देव मौर्य के महान दल ने फैसला किया था कि वह बिना शर्त बसपा को समर्थन देंगे।

सुपौल में नाबालिग के साथ गैंगरेप

सुपौल, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के सुपौल में एक नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप हुआ है. घटना जिले के नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र का है. सोमवार (30 अक्टूबर) को 12 वर्षीय लड़की मवेशी चराने के लिए गई हुई थी. उसके साथ तीन लड़कों ने बारी-बारी से रेप किया. इस मामले में पीड़ित लड़की की मां ने पुलिस को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है. घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है. उससे पूछताछ की जा रही है. पीड़ित परिजनों की ओर से दिए गए आवेदन में कहा गया है कि सोमवार की दोपहर पीड़ित लड़की जो गूंगी है वह अपने घर से मवेशी को चराने के लिए बीएमपी कैंप के पीछे बालू के टीला पर गई हुई थी. लड़की को अकेला पाकर तीन लड़कों ने उसके साथ बारी-बारी से रेप किया. उसी समय कुछ लड़के जो छठ का घाट छेकने के लिए गए थे वे लड़की के चिल्लाने पर दौड़कर पहुंचे. गांव से भी स्थानीय लोग पहुंचे.

कानपुर और नोएडा में अवैध संपत्तियों को बेचने की फिराक में अतीक अहमद का परिवार, बेटों के दोस्त डील कराने में जुटे

प्रयागराज, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। जहां एक ओर पुलिस माफिया अतीक अहमद के अवैध साम्राज्य से जुड़ी संपत्तियों की तलाश में जुटा है तो वहीं उसका परिवार उन्हें बेचने की फिराक में लगा है। पुलिस को मिले इनपुट के मुताबिक माफिया अतीक अहमद की अवैध संपत्ति बेचने की कोशिश की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक बाल संरक्षण गृह रिहा हुए अतीक के बेटे अहजम के दोस्त जमीन का सौदा करने में लगे हैं। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की नोएडा और कानपुर में करोड़ों की बेनामी संपत्ति का पता लगा है। अतीक अहमद के गैंग आईएएस-227 ने अवैध तरीके से कई शहरों में बेनामी संपत्तियां अर्जित की हैं। अब तक पुलिस और ईडी ने अतीक और अशरफ के परिवार की 12 हजार करोड़ से संपत्ति को चिन्हित कर कार्रवाई की है। एसटीएफ को जानकारी मिली है कि अतीक की फैमिली चोरी से जमीनों को बेचकर रुपए अर्जित करना चाहती है, ताकि करोड़ों की इन बेशकीमती जमीनों को पुलिस कुर्क ना कर सके। नैनी सेंट्रल जेल में बंद अतीक के दूसरे बेटे अली का दोस्त अतिन जफर भी जमीनों की सौदेबाजी में लगा था। वह कानपुर की प्रॉपर्टी बेचने को लेकर कई डीलर्स और कारोबारियों के संपर्क में भी था, हालांकि उससे पहले ही उसे गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। सूत्रों के मुताबिक जेल जाने से पहले अतिन जफर ने अली के कई दोस्तों के बारे में जानकारी दी है,

जो बेनामी संपत्तियों को बेचने के लिए सौदा करने में लगे हैं। यह भी इनपुट मिला है कि नोएडा की एक जमीन को अशरफ के ससुराल वाले बेचने की कोशिशों में है। अशरफ का वकील विजय मिश्रा भी लखनऊ में एक जमीन का सौदा कराने गया था। एसटीएफ ने 29 जुलाई को लखनऊ के विभूति खंड में हयात होटल से अतीक के वकील विजय मिश्रा को गिरफ्तार किया था। पुलिस को वहां पर जमीन के रजिस्ट्री के पेपर भी मिले थे। जिसके बाद अतीक अहमद की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 1 नवंबर, 2023 5

युविचार

खुशनसीब है वो हाथ जो किसी के मुश्किल के वक्त सहारा बन जाये !

तेलंगाना मॉडल संतुलित विकास का प्रतीक : कविता

एमएलसी ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में किशा तेलंगाना मॉडल का अनावरण

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक दिलचस्प प्रवचन में एमएलसी के. कविता ने 'समावेशी विकास की खोज : तेलंगाना मॉडल' के प्रतिमान पर प्रकाश डाला और मुख्यमंत्री केसीआर के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत तेलंगाना के परिवर्तनकारी आख्यान को साझा किया। जैसा कि उन्होंने रेखांकित किया, तेलंगाना मॉडल संतुलित विकास का प्रतीक है, जो कल्याणकारी संवर्धन के साथ बुनियादी ढांचे की प्रगति को सावधानीपूर्वक जोड़ता है।

कविता ने कहा कि हमारी मातृभूमि भारत, हमारी भारत माता के अपरिहार्य उत्थान में तेलंगाना के वास्तुकार केसीआर जैसे सच्चे राजनेताओं के नेतृत्व में हम अपने सभी साथी नागरिकों के लिए सबसे समृद्ध भविष्य का निर्माण करेंगे। कविता ने संकट की पृष्ठभूमि वाले राज्य से समान विकास और नवाचार के प्रतीक के रूप में तेलंगाना के उत्थान की कहानी का खुलासा किया। उनके ज्ञानवर्धक संबोधन ने उन महत्वपूर्ण परियोजनाओं और नीतिगत पहलों पर प्रकाश डाला, जिन्होंने तेलंगाना को पर्याप्त विकास के पथ पर पहुंचाया। इनमें से, कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना जो 3.5 साल की बेहद कम अवधि में पूरी हुई, मिशन भागीरथ, और बिजली क्षेत्र में उल्लेखनीय निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य की प्रतिबद्धता के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में खड़ा है। कृषि क्षेत्र का पुनर्जीवन उनके प्रवचन की आधारशिला थी। उन्होंने हर मोड़ पर किसानों को सरकार के अटूट समर्थन पर जोर देते हुए कहा कि 2014-15 में नकारात्मक विकास दर से लेकर लगातार ऊपर की ओर बढ़ने तक, 2022-23 में इस क्षेत्र में 15.7% की वृद्धि हुई। कल्याण के मोर्चे पर रैतु बंधु, रैतु बीमा और दलित बंधु जैसी योजनाओं ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाने और सभी सामाजिक वर्गों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की दिशा में सरकार के संकल्प को रेखांकित किया है। कृषि पुनरुद्धार के प्रति तेलंगाना के समग्र दृष्टिकोण, टीएस-आईपास जैसी पहलों के माध्यम से औद्योगिक सुविधा और नवाचार पर एक मजबूत फोकस को राज्य के बढ़ते आर्थिक सूचकांकों को चलाने वाले लिचपिन के रूप में उजागर किया गया था। महत्वपूर्ण धान उत्पादन और किसानों के लिए सहायक ढांचे के प्रावधान द्वारा चिह्नित तेलंगाना के कृषि पुनर्जागरण की कहानी को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है।

कविता ने समान धन वितरण और सामाजिक कल्याण के प्रति राज्य के केंद्रित दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए कहा कि तेलंगाना समान आय वितरण के मामले में सभी राज्यों में प्रथम स्थान पर है।

कविता ने ऑक्सफोर्ड में अकादमिक समुदाय को तेलंगाना मॉडल की एक सहयोगात्मक परीक्षा के लिए निमंत्रण दिया, जिससे व्यावहारिक संवाद और आपसी सीख के लिए एक माध्यम को बढ़ावा दिया जा सके। यह सत्र परिवर्तनकारी शासन के खाके के रूप में तेलंगाना मॉडल के प्रति वैश्विक संज्ञान के आह्वान से गूंज उठा।

प्रभाकर रेड्डी की हालत स्थिर, 24-48 घंटों तक गंभीर देखभाल में रहेंगे

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक सांसद के. प्रभाकर रेड्डी, जो सोमवार को अपने अभियान के दौरान चाकू लगने के बाद इलाज करा रहे हैं, की हालत स्थिर है, लेकिन अगले 24 से 48 घंटों तक गंभीर देखभाल में रहेंगे।

यशोदा अस्पताल, सिकंदराबाद द्वारा जारी एक मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, रेड्डी को सर्जिकल क्रिटिकल केयर यूनिट में ले जाया गया, जहां सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, इंटेंसिविस्ट और अन्य लोगों की एक बहु-विषयक टीम उनकी निगरानी कर रही है। वह व्यापक स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक्स, आईवी तरल पदार्थ, दर्द की दवाएं और अन्य सहायक उपाय कर रहे हैं। मरीज़ होश में है, बोल रहा है और बड़ी सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ कर रहा है। बुलेटिन में कहा गया है कि उन्हें अभी भी अगले 24-48 घंटों तक क्रिटिकल केयर यूनिट में रहना होगा जिसके बाद उन्हें एक कमरे में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

राचकोंडा शी टीम्स की महिलाओं को परेशान करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

एक पखवाड़े के भीतर 15 लोगों के खिलाफ कार्रवाई

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की टीमों ने पंद्रह दिनों में 66 गुंडों को पकड़ा। डीसीपी उषा विश्वनाथ ने कहा कि राचकोंडा शी टीम्स पुलिस महिलाओं को परेशान करने वाले गुंडों को नहीं छोड़ेगी और महिलाएं निडर होकर शिकायत करें। उन्होंने कहा कि मुफ्ती में बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर डिकॉय ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं और महिलाओं का पीछा करने और उन्हें परेशान करने वाले गुंडों की हरकतों को सबूतों के साथ पकड़कर अदालत में पेश किया जाता है। राचकोंडा आयुक्त डी.एस. चौहान के निर्देश पर राचकोंडा महिला सुरक्षा विंग, शी टीमों ने आज छेड़छाड़ करने वालों के लिए काउंसलिंग की। शी टीमों ने 66 लोगों (मेजर-34, नाबालिग-32) को गिरफ्तार किया जो रचाकोंडा कमिश्नरेट में महिलाओं और युवा महिलाओं को परेशान कर रहे थे। भूमिका वुमेन कलेक्टिव (एनजीओ) द्वारा एलबी नगर सीपी कैंप कार्यालय (महिला सुरक्षा विंग कार्यालय) में परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में उनके लिए काउंसलिंग आयोजित की गई।

पिछले महीने 16 से 30 सितंबर तक 10 शिकायतें मिलीं, महिला सुरक्षा विंग रचाकोंडा की डीसीपी सुश्री टी. उषा विश्वनाथ ने कहा कि शिकायतों पर जांच कर कार्रवाई पूरी कर ली गई है। प्राप्त शिकायतों में फोन के माध्यम से उत्पीड़न के 28 मामले, व्हाट्सएप कॉल और संदेशों के माध्यम से उत्पीड़न के 26 मामले, सोशल मीडिया ऐप्स के माध्यम से उत्पीड़न के 25 मामले और यौन उत्पीड़न के 21 मामले थे। इनमें से 13 आपराधिक मामले, 37 छोटे मामले थे तथा 50 काउंसलिंग प्रकरण दर्ज किये गये। इस दौरान शी टीम ने महिला डॉक्टर से छेड़छाड़ करने वाला व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इसी तरह राचकोंडा शी टीमों ने मेट्रो ट्रेनों में डिकॉय ऑपरेशन चलाया और महिला डिब्बे में यात्रा कर रहे (06) लोगों को पकड़ा और मेट्रो स्टेशन के अधिकारियों द्वारा उन पर जुर्माना लगाया गया। राचकोंडा पुलिस महिलाओं को यात्रा के दौरान शारीरिक हमलों, यौन उत्पीड़न और उत्पीड़न से बचाने के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है। काउंसिलिंग में महिला सुरक्षा विंग की डीसीपी टी. उषा विश्वनाथ, एसीपी वेंकटेशम, इंस्पेक्टर परसुराम, एडमिन एसआई राजू और शी टीम्स स्टाफ ने भाग लिया।

प्रगति महाविद्यालय ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगति समाज द्वारा संचालित प्रगति महाविद्यालय 4/1 कंपनी, 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आज सरदार पटेल जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाज के उपाध्यक्ष महेश पटेल, कोषाध्यक्ष अंबालाल पटेल, सह-सचिव एवं डिग्री कॉलेज के करेस्पांडेंट गोपाल पटेल, जूनियर कॉलेज के करेस्पांडेंट जीतेन मजीतिया, भारती बेन पटेल, प्रचार्या डॉ. ए. माधवीलता, कैप्टन डॉ. टीपी सिंह, डॉ. शोभारानी, अमित सिंह, प्राध्यापकगण, एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस के स्वयं सेवियों ने भारी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर अतिथियों ने सरदार पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अतिथि के रूप में पधारे महेश पटेल ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को सरदार पटेल जैसे महानुभावों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक एवं महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. टीपी सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय एकता दिवस का परिचय प्रस्तुत किया। इस राष्ट्रीय एकता दिवस के शुभ संदर्भ में विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन एनसीसी कैडेट्स नागेश्वरी एवं भक्ति सांबरानी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी डॉ. शोभा रानी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

भट्टी ने सांसद प्रभाकर रेड्डी पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज दुब्बाका विधानसभा क्षेत्र में बीआरएस पार्टी के सांसद कोठा प्रभाकर रेड्डी पर हमले की निंदा की। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने इस बात का मज़ाक उड़ाया कि राज्य सरकार सत्तारूढ़ पार्टी के एक सांसद को उचित सुरक्षा प्रदान करने की स्थिति में नहीं है और आश्चर्य जताया कि राज्य में कोई कानून-व्यवस्था है। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि अगर बीआरएस पार्टी शासन में एक सांसद को सुरक्षा नहीं मिलेगी तो आम आदमी का क्या होगा। मैं सांसद प्रभाकर रेड्डी पर हमला करने वाले आरोपियों के बारे में जांच करने और लोगों को यह बताने की जिम्मेदारी को नजरअंदाज करने के लिए सरकार की कड़ी निंदा करता हूं कि उन पर हमला क्यों किया गया। राज्य सरकार अपना कर्तव्य निभाने के बजाय इस मुद्दे पर विपक्षी दलों के खिलाफ गलत सूचना दे रही है। सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं द्वारा किए

सिकंदराबाद सभा द्वारा अविस्मरणीय गुरु दर्शन यात्रा संपन्न

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की प्रबुद्ध शिष्या साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी की पावन प्रेरणा से सिकंदराबाद सभा द्वारा आयोजित गुरु दर्शन यात्रा हेतु ट्रेन द्वारा मुंबई के लिए रवाना हुई, जो आज 31 अक्टूबर को वापस सिकंदराबाद पहुंची। लगभग 250 श्रावक-श्राविकाओं को इसमें सहभागिता का अविस्मरणीय अवसर मिला।

इस गुरुदर्शन यात्रा के दौरान 29 अक्टूबर को साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुतविभाजी एवं साध्विवर्या संबुद्धयशाजी के दर्शन सेवा का लाभ मिला। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष बाबूलाल बैद् एवं मंत्री सुशील संचेती ने सिकंदराबाद में चल रहे चातुर्मास कार्यों की सम्पूर्ण जानकारी रखी। जिसे प्रमुखाश्री और साध्विवर्या जी ने पूरी तन्मयता से सुनकर सराहना की। सिकंदराबाद में चातुर्मास रत साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञा जी के द्वारा चलाए जा रहे बहुआयामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी तथा ऐसे प्रबुद्ध साध्वीश्री का चातुर्मास सिकंदराबाद में प्रदान हेतु गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। गुरुदेव ने अति व्यस्त कार्यक्रमों के बीच 30 अक्टूबर को दोपहर में सेवा का मौका प्रदान किया जिसमें भी सभी श्रावक श्राविकाओं को सामूहिक रूप से दर्शन सेवा का लाभ मिला। साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञा जी द्वारा रचित गीतिका का संगान भी इस अवसर पर किया गया। इस संघ यात्रा में इन संयोजकों बाबूलाल बेंगानी, लक्ष्मीपत बैद, निर्मल बेंगानी, राज कुमार गुजरानी, रायचंद राखेचा, मुकेश सुराणा, यश बागरेचा, सुनील बोहरा, अरिहंत गुजरानी, खुशाल भंसाली, सौरव बैद, महेंद्र दुगड़, लक्ष्मीपत डूंगरवाल, महावीर भटेवरा आदि गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी का हुआ भव्य स्वागत

भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे सिकंदराबाद स्टेशन

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश के माने जाने संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महराज आज बिहार बक्सर से सिकंदराबाद पहुंचे। वे बिहार से श्री तिरूपति बाजाली के दर्शन के लिए जा रहे थे। सिकंदराबाद स्टेशन पर पहुंचने पर नॉर्थ पीपुल्स ऐसोसिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष राजनरायन सिंह एवं बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने अपने सहयोगियों के साथ स्वामी का भव्य स्वागत कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान भारी संख्या में स्वामी जी के अनुयायी भी उनका आशीर्वाद पाने के लिए स्टेशन पहुंचे थे। सिकंदराबाद स्टेशन पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने स्वामी जी को पुष्प की माला अर्पित की। स्वागत आदि से दूर रहने वाले अपने सादगी के लिए प्रसिद्ध श्री प्रपन्न जीयर स्वामी ने मालाओं को छूकर भक्तों की इच्छा रखी। यहां से स्वामीजी को लेकर श्रद्धालु तिरुपति बालाजी मंदिर के लिए रवाना हो गए। इस मौके पर समाज सेवी वीडी चौबे, एस. एन शर्मा, नवीन बिहारी, धर्मेंद्र सिंह ,हरि सिंह, देव कुमार पोखराज, वीरेन्द्र सिंह, सुशील श्रीवास्तव, राजु ओझा, रमना चारी आदि भारी संख्या में भक्तों ने स्वामी जी दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिए। बिहार आरा जिले के फूहां गांव के अजय कुमार सिंह ने बताया कि श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महराज एक अक्टूबर को श्री तिरूपति बालाजी का दर्शन करने के बाद रायचूर में भक्तों के बीच प्रवचन करेंगे। रायचूर कर्नाटक में स्वामी जी का दो दिवसीय प्रवास है।

एनएमडीसी ने सतर्कता जागरूकता मैराथन का आयोजन किया

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की खनन प्रमुख कंपनी एनएमडीसी ने आज हैदराबाद में सतर्कता जागरूकता मैराथन और रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया। वीएडब्ल्यू 2023 के तत्वावधान में, एनएमडीसी के कर्मचारियों और शहर के स्कूली बच्चों ने "भ्रष्टाचार का विरोध करें और राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें" विषय पर जागरूकता का प्रसार किया। विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) ने सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को उच्चतम स्तर की अखंडता बनाए रखने और देश के लोगों को भ्रष्टाचार से मुक्त रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए इस दौड़ का नेतृत्व किया। विनय कुमार और बी. विश्वनाथ, मुख्य सतर्कता अधिकारी ने सोमवार को एनएमडीसी के कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ भी दिलाई। इसके पश्चात भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री तथा केंद्रीय सतर्कता आयोग के संदेशों को सभा में पढ़ा गया। निदेशक (तकनीकी) ने इस अवसर पर कहा कि हमारा देश बिस्मार्क ऑफ इंडिया-सरदार वल्लभभाई पटेल के सम्मान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन करता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद

ई-निविदा: भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद बैंक के मुख्य कार्यालय भवन, हैदराबाद में ध्वनिक संलग्नक और एएमएफ पैनल के साथ ३२० केवीए डीजल जेनरेटर सेट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।

1. भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद, बैंक के मुख्य कार्यालय भवन हैदराबाद, में ध्वनिक संलग्नक और एएमएफ पैनल के साथ ३२० केवीए डीजल जेनरेटर सेट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता हैं। कार्य की अनुमानित लागत ₹४० लाख (रुपये चालीस लाख केवल) है। पूर्व-पात्रता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया निविदा सूचना के साथ निविदा दस्तावेजों को देखें, जो ०१ नवंबर २०२३ से एमएसटीसी लिमिटेड के ई-निविदा पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eproc) और हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर "निविदाओं" के तहत उपलब्ध हैं।
2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eproc) के माध्यम से ११ दिसंबर २०२३ को १४:०० बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र बोलीदाताओं को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हैदराबाद
01 नवंबर 2023

हस्ता/-
क्षेत्रीय निदेशक

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना
सं.417/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.23/11/2023 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1 -टेंडर आयडी: 2616 सीनि.डीइएन: नार्थ- कार्य विवरण: एक वर्ष की अवधि के लिए डीईएन/नार्थ/सेक्शन में स्मार्ट रियल टाइम पोजीशन तथा आटो पीएन सिस्टम का रखरखाव कार्य। अनुमानित मूल्य: रु. 3049932/-, बोली सुरक्षा राशि: रु.61,000/-

क्रम सं.2, टेंडर आयडी: 2617, सीनि. डीइएन/डीइएन: नार्थ, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू/ (i) डीइएन/नार्थ/जीएनटी के तहत एडीइएन/एनएलडीए क्षेत्राधिकार में आरयुबी पर ड्रैनेज सिस्टम्स, पम्पिना की मरम्मत तथा डिसिल्टिंग कार्य। एसडब्ल्यू (ii) 12 महिनों की अवधि के लिए डीइएन/नार्थ/जीएनटी के तहत एडीइएन/एनएलडीए क्षेत्राधिकार में रेलवे स्टाफ क्वार्टर्स, स्टेशनों, एलसीज, ट्रैक मशीनों एवं गुड्स शेड्स पर पेय जल आपूर्ति की व्यवस्था का प्रस्ताव। अनुमानित मूल्य: रु.59%3960/-, बोली सुरक्षा राशि:रु.119500/-

क्रम सं.3, टेंडर आयडी: 2618, सीनि. डीइएन/डीइएन: नार्थ, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू (i) डीइएन/नार्थ/जीएनटी के तहत एडीइएन/नार्थ/जीएनटी के क्षेत्राधिकार में आरयुबी पर ड्रैनेज सिस्टम्स, पम्पीन्ना की मरम्मत व डिसिल्टिंग कार्य। एसडब्ल्यू (ii) 12 महिनों की अवधि के लिए डीइएन/नार्थ/जीएनटी सेक्शन के तहत एडीइएन/नार्थ/जीएनटी क्षेत्राधिकार में रेलवे स्टाफ क्वार्टर्स, स्टेशनों, एलसीज, ट्रैक मशीनों एवं गुड्स शेड्स पर पेय जल आपूर्ति की व्यवस्था का प्रस्ताव। अनुमानित मूल्य:रु.5378254/-, बोली सुरक्षा राशि: रु.107600/-

क्रम सं.4, टेंडर आयडी 2619, सीनि.डीइएन/डीइएन:-नार्थ, कार्य विवरण: जीएनटी-एनडीकेडी सेक्शन में एलसी नं.19 पर मैन्ड लेवल क्रासिंग के एवज में सब वे(आरयुबी) का प्रावधान। अनुमानित मूल्य:रु.66470098/-, बोली सुरक्षा राशि: रु.482400/-

आनलाईन पर ई-बोलियों की प्रस्तुति की अंतिम तिथि 23/11/2023 के 15.00 बजे तक है। तत्संबंधित विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in पर लाग आन करें।
इस मामले में अधिक संचार/शुध्दिपत्रों को ई-पोर्टल http://www.ireps.gov.in पर सूचित किया जायेगा।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य),गुंटूर

निविदा सूचना सं. एमइडी-आरएच/जीटीएल डीएचओबीएचआय-23-24-इ-टीएन-3, दि.30.10.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल व्दारा निम्न कार्यों हेतु दि.30.11.2023 के 14.00 बजे तक खुली निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.1, टेंडर नं. एमइडी-आरएच/जीटीएल डीएचओबीएचआय-23-24-इ-टीएन-3, दि.30.10.2023, कार्य विवरण: 15 महिनों के लिए रेलवे हास्पिटल, गुंटकल से जुडे लाइनन एंड् कपडों या क्लोदस की वाशिंग या धुलाई कार्य। कार्य का अनुमानित मूल्य: रु.4,26,063.00, पूधरा: रु.8600.00, अवधि: 15 महिने, निविदा प्रपत्र का मूल्य: लागू नहीं

बंद करने की तिथि व समय: 30.11.2023 के 14.00 बजे

टेंडर बिड्डिंग या निविदा बोली तथा अन्य विवरण हेतु वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in पर लाग आन करें। इस निविदा से जुडा शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

A1652 मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, गुंटकल

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

प्रवल्लिका
माता : महादेवी यादव
पिता : योगेन्दर यादव

ए. विकास यादव
माता : ए. श्वेता यादव
पिता : ए. विजय यादव

राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 2014 से हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस राचाकोंडा पुलिस आयुक्तालय, नेरेडमेट में भव्य रूप से आयोजित किया गया।

रचाकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान आईपीएस के निर्देशन में एडमिन डीसीपी इंदिरा समेत कमिश्नर कार्यालय के कई अधिकारी और कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी आकांक्षाओं पर खरा उतरने और देश की अखंडता में मदद करने की शपथ ली।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 1 नवंबर - 2023

हादसों से क्यों नहीं ले रहे सबक

अक्सर यही देखा गया है कि रेल दुर्घटनाओं के बाद सरकार मृतक के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे की तत्काल घोषणा करती है। यही नहीं हादसे के कारण जानने के लिए जांच कराने की बात भी कही जाती है। लेकिन बीते कुछ दिनों में जिस तरह आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं उससे यह तो नहीं लगता कि इसे लेकर कोई गंभीर प्रयास किया जा रहा है। नतीजतन, कुछ ही दिनों बाद फिर कोई वैसी ही दुर्घटना सामने आ जाती है। इसके लिए आज तक कभी ऊंचे स्तर के अधिकारी या संबंधित महकमे के मंत्री की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती है। यदि उन पर भी सख्त दंडात्मक कार्रवाई या उनके इस्तीफे जैसी कार्रवाई होती तो शायद दुर्घटनाओं पर लगाम लग सकता था। ऐसे गंभीर हादसों से सबक लेकर यह प्रयास होना चाहिए कि अब आगे से ऐसी गलती दोहराई नहीं जाएगी। इससे बचने के हर संभव प्रयास किए जाएंगे। लेकिन कुछ समय से जिस तरह से ट्रेनों के पटरी से उतरने व टकराने के मामले सामने आ रहे हैं, उससे यही लगता है कि सरकार ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर कतई गंभीर नहीं है। जाहिर है ऐसी दुर्घटनाओं में जानमाल का व्यापक नुकसान हो रहा है। रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में जिस तरह से दो ट्रेनें टकराई हैं, उससे फिर यही साबित होता है कि रेल महकमे में बहुस्तरीय लापरवाही कायम है। बता दें कि अलमांडा-कांतकपल्ले के बीच रायगढ़ा यात्री ट्रेन ने विशाखापट्टनम-पलासा यात्री ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें चौदह लोगों की जान चली गई और कम से कम पचास लोग घायल हो गए। शुरुआती जांच में रायगढ़ा यात्री ट्रेन के चालक और सहायक चालक को जिम्मेदार ठहराया गया है। आरोप है कि यह ट्रेन दो स्वचालित सिग्नलों से गुजरी थी। हालांकि हादसे में चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई, लेकिन सवाल अब भी खडा है कि इस स्तर की लापरवाही आखिर किन वजहों से हुई है! आंध्र प्रदेश के ताजा हादसे में पीछे से आ रही गाड़ी ने आगे की गाड़ी को टक्कर मारी। ज्यादा दिन नहीं हुए हैं जब ओड़ीशा के बालासोर में तीन ट्रेनों के बीच हुई भयानक टक्कर में तीन सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और करीब एक हजार लोग घायल हो गए थे। उसके बाद बीते पांच महीने में कई बड़े और गंभीर हादसे हो चुके हैं, जो संकेत देते हैं कि पटरियों पर चलती हुई ट्रेनें दरअसल एक जोखिम के साथ दौड़ रही हैं। दुर्भाग्य है कि ऐसे हादसों पर लगाम के लिए ऐसी कोई ठोस व्यवस्था नहीं हो पा रही है। करीब तीन महीने पहले खुद सरकार ने लोकसभा को जानकारी दी थी कि बीते नौ सालों में रेल हादसों की संख्या हर साल इकहत्तर रही। इनमें सात सौ इक्यासी लोगों की मौत हो गई और करीब डेढ़ हजार लोग घायल हो चुके हैं। रेलगाड़ियों के पटरी से उतरने से लेकर टक्कर होने जैसे हादसों का सिलसिला कायम रहने के बीच ही 'कवच-प्रणाली' या टक्कर रोधी यंत्र के जरिए हादसों पर लगाम लगाने की बातें भी की जाती रही हैं, लेकिन उसका सुफल अभी तक देखने व सुनने को नहीं मिला है। दूसरी ओर, ओड़ीशा से लेकर आंध्र प्रदेश में हुई दुर्घटनाएं बताती हैं कि यह सुरक्षा प्रणाली कितनी ट्रेनों में लगाई गई और इसके जरिए कितना बचाव संभव हो पाया है। आए दिन सरकार की ओर से पटरियों पर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने की बात की जाती है, आधुनिक सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन की शुरुआत भी रोज हो रही है। सवाल है कि अगर यात्रियों को ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराने के आश्वासन के साथ पटरियों पर दौड़ने वाली गाड़ियां हर वक्त दुर्घटनाओं की आशंका के साथ चलेंगी तो लोग सुरक्षित यात्रा का सुख कैसे भोग सकेंगे?

अकर्मण्यता की निराशा से जन्मा पलायनबाद

संजीव ठाकुर

यह बात चाहे मनुष्य के जीवन की हो यह राष्ट्र के उत्थान से संदर्भित हो, जीवन में मनुष्य के संदर्भ में अकर्मण्यता एक बड़ी शारीरिक,मानसिक व्याधि और दशा है, यह जीवन को निर्रथक बनाती है। इसी तरह देश का शासन तंत्र यदि आक्रमण्य और निराशावादी हो तो देश की उन्नति में अवरोध और बढ़ाएं सदैव उत्पन्न होती रहती हैं। इस अवस्था को तत्काल त्यागना चाहिए,और अपने जीवन के संघर्ष के लिए तैयार रखना चाहिए। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके1 कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है1 निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है1 जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है1 बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं1 सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं1 मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए 1 यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है1 जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है1 यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है1

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं1 सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए।इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है1 और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है1 भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है1ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है।

जरुरी नहीं कि पटाखों से ही दिवाली हो

अशोक भाटिया

जल्द ही इस माह दिवाली आने वाली है । दिवाली के आने की आहट के साथ याद आने लगती हैं बचपन में पढ़ी कविता की ये पंक्तियाँ जो आज भी मस्तिष्क के किसी कोने में बैठी है। दिवाली दीये और प्रकाश का पर्व है और प्रकाश आनंद का प्रतीक है । दीपावली का त्यौहार वातावरण को खुशियों से भर देता है । भारत के ज्यादातर त्योहारों की तरह यह त्यौहार भी कृषि एवं मौसम से जुड़ा है । धान की बालियाँ पक जाती हैं। नए धान की महक किसान को उमंग से भर देती है। किसान ख़ुशी से झूम रहे होते हैं । वर्षा की विदाई हो चुकी होती है एवं मौसम में गुलाबी ठंड व्याप्त होने लगती है । ऐसे में घरों में प्रज्ज्वलित दीप मालाओं से ऐसा प्रतीत होता है कि धरती ने रौशनी का श्रृंगार किया हो । जैसे किसी नव ब्याहता के मांग का टीका उसके सौन्दर्य को निखार देता है, ठीक वैसे ही शरद ऋतु में दीपों का प्रकाश, वर्षा ऋतु के उपरांत धुली हुई धरती के सौन्दर्य में चार चाँद लगा देता है । मान्यता के अनुसार भगवान राम चौदह वर्ष के वनवास के उपरान्त जब अयोध्या लौटे तो उनके आगमन की ख़ुशी में अयोध्या नगर के वासियों ने घी के दीये जलाये। घी के दीये जलाने का अर्थ वैसे भी ख़ुशी मानना होता है । दीप जलाना अपनी ख़ुशी को अभिव्यक्त करने का एक माध्यम है । दिवाली पर दीये जलाने का एक लाभ यह भी है कि वर्षा ऋतु के मध्य उत्पन्न तरह-तरह के कीड़े मकोड़े दीये की रौशनी से आकर्षित होते हैं एवं मर जाते हैं। इसके साथ ही दीपावली जुड़े साफ़-सफाई के महत्व को तो सभी जानते ही हैं ।ऐसे में प्रश्न उत्पन्न होता है कि दीये जलाकर आनंद उत्सव मनाने की बात तो हम सबको ज्ञात है, लेकिन ये पटाखे हमारी परंपरा में कब और कैसे प्रवेश कर गए । पटाखे बारूद से बनते हैं यानी कि बारूद, दिवाली से जुड़ी धार्मिक मान्यता एवं परंपरा का हिस्सा प्रारंभ से नहीं था। दिवाली में पटाखा चलाने की पहले कोई परंपरा नहीं थी। लेकिन आज दीपावली के अवसर पर इतने पटाखे फोड़े जाते हैं, मानो दीपावली दीये जलाने का नहीं बल्कि पटाखे फोड़ने का पर्व है । जब चारों तरफ दीये जल रहे हों तो उसे देखना एक आनंददायक अनुभव होता है, जो दीये जलाता है उसके लिए भी और जो देखता है उसके लिए भी लेकिन पटाखों के साथ ऐसा नहीं होता है । पटाखा चलाना एक राक्षसी प्रवृत्ति है । यह पटाखा चलाने वालों को तो क्षणिक आनंद देता है परन्तु अन्य सभी को इससे परेशानी होती है। सामान्य मूक जानवर भी पटाखों के शोर एवं उससे उत्पन्न प्रदूषण से परेशान हो जाते हैं । यहाँ तक कि पेड़ पौधों पर भी पटाखों से उत्पन्न प्रदूषण का प्रतिकूल असर पड़ता है । बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्ति की यंत्रणा की तो सहज कल्पना की जा सकती है. पटाखों से किसी का लाभ नहीं होता है । हम अक्सर सुनते रहते हैं कि पटाखा फैक्टरियों में बाल मजदूरों से काम लिया जाता है एवं उनका शोषण होता है। दिवाली के दिन पटाखों के कारण होने वाले प्रदूषण का स्तर दिल्ली जैसे बड़े शहरों में इतना बढ़ जाता है कि कई लोगों को सांस सम्बन्धी परेशानियाँ होने लगती है। दिवाली की रात में पिछले वर्ष पीएम 2 का स्तर 1200 को पार कर गया था, जो सामान्य से बहुत अधिक है । हम स्वच्छता की बात करते हैं। सड़क की गन्दगी तो साफ़ की जा सकती है, हवा भी कुछ दिनों में साफ़ हो सकती है, पर जो प्रदूषणजनित जहरीले पदार्थ हमारे फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उसे हम किसी भी तरह से साफ़ नहीं कर सकते । इस प्रकार हम देखते हैं कि पटाखों से अनेक प्रकार के नुकसान हैं। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि इस तरह की नुकसानदायक परंपरा हमारे पर्व का हिस्सा बन रही है जबकि हमारे सभी पर्व त्योहारों में शामिल प्राचीन परम्पराओं में कुछ न कुछ वैज्ञानिक आधार अवश्य देखने को मिलते हैं ।हमारे पर्व त्यौहार खुशियाँ बांटने के अवसर हैं । किसी को दुःख पहुंचाकर खुशियाँ मनाना, यह हमारी धर्म एवं संस्कृति का हिस्सा नहीं है। यह तो इसके विपरीत अधर्म और अपसंस्कृति है । पटाखों में किये जाने वाले खर्च को बचाकर अगर किसी गरीब के घर में मिठाई पहुंचा दी जाए या उनके लिए दीये और तेल का प्रबंध कर दिया जाए तो ऐसा करने वालों पर लक्ष्मी की अधिक कृपा होगी । हालाँकि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगाई हुई है व साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर इस धारणा को दूर किया है कि पटाखों पर उसके द्वारा लगाई गई रोक किसी समुदाय या किसी विशेष के खिलाफ है। शीर्ष अदालत ने यह सख्त टिप्पणी भी की है कि आनंद की आड़ में वह नागरिकों के अधिकारों के उल्लंघन की इजाजत नहीं दे सकता। पटाखों पर रोक व्यापक जनहित में है जबकि एक विशेष तरह की धारणा बनाई जा रही है। इसे इस तरह से नहीं दिखाया जाना चाहिए कि यह रोक किसी विशेष उद्देश्य के लिए लगाई गई है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने पटाखों पर सौ प्रतिशत रोक नहीं लगाई है। हरित पटाखे बेचे जा सकते हैं। जब भी दीपावली पर पटाखों पर प्रतिबंध की चर्चा होती है कुछ लोग कहने लगते हैं कि सारे प्रतिबंध हिन्दुओं पर ही लगाए जाते हैं, यह हिन्दू संस्कृति पर हमला है। होली के समय यह कहा जाता है कि इस त्यौहार में पानी की बहुत बर्बादी होती है जबकि बकरीद पर कोई नहीं बोलता, जब लाखों जानवरों को मौत के घाट उतारा जाता है। अन्य धर्म के संबंध में ऐसी ही बातें कही जाती हैं। लोगों के सारे सवाल सही हैं लेकिन कोरोना महामारी, वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य की चिंता को धार्मिक रंग देना उचित नहीं है। देश की हवा वैसे भी विषाक्त हो चुकी है। हर वर्ष दीपावली के दिनों में महानगरों की हवा बद से बदतर हो जाती है। महानगर एक गैस चैम्बर में तब्दील हो जाता है। यह सही है कि भारत उत्सवों का देश है। हंसी खुशी के वातावरण में हम उत्सवों के मर्म को भूल जाते हैं। दीपावली का दीया तो अमीर-गरीब, बड़े-छोटे सबको एक ही प्रकाश देगा। उत्सव का एक ही मर्म है कि मन की दीवारों को फांद कर एक-दूसरे को गले लगाना। उत्सव ही हमें साम्प्रदायिक भेदभाव भुलाने के लिए प्रेरित करते हैं। यही मर्म के लापता होने से समाज खंड-खंड में बंटा नजर आता है। आज उत्सवों पर बाजार और उसका लेखा-जोखा हावी है। उत्सवों का एक विस्तृत समाज शास्त्र है जो हमें विविधता में एकता का संदेश देता है। दिवाली के दिन हम माँ लक्ष्मी की पूजा भी करते हैं एवं उनसे अपने लिए धन, धान्य एवं समृद्धि की कामना करते हैं । परन्तु इतने शोर-शराबे एवं प्रदूषण के मध्य हम क्या लक्ष्मी जी की कृपा के पात्र हो सकते हैं? आज का हमारा समाज एक जागरूक समाज है, जो अपने कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक है । खासकर युवा वर्ग नए एवं स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु अत्यंत सचेत है । ऐसे में आइये हम सब मिलकर ऐसा प्रयत्न करें कि इस धार्मिक पर्व में अनावश्यक रूप से शामिल हो गयी इस कुत्सित परम्परा रूपी राक्षस का हम अंत कर दें एवं हम सब मिलकर लक्ष्मी जी से यह प्रार्थना करें कि हे माँ! इस देश में कोई गरीब ना रहे, कोई भूखा न रहे ।दीपावली का मतलब होता है दीपों की लड़ी जो घी या तेल से जलाई जाती हैं। इसका मतलब बारूद भरे पटाखे बिल्कुल नहीं होता। ये रोशनी का पर्व है। यह शोर, धमाके और धुएं का पर्व नहीं है। पटाखे जलाना भारत की परम्परा नहीं रही है। रावण का वध करने के बाद जब भगवान राम अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे तो नगरवासियों ने पूरे मार्ग में दीये जलाकर अयोध्या को रोशन कर दिया था। ये दीये अधर्म पर धर्म की जीत के प्रतीक के रूप में जलाए गए थे। अंधेरे पर उजाले की जीत के रूप में जलाए गए थे। सिख इस दिन को बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाते हैं, इस दिन गुरु गोविन्द सिंह जी ने जहांगीर के चंगुल से खुद को बचा लिया था और स्वर्ण मंदिर पहुंचे थे। इस मौके पर स्वर्ण मंदिर को रोशनी से सजाया जाता है।

राजस्थान में पानी का संकट है बड़ा चुनावी मुद्दा

राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक मल्टी स्टोरी सोसाइटी में ट्यूबवेल सूख चुके हैं। 400 से अधिक परिवार पानी के टैंकरों के भरोसे चल रहे हैं। यह स्थिति केवल एक सोसायटी तक सीमित नहीं है। राज्यभर में कई रेजिडेंशियल इमारतों में यही हालात हैं। यही स्थिति किसानों की भी है। पानी नहीं होने के कारण फसलें सूख जाती हैं।

राज्य में चंद दिनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, लेकिन पानी के मुद्दे पर राजनीतिक पार्टियों में गंभीरता कम नजर आ रही है। नेता केवल बयानबाजी अधिक कर रहे हैं, जबकि ईस्टर्न राजस्थान कैनल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी), जवाई बांध, पंजाब से गंगनहर में पानी छोड़ने और बीसलपुर बांध से किसानों को पानी न मिलने को लेकर आंदोलन चल रहे हैं। वहीं, शहरों में पानी का मुद्दा किसी खास चर्चा में नहीं है।

राज्य में शुरू से रहा है पानी का संकट

राजस्थान का जिक्र आते ही सबसे पहले पानी की कमी का ख्याल आता है। खासकर पश्चिमी राजस्थान के जिले तो देश के सबसे ज्यादा सूखाग्रस्त हैं और यहां बेहद कम बारिश होती है। वर्तमान में कुछ-कुछ यही स्थिति पूर्वी राजस्थान में भी है। केवल हाड़ौती ही ऐसा क्षेत्र है, जहां पानी की समस्या थोड़ी कम है।

सबसे पहले ईआरसीपी की बात करते हैं। इस प्रोजेक्ट को तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की सरकार ने बनाने का वादा किया था। प्रोजेक्ट से पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों जयपुर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, टोंक, सवाई माधोपुर, दौसा, अजमेर, बूंदी, झालावाड़, कोटा व बारां की पेयजल और सिंचाई की जरूरतें पूरी होंगी।

हालांकि, वर्ष 2018 के दिसंबर में वसुंधरा सरकार सत्ता से बाहर हो गईं। कुछ दिनों तक यह मुद्दा लटका रहा, लेकिन वर्तमान अशोक गहलोत सरकार ने एक बार फिर इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना में शामिल करने की मांग करते हुए हवा दे दी।

मुख्यमंत्री का कहना था-

जयपुर और अजमेर की रैलियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया था कि ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देंगे, लेकिन अब वो अपनी बात से मुकर रहे हैं।

पिछले दो-तीन साल से ईआरसीपी भाजपा और कांग्रेस के बीच में वाद-विवाद का बड़ा कारण बना हुआ है। हालांकि, जोधपुर सांसद और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जो मुख्यमंत्री गहलोत के बड़े प्रतिद्वंद्वी हैं, का स्पष्ट कहना है-

ईआरसीपी की डीपीआर में खामियां हैं और इसे राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं दिया जा सकता। मुख्यमंत्री समस्या के समाधान के बजाय इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

शेखावत ने पिछले दिनों इसी मुद्दे को लेकर पूर्वी राजस्थान का दौरा भी किया था। कारण, वर्ष 2018 के विधानसभा चुनावों में पूर्वी राजस्थान के जिलों में भाजपा को भारी नुकसान हुआ था और पार्टी इस बार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती।

कांग्रेस ईआरसीपी के बहाने इन 13 जिलों में चुनावी वैतरणी को पार करने के लिए प्रयासरत है। पिछले दिनों ईआरसीपी को लेकर बारां से कांग्रेस ने एक यात्रा भी निकाली, जिसकी शुरुआत के समय राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभा को संबोधित किया था। इस मुद्दे पर घिरती देख भाजपा ने पिछले दिनों ईआरसीपी को नदी जोड़ो परियोजना से जोड़ दिया।

केंद्रीय मंत्री शेखावत का तर्क है कि ईआरसीपी और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक प्रोजेक्ट से न केवल राजस्थान, बल्कि मध्यप्रदेश में भी सिंचाई और पेयजल की 30 साल तक जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा।

पाली जिले के जवाई बांध के पानी को लेकर भी विवाद चल रहा है। क्षेत्र के लोग आंदोलन कर रहे हैं। किसान सड़कों पर हैं। यह मुद्दा भी भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का बन गया है। पाली के सांसद पीपी चौधरी ने राज्य सरकार पर राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए पाली जिले की जनता के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। जवाई बांध से पाली, सिरोही और जालोर जिले सिंचाई से जुड़े हुए हैं।

कई गांवों के किसान लंबे समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी तरह टोंक जिले में बने बीसलपुर बांध के पानी को लेकर किसान आंदोलन कर रहे हैं। बीसलपुर से अजमेर और जयपुर की पेयजल जरूरतें पूरी होती हैं, लेकिन किसानों का कहना है कि बांध का पूरा पानी पेयजल में सुरक्षित रखने से उनके खेत सूख रहे हैं।

अब तो किसान महापंचायत में किसानों ने सरकार को नहरों में पानी छोड़ने के लिए 7 दिन का अल्टीमेटम भी दिया है और 2 नवंबर को महापंचायत बुलाई है।

श्रीगंगानगर क्षेत्र में पंजाब से आ रही गंगनहर के पानी को लेकर भी विवाद गर्मा रहा है। राजस्थान के किसानों का आरोप है कि पंजाब निर्धारित मात्रा में राजस्थान के लिए पानी नहीं छोड़ता। किसान हर साल इस मुद्दे पर आंदोलन करते हैं। इस बार भी 23 अगस्त से किसानों का आंदोलन जारी है। वो नेशनल हाईवे जाम कर चुके हैं। किसानों का यहां तक आरोप है कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार इस मामले में मनमाना तरीका अपना रही है।

पंजाब से पानी को पाकिस्तान की तरफ छोड़ा जा रहा है। अगर यही पानी राजस्थान की तरफ छोड़ा जाता है तो यहां किसानों की समस्याओं को दूर किया जा सकता है। पानी की बड़ी समस्या राजस्थान में दिखाई तो देती है, लेकिन फिलहाल यह प्रमुख चुनावी मुद्दों में शामिल नहीं है। कुल मिलाकर पानी का मुद्दा किस पार्टी को कितने वोट दिलाएगा, यह चुनावी नतीजों से ही पता चलेगा।

संसारचंद का संसार

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जब पैदा हुए तो घर वालों ने नाम र खा संसारचंद । दसवीं पास कर गया तो माता-पिता को लगा कि हो ना हो संसार घर का नाम रौशन करेगा। जोर लगाया, भिड़ गए सब, खेती-ऊती जरूर बिक गई पर संसारचंद एमए की डिग्री लेकर आ गए। सौदा मंहगा पड़ रहा था पर अब क्या करें ! रस्ता चलता तो लौट आए, पर पढ़ा-लिखा आदमी पलट कर वापस गंवार तो हो नहीं सकता था। एक बार पढ़ गया तो समझो अड़ गया। तय हुआ कि अब कौनो रास्ता नहीं हैं, आगे ही पढ़ो। संसारचंद पढ़त-पढ़त पीएचडी होई गए। लौटे तो बताया कि पढ़ाई खतम, अब कुछ नहीं है पढ़े खातिर। खेल खतम पइसा हजम। नौकरी करें तो नाम भी रौसन हो। पर नौकरी कहां रक्खी है ! इधर पब्लिक ने संसारचंद को पीएचडीचंद नाम दे दिया। अम्मा कहिन नाम के खातिर तो पढ़ा रहे थे, पूरे मुजफ्फरपुर में नाम तो जानो हो गया, पर नौकरी का क्या करें, नोकरिया तो अपने हाथै में नहीं है ! अरजी घिसते घिसते पीएचडीचंद सब भूल गए और रेस्पेक्टेड सर से लगा कर योर ओबिडियंट तक जिन्दगी सर के बल घिसटने लगी। शुरू में बड़े पदों के लिए अर्जी भेजते फिर धीरे धीरे नीचे उतरने लगे। सोचा पद छोटा बड़ा भले हो पर कुर्सी सबमें मिलती है। इसी बीच सरकार ने चपरासी के ऊँट के मुँह में जीरा भर पदों की भर्ती का विज्ञापन निकाला। हिचकते हुए आखिर पीएचडीचंद ने भी अपना आवेदन उधर भी दे मारा और मान लिया कि 'यहू नोकरिया तो पक्की'। माता-पिता को भी लगा कि नौकरी लगी समझो और अब कोई रिस्ता आया तो ठोंक के दहेज ले लेंगे, आखिर लड़का पीएचडी भी है। नौकरी में पद नहीं देखा जाता है, मौका देखा जाता है। मौका मिल जाए तो अंगूठाछाप भी लाल बत्ती के नीचे गरदन तान के बैठ सकता हैं। सरकारी गलियों में मौका शिक्षा से बड़ी चीज है। सरकारी चपरासी गैर-सरकारी हलके के किसी भी आदमी से बड़ा हो सकता है बशर्ते उसमें काबलियत हो। खुद सरकारी महकमें में बड़े से बड़े अधिकारी मंत्री वगैरह किसी का भी काम चपरासी के बिना नहीं चलता है। प्यून तंत्र का बहुत जरूरी आदमी होता है। जहां तक जानकारी की बात है, जितना एक अधिकारी जानता है उससे कई गुना ज्यादा जानकारी चपरासी के पास होती है। चपरासी अगर नाराज हो जाए तो बड़े बड़ों को अपना जूठा पानी पिला कर अपनी छाती ठंडी कर सकता है। सरकारी चपरासी वो बला है जो शीशे से पत्थर को तोड़ सकता है।

छात्रा कीर्ति सिंह की बलि !

मनोज कुमार अग्रवाल

दिनदहाड़े ओटो में बैठी छात्रा के हाथ से मोबाइल लूट के दौरान बदमाशों द्वारा ओटो से भिड़ने वाली बहादुर छात्रा कीर्ति सिंह आखिर जिंदगी की जंग हार गई। उसने गाजियाबाद के यशोदा हॉस्पिटल में इलाज के 48 घंटे बाद दम तोड़ा। छात्रा की मौत ने एक बार फिर बेटी बचाओ बेटी सुरक्षा के नारे पर सवालिया निशान लगा दिया है वहीं सरकार के बेटियों की सुरक्षा सम्मान को बचाने के लिए किया जा रहे तमाम दावों पर भी पानी फिर दिया है आपको याद होगा कि करीब 2 महीने पहले इसी तरह की घटना यूपी के अंबेडकर नगर में हुई थी जहां लड़की का दुपट्टा खींचने की कोशिश करने वाले दो बदमाशों से बचने के चक्कर में एक स्कूली छात्रा सड़क पर गिरकर मोटरसाइकिल से कुचल दी गई थी और लड़की की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी का बयान आया था की प्रदेश में यदि लड़कियों की सुरक्षा के साथ कोई भी खिलवाड़ होती है तो अगले चौराहे पर ऐसे लुटेरे और मनचले का इंतजार यमराज कर रहे होंगे। दो महीने के अंतराल के बाद एक बार फिर गाजियाबाद में घटी थी इस घटना ने मुख्यमंत्री के उन तमाम दावों पर पानी फेर दिया है जिनको लेकर उत्तर प्रदेश का हर अभिभावक विश्वास और भरोसा करता है और अपनी लड़कियों कीजान व सम्मान की सुरक्षा समझते हुए योगी बाबा के भरोसे पर पढ़ाई और दूसरे कामों के लिए घर से बाहर भेजने की हिम्मत जुटा पाता है। आपको बता दें बदमाशों का शिकार बनी होनहार छात्रा कीर्ति ऑटो पर किनारे की तरफ बैठी हुई थी। लुटेरों की नजर उसके मोबाइल पर थी। वो झपट्टा मारकर मोबाइल छीनने की फिराक में थे इसी बीच मसूरी थाना क्षेत्र के डासना फ्लाईओवर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 9 पर बाइक सवार बदमाशों ने उसका मोबाइल छीनने की कोशिश की।लेकिन कीर्ति ने पूरी ताकत से विरोध किया।कीर्ति ने मोबाइल नहीं छोड़ा तो बदमाशों ने झटका देकर उसे ऑटो से नीचे घसीट लिया. कीर्ति 15 मीटर तक सड़क पर घिसटती रही. फिर भी उसने हार नहीं मानी।लुटेरे उसे कुछ दूर तक घसीटते हुए ले गए. आखिरी तक कीर्ति बाइक सवार लुटेरों से लोहा लेती रही. इस दौरान उसके सिर में गंभीर चोट आ ग. वो बुरी तरह घायल हो गई। उसके साथ चल रही सहेली ने उसे अस्पताल पहुंचाया और घरवालों को सूचना दी।कीर्ति सिंह के शरीर में दो फ्रैक्चर हुए थे. सिर में भी गंभीर चोट आई थी. ऑटो से सिर के बल गिरने के कारण सिर की हड्डी टूट गई थी।वो आईसीयू में भर्ती थी।कीर्ति ने अस्पताल में 48 घंटे तक जिंदगी की जंग लड़ी।मगर वो ये जंग हार गई।इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिनदहाड़े चलती सड़क पर ओटो में बैठी छात्रा के साथ इस तरह की वारदात निश्चित रूप से बदमाशों के बुलंद हौसलों को बताती है यह घटना बताती है कि मुख्यमंत्री कितने भी बयान दें लेकिन उनकी पुलिस सुधारने के लिए तैयार नहीं है। यदि पुलिस थोड़ा भी सचेत होती तो इस तरह के मवाली गुंडे राह चलती छात्रा के हाथ से मोबाइल छीनकर उसे मौत के मुंह में धकेलने की हिम्मत नहीं कर पाते। जैसा कि हर मामले में होता है घटना के बाद जागी पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी बॉबिल उर्फ बलवीर को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान बॉबिल के पैर में गोली लगी, इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया, वहीं दूसरा आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू फरार था ताज़ा जानकारी के अनुसार उसे आज सोमवार की तड़के पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया। ज्ञात हो कि घटना के बाद मसूरी थाना रविंद्र चंद्र पंत को सस्पेंड करने के साथ ही अब तक थाने से तैनात तीन सब इंस्पेक्टर हटाए जा चुके हैं। मात्र 18 साल की कीर्ति सिंह इंजीनियर बनने के सपने लेकर गाजियाबाद के एबीएस इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन लिया था या उसके कॉलेज का पहले या दूसरा ही दिन था कि उसके साथ यह वारदात कर दी गई एक मां-बाप के अपनी बेटी को इंजीनियर बनने के सपने तो दस्त हुई गए बल्कि उन्हें अपनी प्यारी संतान से भी हाथ धोना पड़ा यह घटना अपने आप में बहुत संगीत है कीर्ति इस परिवार की इकलौती बेटी थी इकलौती बेटी को खोकर पिता रविंद्र सिंह पत्नी संतोष और भाई अंकित का बुरा हाल है कीर्ति ने बहुत अच्छे नंबरों से हाल ही में इंटर की परीक्षा पास की थी मैं सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहती थी उसके माता-पिता ने एक माह पहले ही उसका दाखिला कराया था किसी को नहीं पता था कि कुछ बदमाशों की करतूत कीर्ति की जिंदगी के लिए इतनी भारी साबित होगी इस जान कमाने वाली बेटी के पिता रविंद्र कुमार रेलवे के लोको पायलट है यहां यह भी गौरतलब है कि अभी हाल ही में नवरात्रों से पहले 23 अक्टूबर को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने मिशन शक्ति के चौथे चरण की शुरुआत की थी इसके तहत पिंक बूथ पिंक मोबाइल शक्ति दीदी और बेटियों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता के तमाम कार्यक्रमों में पुलिस की ड्यूटी लगाई गई थी लेकिन बेटियों की सुरक्षा के लिए जो पुलिस को तत्परता जागरूकता और सजकता का पाठ पढ़ना था ।

करवा चौथ पर लाल रंग का विशेष महत्व

सुहागिन महिलाएं अपने पति के लिए कई व्रत रखती हैं। चाहे वह हरियाली तीज हो, हरतालिका तीज हो या फिर करवा चौथ। इस दिन सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगारकर कर अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। फिलहाल महिलाएं करवा चौथ की तैयारी में जुटी हैं। आज ये व्रत रखा जाएगा। इस दिन महिलाएं रात में चंद्रमा को अर्ध्य देकर व्रत पूरा करती हैं। इससे दांपत्य जीवन हमेशा सुखमय बना रहता है। मान्याता है कि करवा चौथ पर महिलाएं को लाल वस्त्र या शादी का जोड़ा धारण करना चाहिए। इस साल करवा चौथ पर कई शुभ संयोग भी बन रहे हैं। वहीं करवा चौथ के दिन महिलाएं लाल वस्त्र या शादी का जोड़ा पहनती हैं। इसके साथ ही हाथों में मेहंदी और पैरों में अलता जरूर लगाती हैं। जैसे शादी के दिन महिलाएं तैयार होती हैं ठीक उसी तरह करवा चौथ के दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर माता करवा की पूजा करती हैं और चंद्रमा को अर्ध्यदेती हैं। लाल वस्त्र सुहाग का प्रतीक माना जाता है। वहीं अगर सुहागिन महिलाएं लाल वस्त्र पहन कर माता करवा की पूजा करें और चंद्रमा को अर्ध्य दें तो अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद मिलता है।

करवा चौथ में लाल रंग का महत्व ज्यादा

हिंदू धर्म में लाल रंग को शुभ माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में भी इसे शुभ माना गया है। लाल रंग मुख्य रूप से मंगल ग्रह को जोड़ता है। यह कुछ राशियां जैसे मेष और वृश्चिक का स्वामी ग्रह भी है। मंगल वैवाहिक जीवनसहित जीवन के कई पहलुओं पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इसलिए करवा चौथ में लाल रंग का महत्व ज्यादा है। इस दिन शादी का जोड़ा पहनना चाहिए। यदि शादी का जोड़ा नहीं है तो शादी के दौरान पहनी गई साड़ी, जिसपर सिंदूर लगा हो। उसे पहन कर व्रत करना चाहिए। इससे माता करवा, भगवान शिव व माता पार्वती प्रसन्न होते हैं और महिलाओं को हमेशा सौभाग्यवती का आशीर्वाद प्रदान करती है।

सजना है मुझे सजना के लिए ...

श्वेता गोयल

भारत में सुहागिन महिलाओं का सबसे बड़ा त्यौहार है 'करवा चौथ', जो दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनूठा पर्व माना जाता है। इस विशेष त्यौहार का सुहागिन महिलाएं सालभर इंतजार करती हैं। हालांकि यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, फिर भी देशभर में हर जाति, हर सम्प्रदाय की महिलाएं अपने पति की दीर्घायु तथा अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए खुशी-खुशी यह व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। हालांकि समय के साथ इस व्रत को मनाए जाने की परम्पराओं में थोड़ा बदलाव आया है और अब बहुत सी अविवाहित युवतियां भी अच्छे वर की प्राप्ति की कामना से यह व्रत करने लगी हैं।

करवा चौथ के शुभ दिन महिलाओं के चेहरे पर एक अलग ही तेज नजर आता है। इस पर्व का नाम सुनते ही मन में सोलह श्रृंगार किए खूबसूरत नारी की छवि उभर आती है। दरअसल मेंहदी लगे हाथों में रंग-बिरंगी खनकती चूड़ियां, माथे पर आकर्षक बिंदिया, मांग में सिंदूर, सुंदर परिधान और तरह-तरह के आकर्षक गहने पहने अर्थात सोलह श्रृंगार किए सुहागिन महिलाएं इस दिन नववधू से कम नहीं लगती।

दुल्हन के लाल जोड़े की भांति इस दिन भी लाल रंग के परिधान पहनने का चलन बहुत ज्यादा है। वास्तव में करवा चौथ सुहागिन महिलाओं के सजने-संवरने का एक विशेष अवसर है। तो फिर क्यों न आप भी इस विशेष अवसर पर नख से शिख तक ऐसी संवर जाएं कि आपको देखते ही आपके पति की नजरें भी आप पर से हटें ही नहीं। तो जरा आजमाकर देखें खास इसी दिन के लिए इन उपायों कोः-

- मेकअप शुरू करने से पहले ध्यान रखें कि आपका मेकअप आपकी त्वचा की रंगत (टोन) के हिसाब से ही हो। तभी मेकअप से आपके नयन नक्श को अच्छा उभार मिलेगा।
- मेकअप की शुरूआत से पहले 3-4 मिनट तक अपनी त्वचा की मसाज हनी क्लींजर से करें और फिर मोइस्ट कॉटन से अच्छी तरह साफ कर लें।
- अगर आपकी त्वचा की रंगत सांवली है तो आप पर यैलो या आयवरी टोन वाला मेकअप ही फबेगा क्योंकि इन शेड्स से सांवली रंगत को प्राकृतिक रूप से उभार मिलता है।
- त्वचा का रंग गोरा है तो आप पर वेज और पिंक बेस्ड मेकअप अच्छा लगेगा लेकिन ध्यान रखें कि मेकअप लाइट पिंक बेस्ड ही हो।
- अगर त्वचा का रंग गेहुंआ है तो त्वचा को डार्क मेकअप अच्छा लुक देगा।
- फाउंडेशन का चुनाव भी त्वचा की रंगत के हिसाब से ही करें। मैट फाउंडेशन से नेचुरल लुक आता है।
- अगर आप चाहती हैं कि आपका मेकअप अधिक समय तक टिका रहे तो इसके लिए ऑयल फ्री फाउंडेशन का ही इस्तेमाल करें।
- फाउंडेशन लगाने के बाद ठीक तरह से ब्लेंडिंग भी जरूरी है। ब्लशर में लेटेस्ट ट्रेंड में चाहें तो ग्लिटर, गोल्ड और स्लिट डस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- ब्लशर की सहायता से आप अपने फेस को सही आकार दे सकती हैं। अगर आप गोरी हैं तो सॉफ्ट पिंक या वैज कलर का ब्लशर ही इस्तेमाल करें। यदि रंग गेहुंआ है तो वार्म पिंक और ब्राउन ब्लशर उपयुक्त रहेगा। सांवली रंगत वालों पर ब्रॉन्ज, कोका, सिनेमन, नटमग इत्यादि गहरे रंग का ब्लशर खूब फबेगा।
- आंखों और होठों के लिए अच्छी कोल्ड क्रीम या ऑयल बेस्ड क्लींजर का ही उपयोग करें तो बेहतर है।
- आंखों को सही आकार देने के लिए आई ब्रो पेन्सिल का उपयोग करें। आई ब्रो अगर बहुत हल्की और पतली हों तो पतले ब्रश से ब्राउन या ब्लैक आई शैडो का इस्तेमाल करें। इससे आई ब्रो को अच्छा आकार मिल जाएगा लेकिन आई शैडो लगाने से पहले लाइट शेड का इस्तेमाल करें, जिससे ब्लेंडिंग करना आसान रहता है। अपने परिधान और आभूषणों से मिलते हुए आई शैडो का ही उपयोग करें।
- अपनी आंखों को हाईलाइट करने के लिए गोल्ड, शिमर या ग्लिटर लगाएं।
- आई लाइनर के रूप में किसी भी लिक्विड कलर के साथ ब्लू, ब्राउन, डार्क ग्रीन या ब्लैक कलर लगा सकती हैं। कलर्ड कॉन्टेक्ट लैंसेज के साथ ग्रीन, ग्रे और वेज कलर के लाइनर का इस्तेमाल आपकी आंखों को नई चमक दे सकता है।
- आंखों के लिए वाटरप्रूफ मस्कारा अच्छा रहेगा। पहले आंखों के लैशेज पर ब्रश की सहायता से ऊपर से नीचे और फिर नीचे से ऊपर मस्कारा लगाएं। दो बार कोटिंग करें। सूखने के बाद कर्लर से लैशेज को कर्ल करें।
- लिपस्टिक लगाते समय होठों पर सबसे पहले फिंगर टिप्स की सहायता से फाउंडेशन लगाकर ब्लेंड करें। लिप पेंसिल से होठों को सही आकार दें और लिप ब्रश की सहायता से अपनी ड्रैस से मैच करता हुआ लिप कलर लगाएं। लिप कलर के बाद ग्लिटर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

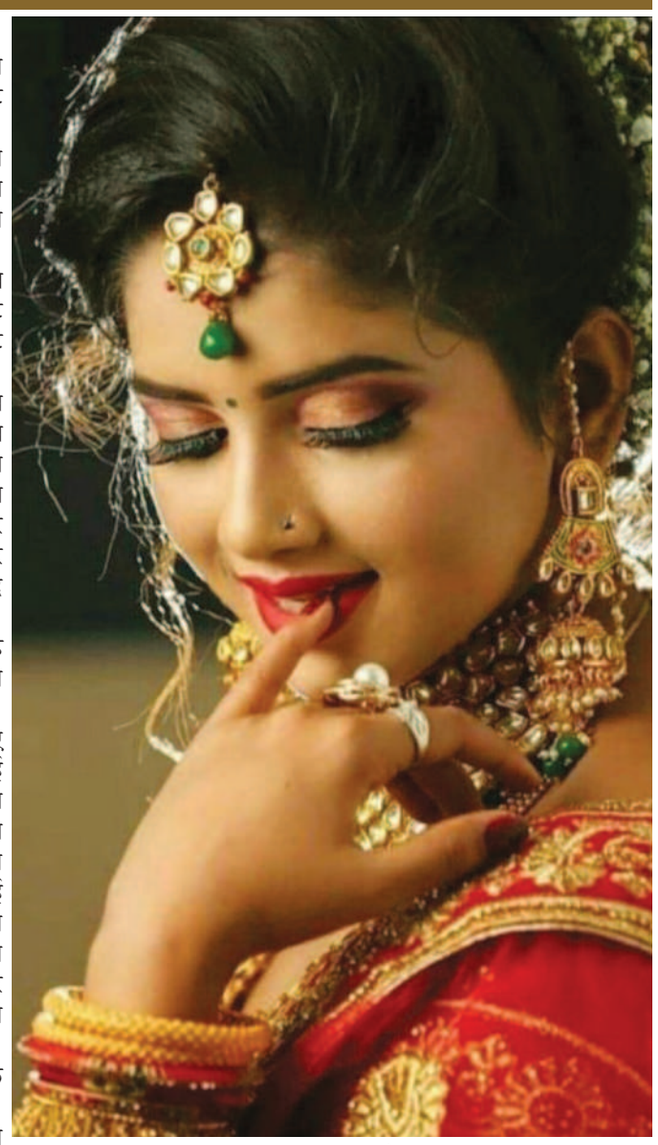

करवा चौथ पर यदि न दिखे चांद

आज करवा चौथ है। इस दिन सुहागिनें निर्जला व्रत रखती हैं और शाम को चंद्रोदय होने के बाद पूजा करती हैं। पूजा संपन्न होने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर महिलाएं व्रत का पारण करती हैं। ऐसे में इस दिन हर महिला को चांद के निकलने का बेसब्री से इंतजार रहता है और जैसे ही चांद का दीदार होता है, महिलाएं छलनी में पति का चेहरा देखकर व्रत खोलती हैं।

हालांकि यह इंतजार तब भारी पड़ जाता है जब समय पर चांद का दीदार नहीं हो पाता है, क्योंकि इस व्रत में चांद को देखकर ही व्रत का पारण किया जाता जाता है। दरअसल कभी-कभी कुछ जगहों पर बारिश या किसी अन्य कारण से चांद नजर नहीं आता है।

ऐसे में व्रत रखने वाली महिलाएं परेशान हो जाती हैं। यदि आपके भी शहर में चांद नजर न आए तो ऐसी स्थिति में व्रती परेशान न हों, कुछ उपाय करके चंद्रमा की पूजा और व्रत का पारण किया जा सकता है। चलिए जानते हैं इसके बारे में...

करवा चौथ पर न दिखे चांद तो करें ये उपाय

यदि आपके शहर में मौसम खराब है, आसमान बादल छाए हुए हैं, जिसकी वजह से चंद्रमा नहीं दिख रहा है, तो व्रत खोलने का सबसे अच्छा उपाय यह है कि चंद्रमा जिस दिशा से उदित होता है, उधर मुंह करके उनका ध्यान करें और व्रत खोलें।

इसके अलावा महिलाएं शिव जी के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा का दर्शन कर पूजा-अर्चना कर सकती हैं और अपना व्रत खोल सकती हैं। यदि आपके घर में भगवान शिव की ऐसी कोई प्रतिमा न हो, तो मंदिर जाकर भी व्रत खोल सकती हैं।

आप चावल का चंद्रमा बनाकर विधि-विधान से उनकी पूजा करके भी अपने व्रत का पारण कर सकती हैं। इसके लिए चांद निकलने की दिशा में मुंह करके पूजा की चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर चावल से चंद्रमा की आकृति बनाएं। फिर ओम चतुर्थ चंद्राय नमः मंत्र का जाप करते हुए चंद्रमा का आह्वान करें और फिर पूजा कर व्रत का पारण करें।

इसके अलावा एक उपाय ये भी हो सकता है कि आपके रिश्तेदार या किसी जानने वाले के शहर में चांद निकले तो वीडियो कॉल पर चांद देखकर भी पूजा-अर्चना करके व्रत का पारण कर सकती हैं।

करवा चौथ पर भूलकर भी पत्नी को ना दे ये गिफ्ट, वरना टूट जाएगा रिश्ता

आज करवा चौथ है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखेंगी। करवा चौथ का सनातन धर्म में बहुत महत्व है। पंचांग के मुताबिक, प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन यह पर्व मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रखती है।

इस पर्व में चंद्रमा का बहुत महत्व है। महिलाएं दिन भर व्रत रखकर शाम में पूजा के पश्चात चांद देखकर ही अपना व्रत तोड़ती है। वही इस दिन अधिकतर पुरुष पत्नी को खुश करने के लिए इस दिन तोहफे देते हैं। जी हाँ और अपने जीवनसाथी को गिफ्ट देना प्यार को जताने का एक तरीका है। ऐसे में यदि आपने अपनी पत्नी को करवा चौथ पर गिफ्ट देने की योजना बनाई है तो इन चीजों को गिफ्ट ना दें क्योंकि ये रिश्ते बिगाड़ सकती है।

करवा चौथ पर पत्नी को ना दे ये **गिफ्टः-**

काले रंग के कपड़े-

सनातन धर्म में शुभ कार्यों के चलते काले रंग के वस्त्र या अन्य चीजों को इस्तेमाल करने की मनाही होती है। जी दरअसल ऐसी मान्यता है कि काला रंग पहनने या इसका उपयोग करने से अशुभ माहौल बन सकता है। जी हाँ और बीवी को करवा चौथ पर काले रंग की साड़ी या दूसरी ड्रेस देने का मन बनाया है, तो इसे तुरंत बदल दें।

सफेद रंग-

दरअसल सनातन धर्म के नियमों में यह स्पष्ट है कि एक सुहागिन के लिए सफेद रंग अशुभ होता है तथा उसे ना वह पहनना चाहिए ना गिफ्ट में लेना चाहिए।

हालाँकि आजकल लोग ट्रेंड के चक्कर में सफेद रंग की साड़ी या आउटफिट्स गिफ्ट करते हैं हालाँकि यह गलत है। हिंदू रीति-रिवाजों के मुताबिक, सफेद कपड़े को तब पहना जाता है, जब किसी की मौत हो गई हो।

नुकीली चीज-

कहा जाता है कि धारदार चीजें रिश्ते में कड़वाहट ला सकती हैं और इस कारण झगड़े होने लगते हैं। इस कारण अपनी पत्नी को करवा चौथ पर ऐसी कोई चीज गिफ्ट न करें जो नुकीली या धारदार हो।

गलती से टूट जाए करवा चौथ का व्रत तो ना हो परेशान? करें यह उपाय

सनातन धर्म में यूं तो कई पर्व मनाया जाता है। लेकिन करवा चौथ का महत्व अलग ही माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अपने पति की लंबी उम्र के लिए इस पर्व को किया जाता है। करवा चौथ को कारक चतुर्थी भी कहा जाता है। इसमें महिलाओं को दिनभर निर्जला रहना पड़ता है। उसके बाद ही चांद को अर्घ्य देकर पानी पीती है। उन्होंने बताया कि किसी कारणवश अगर गलती से पानी पी लेते हैं या कोई गलतियां हो जाती है तो आप पुनः अगले साल उसको सही तरीके से कर सकते हैं।

ऐसे करें गलती में सुधार

पंडित हरिहर चौधरी से कहा कि करवा चौथ के दौरान अगर गलती से कोई पानी पी लेती है या फिर ऐसा लगता है कि अब बिना पानी के नहीं रह पाएंगे और वह पानी पी लेती हैं, तो अगले वर्ष उस चीज को सुधार किया जा सकता है। वहीं उन्होंने बताया कि जो महिलाएं पहली बार व्रत कर रही हो वह निर्जला रहकर चांद का दीदार कर उनको अर्ध्य देकर अपने व्रत को करें।

छत पर व्रत करने का यह है महत्व-सबसे खास बात पंडित ने बताया कि यह व्रत आप अगर छत पर करते हैं तो काफी महत्व माना जाता है। चांद की किरणें सीधे आपकी पूजन के थाली पर अगर पड़ती है तो वह काफी शुभ योग माना जाता है। वहीं उन्होंने बताया कि इस बार 1 नवंबर को यह व्रत किया जा रहा है जो रात्रि के 11:10 तक है। वही उन्होंने बताया कि महिलाओं को बांधे हुए जगह पर यह व्रत नहीं करनी चाहिए। इस व्रत को खुले जगह पर करने से आपको मनचाहा फल मिलेगा। इस पर्व में छनना का महत्व काफी है। खास कर इसमें अगर केला व खीर का भोग लगाती है तो और भी अच्छा फल मिलता है।

कार्तिक मास आरंभ, इसका महत्व और इस माह से जुड़ी पौराणिक कथाएं

इस साल कार्तिक माह 29 अक्तूबर, रविवार से शुरू हो चुका है और इसका समापन कार्तिक पूर्णिमा पर 27 नवंबर को होगा। कार्तिक माह तप और व्रत का माह है। इस माह में भगवान की भक्ति और पूजा अर्चना करने से मनुष्य की सारी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। पुराणों के अनुसार इस मास में भगवान विष्णु नारायण रूप में जल में निवास करते हैं। इसलिए कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक नियमित सूर्योदय से पहले नदी या तालाब में स्नान से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। शास्त्रों के अनुसार जो मनुष्य कार्तिक मास में प्रतिदिन गीता का पाठ करता है उसे अनंत पुण्यों की प्राप्ति होती है। गीता के एक अध्याय का पाठ करने से मनुष्य घोर नरक से मुक्त हो जाते हैं। स्कंद पुराण के अनुसार इस महीने में अन्न दान करने से पापों का सर्वथा नाश हो जाता है।

धार्मिक दृष्टि से इस महीने का महत्व

पुराणों के अनुसार इसी माह में कुमार कार्तिकेय ने तारकासुर का वध किया था। कुमार कार्तिकेय के पराक्रम को सम्मान देने के लिए ही इस माह का

नाम कार्तिक रखा गया है।

पौराणिक कथा के अनुसार शंखासुर नामक असुर ब्रह्माजी से वेदों को चुराकर भाग रहा था। वेद उनके हाथों से छूटकर समुद्र में प्रवेश कर गए। देवताओं की प्रार्थना से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने कहा कि मैं मछली का रूप धारण करके अभी वेदों को लाता हूं। उसी समय भगवान ने कहा कि अबसे कार्तिक के महीने में सभी वेदों के साथ मैं स्वयं जल में रहूंगा। इस महीने में नियमित स्नान पूजन करने वाले पर कुबेर भी कृपा करेंगे। जो धर्मात्मा व्यक्ति इस महीने में मेरी पूजा करेगा उसे यमलोक और स्वर्गलोक नहीं सीधा बैकुंठ की प्राप्ति होगी और वह जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त हो जाएगा।

कार्तिक मास के महात्म्य में बताया गया है कि एक गणिका थी। जवानी ढलने लगी तो उसे मृत्यु और उसके बाद की स्थिति का विचार परेशान करने लगा। एक दिन वह एक ऋषि के पास गई और अपनी मुक्ति का उपाय पूछा। ऋषि ने गणिका को कार्तिक स्नान का महात्म्य बताया। गणिका हर दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान करके तट पर दीप जलाकर भगवान विष्णु और सूर्यदेव की पूजा करने लगी। इस पुण्य के प्रभाव से बिना कष्ट शरीर से उसके प्राण निकल गए और दिव्य विमान में बैठकर बैकुंठ चली गई।

कार्तिक मास की महिमा का वर्णन करते हुए एक कथा देवी रुक्मिणी की भी है। पद्म पुराण के अनुसार पूर्वजन्म में रुक्मिणी गंगा तट पर रहने वाली एक विधवा ब्राह्मणी थीं। वह नियमित रूप से गंगा स्नान करके तुलसी की पूजा किया करती थीं और भगवान विष्णु का ध्यान करती थीं।

कार्तिक मास की ठंड में एक दिन स्नान करके पूजा करने के क्रम में इनकी आत्मा को शरीर से मुक्ति मिल गई। इनकी आत्मा के पास पुण्य की इतनी पूंजी थी कि उन्हें देवी लक्ष्मी के समान स्थान प्राप्त हो गया। इसी पुण्य के प्रभाव से वह भगवान श्रीकृष्ण की पटरानी बनीं।

कार्तिक महात्म्य का वर्णन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा को बताया था कि वह पूर्वजन्म में भगवान विष्णु की पूजा किया करती थीं। जीवन भर कार्तिक मास में सूर्योदय से पूर्व स्नान करके वह तुलसी को दीप दीखाती थीं। इस पुण्य से सत्यभामा श्रीकृष्ण की पत्नी हुईं। भगवान श्रीकृष्ण ने बताया कि कार्तिक का महीना सभी महीनों में मुझे अति प्रिय है। जो भी व्यक्ति इस महीने में अन्नदान, दीपदान करता है उस पर कुबेर महाराज भी कृपा करते हैं।

कार्तिक मास में तुलसी पूजा

विधिनुसार पूजा करें- यदि आपको आर्थिक समस्या लगातार परेशान कर रही हैं तो कार्तिक मास में तुलसी की पूजा विधिनुसार करें। ऐसा करने से आपको अपनी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है। इस दौरान तुलसी को स्वच्छ हाथों से ही छुएं। साथ ही पूजा के समय बालो को खुला न रखें।

जल अर्पित करें-तुलसी जी पर जल अर्पित करना शुभ होता है। कार्तिक मास में सुबह स्नान के बाद तुलसी पर जरूर जल अर्पित करें। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। इस बात का ख्याल रखें कि रविवार के दिन तुलसी के पौधे में जल अर्पित न करें।

घी का दीपक जरूर जलाएं

इस दौरान तुलसी जी पर शाम के समय घी का दीपक जरूर जलाएं। ऐसा माना जाता है कि, घी का दिया जलाने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। इसी माह तुलसी जी और शालिग्राम का पूरे विधि विधान से विवाह कराया जाता है।

इस दिशा में रखें तुलसी जी

कार्तिक मास में रोज सुबह शाम तुलसी जी की पूजा करें साथ ही तुलसी के गमले पर स्वास्तिक का चिह्न जरूर बनाएं। इस दौरान तुलसी के पत्ते को तोड़ने की भूल न करें। इसके अलावा आप घर में तुलसी का पौधा उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में ही रखें।

इन बातों का रखें ध्यान

आमतौर पर महिलाएं तुलसी जी की चुनरी अगले साल तुलसी विवाह पर ही बदलती हैं। हालांकि, ऐसा करना उचित नहीं है। अगर चुनरी पुरानी हो जाए या किसी कारण से गंदी हो जाए तो आप नई चुनरी ओढ़ा सकते हैं।

उर्फी जावेद को 'भूल भुलैया' का छोटा पंडित बनना पड़ा भारी, मिली जान से मारने की धमकी

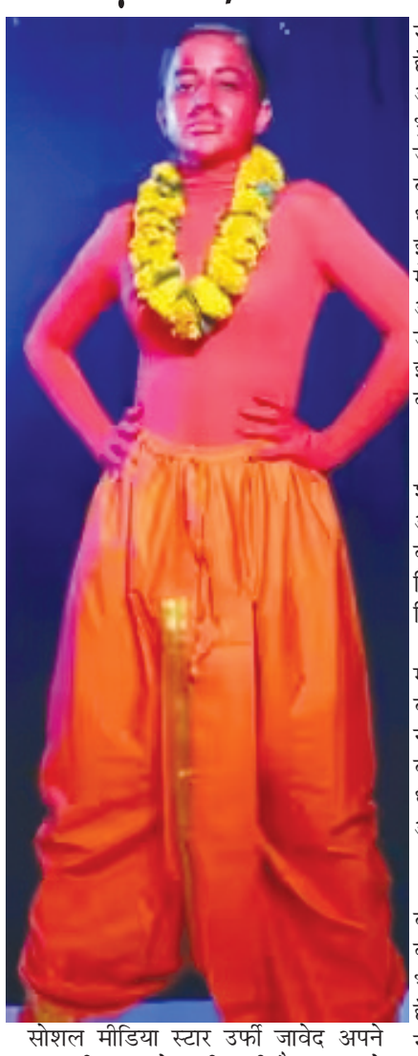

सोशल मीडिया स्टार उर्फी जावेद अपने स्टाइल की वजह से जानी जाती हैं. वह अपने अतरंगी स्टाइल की वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं. उर्फी हर बार ऐसे लुक में सामने आती हैं जिसे देखकर हर कोई चौंक जाता है या अपना सिर पकड़ लेता है. इस बार उर्फी ने भूल भुलैया के छोटा पंडित का लुक कॉपी किया था. जो उन्हें भारी पड़ गया है. उर्फी को छोटा पंडित बनना भारी पड़ गया है. उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है. सोशल मीडिया पर उर्फी ने इस बात की जानकारी दी है. उर्फी ने हाल ही में भूल भुलैया का छोटा पंडित का लुक अपनाया था. जिसकी फोटोज और वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थी. वह इस लुक में हैलोवीन पार्टी में जा रही थीं. उर्फी को मेल पर जान से मारने की धमकी मिली है.

उर्फी ने शेयर किया स्क्रीनशॉट

उर्फी ने अपने लुक और मेल की फोटोज शेयर करते हुए लिखा- मैं इस देश से हैरान और स्तब्ध हूं, मुझे एक फिल्म के एक किरदार को दोबारा बनाने में जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जबकि उस किरदार पर कोई रिएक्शन नहीं आया.

एक शख्स ने उर्फी को मेल करके जान से मारने की धमकी दी. उसने लिखा-जो तुमने वीडियो अपलोड किया है उसे डिलीट कर, नहीं तो जान से मारने में टाइम नहीं लगेगा. वहीं एक और शख्स ने मेल किया-हमारे हिंदू धर्म को बदनाम कर रही है उर्फी जावेद. जी से अपनी जिंदगी बीच चौराहे पर गोली मारेंगे.

हैलोवीन के लिए लुक किया था कॉपी

उर्फी जावेद ने छोटा पंडित के लुक में वीडियो शेयर करते हुए लिखा था- मैं उम्मीद करती हूं आप सभी को पता होगा छोटा पंडित भूल भुलैया का किरदार है. बहुत मेहनत से हैलोवीन पार्टी के लिए रेडी हुई थी लेकिन जा नहीं पाई तो सोचा वीडियो ही डाल दूं।

करीना कपूर और प्रियंका चोपड़ा जैसी गर्लफ्रेंड चाहते हैं कार्तिक आर्यन, अपने रिलेशनशिप स्टेटस का किया खुलासा

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर बैलचर हैं. अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी वह सुर्खियों में बने रहते हैं. उनके फैंस उनकी लव लाइफ के बारे में सब कुछ जानना चाहते हैं. कार्तिक आर्यन का नाम जब भी किसी के साथ जुड़ता है तो वह सुर्खियों में बन जाते हैं.

कार्तिक आर्यन अब सिंगल हैं और उन्होंने बताया है कि उन्हें अपनी लाइफ में कैसी लड़की चाहिए. कार्तिक आर्यन को हाल ही में अपनी फिल्म फ्रेडी के लिए बेस्ट एक्टर के अवॉर्ड से नवाजा गया है. अवॉर्ड फंक्शन में कार्तिक ने बताया कि उन्हें कैसी पार्टनर चाहिए.

कार्तिक को चाहिए ऐसी गर्लफ्रेंड

अवॉर्ड फंक्शन को नेहा धूपिया और अपारशक्ति खुराना ने होस्ट किया था. उन्होंने कार्तिक से उनके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में पूछा तो एक्टर ने खुलासा किया कि वह सिंगल हैं. इसके बाद बताया कि उन्हें कैसी पार्टनर चाहिए. कार्तिक ने बताया कि उन्हें करीना कपूर और प्रियंका चोपड़ा के कॉम्बिनेशन जैसी लड़की चाहिए.

उसके बाद कार्तिक से पूछा गया कि वह उन एक्ट्रेसेस के नाम बताएं जिन्हें वह रईस, टैलेंटिड, खूबसूरत और मजाकिया की कैटेगरी में रख सकते हैं.

कार्तिक ने बताया करीना कपूर खूबसूरत, रवीना टंडन मजाकिया और प्रियंका चोपड़ा को रईस की कैटेगरी में रखेंगे. टैलेंट और म्यूजिक के बारे में बात करते हुए कार्तिक ने एक बार फिर प्रियंका को इस लिस्ट में रखा. कार्तिक ने कहा- अभी वो इंडिया में आई हुई है तो सब कुछ प्रियंका चोपड़ा. फ्रेडी के लिए अवॉर्ड जीतने के बाद कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर किरदार को लेकर अपना अनुभव शेयर किया था. कार्तिक ने लिखा था कि उनके लिए ये किरदार बहुत चैलेंजिग था क्योंकि उन्होंने इसके लिए 15 किलो वजन बढ़ाया था. वर्कफ्रंट की बात करें तो कार्तिक आर्यन जल्द ही चंदू चैंपियन में नजर आने वाले हैं. ये फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इसके अलावा वह आशिकी 3 में नजर आने वाले हैं.

सयानी गुप्ता ने भारतीय पुरुषों को बताया 'असभ्य' जानें क्यों अभिनेत्री ने कहीं यह बड़ी बात

सयानी गुप्ता बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस में शुमार हैं। उन्होंने फिल्मों और वेब सीरीज में अलग-अलग तरह की भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीता है। मायानगरी में अपने एक दशक से अधिक के करियर में उन्होंने 'फैन', 'मार्गरीटा विद ए स्ट्रॉ', 'आर्टिकल 15' और 'पार्च्ड' जैसी कई शानदार फिल्मों में काम किया है। हाल ही में, अभिनेत्री कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म 'ज्विगेटो' में नजर आई थीं। वहीं, अब सयानी गुप्ता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने भारतीय पुरुषों को असभ्य बताया है।

सयानी गुप्ता के पोस्ट की बात करें तो अभिनेत्री ने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैडल पर एक नोट साझा किया है। इस नोट में अभिनेत्री ने कुछ असभ्य व्यवहारों को देखते हुए भारतीय पुरुषों को असभ्य बताया है। उन्होंने फ्लाइट के दौरान अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि एक व्यक्ति ने तो अपने बैग से मेरे चेहरे को पर मार दिया था और उसे इसका एहसास भी नहीं हुआ।

सयानी गुप्ता ने नोट में लिखा, 'फ्लाइट में भारतीय पुरुष का व्यवहार असभ्य होते हैं। बिना जगह का ध्यान दिए तेज आवाज वाले फोन बजना, खाँसना, बिना ढके छींकना इस तरह का व्यवहार करना असभ्य है। ओह, एक आदमी ने अपने बैग से मेरे चेहरे को लगभग मार ही दिया था और उसे इसका एहसास भी नहीं हुआ, जबकि बाकी सभी लोग हैरानी से मुझे देख रहे थे।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'हां, आपमें से कई लोग इसे पढ़ रहे हैं और इस बात से सहमत नहीं होंगे। सयानी गुप्ता के इस नोट पर सोशल मीडिया यूजर्स जमकर रिएक्शन दे रहे हैं।'

इस बात पर उनके फैंस सहमत नजर आए, तो वहीं कुछ ऐसे लोग भी थे जो सयानी से पूरी तरह असहमत थे। एक यूजर ने कमेंट किया, 'अगर हम कहें कि 'सभी लड़कियां एक जैसी हैं, तो उसे बुरा लगेगा।' एक अन्य ने कहा, 'शिष्टाचार की कमी के मामले में महिलाएं भी किसी से कम नहीं हैं।' यूजर ने कहा, 'मुझे फ्लाइट में ऐसी बदमाश महिलाओं से निपटना पड़ा है।' एक अन्य ने लिखा, 'अगर आपको लगता है कि पश्चिम में पुरुष अलग हैं, तो हर जगह असभ्य लोग हैं, लेकिन हर किसी को भारत से जो कुछ भी आता है, उसे हेय दृष्टि से देखना होगा।'

'40' की उम्र में भी '18' की महसूस करती हूँ : श्रेया सरन

गत वर्ष 'तड़का', 'दृश्यम 2' और 'आर. आर. आर. ' जैसी बड़ी फिल्मों के बाद इस वर्ष 'कब्जा' और 'म्यूजिक स्कूल' में नजर आई श्रेया की फिल्मों में साऊथ की अनेक सुपरहिट फिल्मों के अलावा बॉलीवुड में 'तुझे मेरी कसम', 'थोड़ा तुम ब द लो थोड़ा हम', 'आवारापन', 'एकः द पावर ऑफ वन', 'मिशन इस्तांबुल', 'गली गली चोर है', 'जिला गाजियाबाद', 'दृश्यम' तक शामिल हैं। बिजनैसमैन आंद्रेई कोसचीव से शादी करके एक बेटी राधा की मां बन चुकी श्रेया ने गत दिनों उम्र का अहम 40वां पड़ाव पार किया। हालांकि, श्रेया को अपनी बढ़ती उम्र का जरा भी मलाल नहीं है के फील्ड में हीरोइनों के लिए उम्र की बाधा की और वह इसे खुल कर स्वीकार करने में यकीन करती है। उसे लगता है कि बढ़ती उम्र को अब फिल्म में किसी महिला अभिनेत्री के लिए बाधा के रूप में नहीं देखा जाता।वह कहती है, मैं 40 साल के क्लब में प्रवेश कर चुकी हूं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि अब यह बिल्कुल भी मायने रखता है। वहीं इस बात से भी इन्कार नहीं किया जा सकता, कि हमें स्वस्थ और फिट रहने की आवश्यकता है लेकिन उम्र मायने नहीं रखती। अपने दिमाग में, मैं 40 का महसूस नहीं करती। वास्तव में, मैं खुद को 18 की महसूस करती हूं क्योंकि मेरे पास उस तरह की ऊर्जा है और इसकी एक अन्य वजह वह काम भी है, जो मुझे मिल रहा है। वास्तव में, एक बच्ची की यह मां अभिनय धारणा को तोड़ने का श्रेय अपनी सहअभिनेत्रियों काजोल और करीना कपूर खान को देती है। वह कहती है, ये वे महिलाएं हैं जिन्होंने हमारे लिए रास्ते खोले और हम उनके ही रास्ते पर चल रहे हैं। उदाहरण के लिए, काजोल को दुनिया की परवाह नहीं थी। जब चाहा तब शादी जगत कर ली, जब चाहा तब बच्चा पैदा किया और जब चाहा तब वापस आ गई। करीना ने अपनी पूरी गर्भावस्था के दौरान काम किया। जब मैं गर्भवती थी तो मुझमें इस प्रकार की हिम्मत नहीं थी ... यह आत्मविश्वास का एक ऊंचा स्तर है, जो उन्होंने दिखाया और मैं वास्तव में इसका बहुत सम्मान करती हूं।

पसंद है यात्राएं करना

जहां तक जन्मदिन मनाने की बात है, तो इस दिन भी वह किसी न किसी जगह की यात्रा करना पसंद करती है। उसने बताया, मुझे अपने जन्मदिन पर घूमना पसंद है क्योंकि मुझे यात्राओं से बहुत लगाव है। इस बार के जन्मदिन पर मैं अपनी बेटी राधा और पति के साथ कोवलम गई। आंद्रेई कभी केरल नहीं गए थे, इसलिए मैंने सोचा कि उन्हें वहां ले जाना अच्छा रहेगा। आगे मैं मालदीव और कश्मीर जाना चाहती हूं। आने वाले दिनों में खूब यात्राएं होने वाली हैं।

वह स्वीकार करती है कि हमेशा से जन्मदिन बड़े स्तर पर मनाने वालों में से वह एक है लेकिन मां बनने के बाद उसकी सोच बदल गई है। उसने कहा, मुझे एहसास हुआ कि यह एक ऐसा दिन है जिसे मेरी मां को मनाना चाहिए। अब मैं अपने माता-पिता के लिए कुछ करना चाहती हूं, लेकिन मेरे पिता की अभी घुटने की सर्जरी हुई है, इसलिए कुछ दिन रुक कर उनके लिए कुछ खास करूंगी। आपके पास अपने प्रियजनों के लिए जो समय है, वह कीमती और

स्काई डाइविंग करने गईं मलाइका ने अपनी उम्र बताई 48 तो लोगों ने उड़ाया मजाक, कहा- 'मैडम 50 साल बोलने में शर्म क्यों?'

मलाइका ने अपने बर्थडे पर स्काई डाइविंग भी की थी जिसका वीडियो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है. वीडियो के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- 48 में जोरदार छलांग लगाई! मेरे बर्थडे पर स्काइडाइविंग पागलपन था! फ्री-फॉलिंग का एहसास बताया नहीं जा सकता. यहां जिंदगी को किनारे पर जीना है और यह एक ऐसा एक्सपीरियंस है जिसने मुझे हमेशा रोमांच का पीछा करने और असाधारण को अपनाने की याद दिलाई है.

यूजर्स ने किया मलाइका को ट्रोल

मलाइका ने स्काई डाइविंग का वीडियो शेयर कर खुद को 48 साल का बताया तो सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उन्हें ट्रोल कर दिया. एक यूजर ने लिखा- '1973 में जन्म हुआ था तो आप 50 साल की हैं.' एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया- 'फेकू, आप 50 से ज्यादा की हैं.' एक और शख्स ने लिखा- 'आप 50 साल की हैं.'

'मैडम 50 साल बोलने में शर्म क्यों?...'

बता दें कि इससे पहले मलाइका ने अपने बर्थडे पर किए एक पोस्ट में भी खुद को 48 साल का बताया था. तब भी एक्ट्रेस जमकर ट्रोल हुई थीं. एक यूजर ने लिखा था- 'मैडम 50 साल बोलने में शर्म क्यों? आप 50 नहीं 48 के हैं कम से कम आज के दिन तो झूठ मत बोलो.' एक और यूजर ने तंज करते हुए लिखा- 'आप 50 की हैं, 48 की नहीं...मुझे लगता है 4-5 साल के इंस्टाग्राम के कैप्शन पर 48 ही दिखाई देने वाला है.' इसके अलावा एक शख्स ने लिखा था- 'गूगल भी इन्हें 50 का कह रहा है लेकिन ये खुद हर साल 2 साल कम बताती हैं.'

कहते हैं मुझे 'लालची अभिनेत्री' : नताशा भारद्वाज

ऐसे कलाकार के लिए जिसके परिवार का मनोरंजन उद्योग से कोई लेना-देना नहीं, नताशा भारद्वाज की प्रसिद्धि धीरे-धीरे और लगातार बढ़ी हैं। वैब सीरीज 'मुंबई डायरीज' में अपनी शानदार शुरूआत से लेकर गायक -रैपर किंग के हिट सांग 'मान मेरी जान' और वैब सीरीज 'इश्क नैक्स्ट डोर' तक वह दर्शकों को लुभाने में कामयाब रही है। एक आऊटसाइडर के रूप में वह मुम्बई में कैसे काम और निजी जीवन में संतुलन बैठा पाती है, पूछने पर उसने कहा, ₹यहां रिश्तों और दोस्ती पर अक्सर लोगों की नजर रहती है तो मैं इन्हें लेकर सतर्क रहने की कोशिश करती हूं। जब भी कोई महत्वपूर्ण निर्णय होता है, चाहे वह व्यक्तिगत हो या पेशेवर, मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनती हूं। मैं सही या गलत हो सकती हूं लेकिन कम से कम इससे संतुष्ट हूं। अगर कुछ गलत भी होता है। तो मैं कभी इसका दोष किसी और पर नहीं डालती। यह एक मुश्किल जगह है क्योंकि हम सभी यहां खुद को वैसा बना रहे हैं जैसा लोग चाहते हैं, जो पूरी तरह से गलत तो नहीं है, लेकिन यह इस पर निर्भर करता है कि आप खुद के लिए क्या चाहते हैं। आगे अपने करियर में वह किस तरह का काम करना चाहती है, पर उसका कहना था, ₹मुझे एक 'लालची अभिनेत्री' कहा जाता है। मैं बस यही चाहती हूं कि किसी भी चरित्र को सही से कैमरे के सामने अदा कर सकूं। किसी प्रोजेक्ट की सफलता मेरी पसंद या मेरे दृष्टिकोण को निर्धारित नहीं करती। अगर मुझे किसी चीज का हिस्सा बनना है तो उसके लिए मेरा दिल मानना चाहिए और जरूरी है कि मैं उसे अपना 100 प्रतिशत दे सकूं।

मीनाक्षी शेषाद्रि बॉलीवुड में वापसी के लिए तैयार

1980 के दशक की सदाबहार अभिनेत्रियों में से एक, मीनाक्षी शेषाद्रि बॉलीवुड में वापसी के लिए तैयार हैं। एक बातचीत में उन्होंने अपने जीवन और यादगार अनुभवों के बारे में बातें कीं। पेश हैं इसी बातचीत के कुछ अंश :

'दामिनी' 1993 में रिलीज हुई। उसके बाद 'घातक' दूसरी फिल्म थी। तब अनेक फिल्मकार मुझे दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण रोल देने के लिए तैयार थे लेकिन मेरी नजर साऊथ फिल्म इंडस्ट्री की ओर थी और मैंने तेलुगु व तमिल में फिल्में की। ये सब करने के बाद मैंने पढ़ाई पर ध्यान देने का सोचा और एम.ए. किया। फिर शादी करने का विचार आया। आपने पूछा की 'दामिनी' का क्या प्रभाव पड़ा तो इसके बाद जीवन में इन सारी चीजों को मैंने एक्सप्लोर किया तो इसका प्रभाव मेरे जीवन पर काफी गहरा रहा है।

शादी के बाद अमरीका जाने पर मैंने जीवन में बहुत कुछ सीखा, जैसे कि मुझे खाना बनाना नहीं आता था, गाड़ी चलाना सीखा, खुद के मसले हल करना, घर संभालना, जो

मैंने पहले कभी किया नहीं था क्योंकि मैं केवल अभिनय, और डांस करती थी। अमरीका जाने के बाद जीवन में सबसे बड़ा बदलाव आया कि मैं आजाद पंछी की तरह जीवन जीती थी, किसी तरह की रोक-टोक नहीं थी। ऐसा नहीं था कि लोग मुझे पहचान लेंगे और सैल्फी लेने के लिए मेरे पीछे दौड़ेंगे। मैं बिल्कुल बिंदास रहती थी ।

अमित जी के साथ फिल्म 'गंगा जमुना सरस्वती' की शूटिंग के दौरान एक सीन था । लोकेशन मैसूर में कावेरी नदी पर थी। सीन में दिखाना था कि हीरोइन पानी में बहते हुए जा रही है और हीरो को छलांग लगाकर उसे बचाना है। इस सीन के दौरान अमित जी का डुप्लीकेट घबरा गया कि पानी बहुत गहरा है और उसने यह सीन करने से मना कर दिया। तब अमित जी ने खुद पानी में छलांग लगाकर इसे पूरा किया था। एक अभिनेता जो हमेशा मुझे हंसाते रहते, वह थे गोविंदा। इसीलिए मैं उनको अपना फेवरेट अभिनेता मानती हूं। जब भी उनके साथ शूटिंग करने का मौका मिलता, मैं काफी उत्साहित रहती थी।

मैंने दोस्तों और परिवार के साथ चर्चा की है कि मैं किस तरह वापसी करूं। मन करता है कि मैं प्रयोग करूं। मैं इस सोच को तोड़ना चाहती हूं कि मैं ट्रैडिशनल रोल ही कर सकती हूं। आज की अभिनेत्रियां काफी स्ट्रॉन्ग हैं और उनके किरदारों का समाज और देश पर काफी गहरा प्रभाव पड़ा है ।

शराब घोटाले में ईडी का एक्शन, मोहाली में आप विधायक कुलवंत सिंह के आवास व दफ्तर पर छापा

मोहाली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोहाली से आप विधायक कुलवंत सिंह के घर और दफ्तर पर सुबह करीब आठ बजे एक साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने दबिश दी। टीम सुबह से ही उनके दफ्तर और घर पर दस्तावेज खंगाल रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शराब घोटाला मामले में यह कार्रवाई की जा रही है। हालांकि अभी अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। छापेमारी पर विधायक और उनके स्टाफ ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पंजाब में पहले भी हो चुकी छापेमारी

शराब घोटाले में सीबीआई दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं इस संबंध में पंजाब के कई शहरों में पहले भी छापेमारी हो चुकी है। सीबीआई पंजाब के कई अधिकारियों को इस मामले में तलब कर चुकी है। वहीं ईडी ने पंजाब में शराब नीति बनाने वाले अधिकारियों को बिना अनुमति विदेश जाने पर रोक लगा चुकी है। इससे पहले फरीदकोट के पूर्व शिअद विधायक व शराब कारोबारी दीप मल्होत्रा के ठिकानों पर आयकर विभाग छापे मार चुका है।

दो प्रोजेक्ट पर पर्यावरण मंत्रालय उठा चुका सवाल

उधर, केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय आप विधायक कुलवंत सिंह के स्वामित्व वाली रियल एस्टेट कंपनी के दो प्रोजेक्टों पर पर्यावरण मानदंडों का उल्लंघन करने का सवाल भी उठा चुकी है। मंत्रालय ने यह मामला पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित के ध्यान में लाया। इसके बाद राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सिविक अथॉरिटी, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्टेट लेवल एनवायरनमेंट इंपैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी (एसईआईएए) को नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को कहा था। ये दोनों प्रोजेक्ट जनता लैंड प्रमोटर्स लिमिटेड (जेएलपीएल) बना रहा है। इसका स्वामित्व मोहाली से आप विधायक कुलवंत सिंह के पास है। राज्यपाल ने सीएम को लिखे पत्र में जानकारी दी थी कि मोहाली के सेक्टर 82-83 में जनता लैंड प्रमोटर्स लिमिटेड के प्रोजेक्ट सुपर मेगा मिक्स्ड यूज इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल पार्क और सेक्टर-66ए में गैलेक्सी हाइट्स के निर्माण में पर्यावरण नियमों का उल्लंघन हुआ है।

मजीठिया ने आप पर साधा निशाना

विधायक कुलवंत सिंह के आवास पर ईडी की छापेमारी पर शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम मजीठिया ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि दिल्ली और पंजाब के शराब घोटाले में आप विधायक कुलवंत सिंह पर ईडी ने छापेमारी की है। दिल्ली के सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को समन करने के बाद अब ईडी ने इस शराब घोटाले के पंजाब लिंक पर काम करना शुरू कर दिया है। पंजाब आबकारी घोटाले में हुए 550 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए यह कवायद जरूरी है। इस घोटाले में सीएम भगवंत मान, हरपाल चीमा मुख्य दोषी हैं और मुख्य लाभार्थी आम आदमी पार्टी है।

यह है विवाद

दिल्ली सरकार की शराब नीति 17 नवंबर 2021 को लागू हुई थी। पॉलिसी के तहत शराब कारोबार को निजी हाथों में सौंप दिया गया था। इसी के साथ ही शराब नीति पर विवाद शुरू हो गया था। आरोप है कि दिल्ली सरकार ने शराब की दुकानों के टेंडर देने के बाद शराब लाइसेंसधारियों को अनुचित वित्तीय लाभ पहुंचाने की कोशिश की, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।

आजम को 100 रुपये में मिली थी 100 करोड़ की जमीन, योगी सरकार ने एक झटके में छीना

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता आजम खान को बड़ा झटका दिया है। कैबिनेट की बैठक में सरकार ने आजम खान के जौहर यूनिवर्सिटी को दी गई जमीन छीन ली है। सपा सरकार के दौरान आजम ने रामपुर के मुर्तजा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का भवन समेत पूरा कैंपस 99 साल की लीज पर मौलाना मोहम्मद जौहर ट्रस्ट को दिलाया था। करीब 100 करोड़ रुपये की इस 3825 वर्ग मीटर संपत्ति के लिए मात्र 100 रुपये सालाना किराया तय किया गया था। इसके लिए आजम खान ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के साथ एक करार भी किया था, लेकिन अब सरकार ने इसी करार की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए लीज कैंसिल की है। मंगलवार की सुबह 11 बजे लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में विभिन्न विभागों से आए करीब दर्जन भर प्रस्तावों पर चर्चा हुई, जिसमें शिक्षा विभाग की ओर से इस जमीन का प्रस्ताव भी शामिल था। सरकार ने इस प्रस्ताव पर विचार करते हुए एक झटके में जमीन वापस वापस लेने का फैसला किया है। इस फैसले के तहत अब आजम खान के ऑफिस के साथ रामपुर पब्लिक स्कूल की जमीन को भी खाली कराया जाएगा। बता दें कि बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने यह मुद्दा उठाया था। इसमें विधायक ने आरोप लगाया था कि आजम खान ने लीज की शर्तों का उल्लंघन किया है। बता दें कि आजम खान ने तोपखाना रोड स्थित सरकारी जमीन पर पार्टी का कार्यालय दारूल अवाम और रामपुर पब्लिक स्कूल बनवाया था।यह जमीन भी लीज पर थी। अब लीज निरस्त होने के बाद सरकार जल्द ही इसे अपने कब्जे में ले लेगी। आरोप है कि आजम खान ने सपा सरकार में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए शिक्षा विभाग से राजकीय मुर्तजा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के भवन और जमीन को लीज पर लिया था।

वहीं तोपखाना रोड पर अपना कार्यालय दारूल अवाम और रामपुर पब्लिक स्कूल की स्थापना कराई थी। दरअसल, जिस बिल्डिंग में दारुल आवाम है, उसमें जिला विद्यालय निरीक्षक का ऑफिस था, वहीं रामपुर पब्लिक स्कूल के भवन में जिला बेसिक शिक्षाधिकारी का कार्यालय था। आजम ने साल 2012 ये भवन मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के नाम पटटा करा लिए थे। इस पट्टे के विलेख के बिंदु संख्या-7 में यह साफ तौर पर लिखा है कि आवंटित भूमि पर एक साल में यूनिवर्सिटी बनाकर संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

'तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ना थोड़ा मुश्किल

सीडब्ल्यूआरसी के आदेश के बाद डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने दी प्रतिक्रिया

बेंगलुरु, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सीडब्ल्यूआरसी के निर्देशानुसार पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को पानी छोड़ने में राज्य की असमर्थता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उसके कावेरी बेसिन में पर्याप्त पानी नहीं है। उनका बयान कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने सोमवार को कर्नाटक को 1 नवंबर से 15 दिनों के लिए तमिलनाडु को प्रति दिन 2,600 क्यूसेक पानी छोड़ने की सिफारिश की थी, जिसके बाद डी के शिवकुमार का बयान सामने आया है।

जल संसाधन पोर्टफोलियो रखने वाले शिवकुमार ने कहा कि कृष्णराज सागर बांध में पानी का प्रवाह पड़ोसी राज्य को पानी छोड़ने के लिए अपर्याप्त है। उपमुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा, केआरएस बांध में प्रवाह शून्य है। हमारे पास पानी छोड़ने की क्षमता नहीं है। उन्होंने कहा कि केआरएस और काबिनी बांधों से 815 क्यूसेक पानी स्वाभाविक रूप से तमिलनाडु की ओर बहता है। कावेरी बेसिन में केवल 51 टीएमसी पानी बचा है। वर्तमान में, पीने के पानी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए संग्रहित पानी की आवश्यकता है। बता दें कि तमिलनाडु ने हर रोज 13,000 क्यूसेक पानी की मांग की थी।

दिल्ली के बॉर्डर पर 600 रुपये में मिल रही 6000 की शराब, ऐसे कर रहे थे तैयार

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। यदि आप ब्रांडेड शराब के शौकीन हैं और महंगी बोतल खरीद कर खुश हो रहे रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बहुत जरूरी है। सबसे पहले तो आपको यह जान लेना चाहिए कि जो शराब आप खरीद कर लाए हैं, वह नकली तो नहीं। जी हां, ऐसा हो सकता है। दो दिन पहले ही फरीदाबाद में इस तरह का मामला सामने आया है। यहां ब्रांडेड और महंगी शराब के यूज्ड बोतल में केमिकल वाली शराब बेची जा रही थी। इस शराब की ना केवल होम डिलीवरी हो रही थी, बल्कि खरीदने पर बड़ा डिस्काउंट भी दिया जा रहा था। यह खुलासा आबकारी विभाग और पुलिस की दबिश में हुआ है। पुलिस ने फरीदाबाद के एनआईटी में दबिश देकर नकली शराब के रिबॉटलिंग प्लांट पकड़ा है। पुलिस ने मौके से दो लोगों को अरेस्ट भी किया है। आरोपियों की पहचान एनआईटी निवासी चरण सिंह तथा दिल्ली के मधुविहार में रहने वाले निखिल के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अपने प्लांट में तैयार शराब की होम डिलीवरी तो कराते ही थे, गुरुग्राम, फरीदाबाद और दिल्ली के कई ठेकों पर भी सप्लाई करते थे। जहां से सरकारी रेट से भी कम कीमत पर इस शराब की बिक्री हो रही थी। पुलिस के मुताबिक आबकारी विभाग को काफी समय से इस गोरखधंधे की खबर आ रही थी। इसमें बताया गया था कि एक गिरोह सरकारी रेट से भी कम कीमत पर ब्रांडेड शराब की सप्लाई कर रहा है। आबकारी विभाग ने अपने स्तर पर जांच कराई। इसमें पता चला कि ब्रांड शराब के बोतलों में रिबॉटलिंग हो रही है। शराब की जगह बोतलों में थीनर भरा जा रहा है।

असली नकली में फर्क मुश्किल

इसे पीने से शुरुआत में तो तेज नशा होता है, लेकिन बाद में यह केमिकल शरीर के भीतर अंगों को डैमेज करने लगता है। चूंकि शराब की बोतल विधिवत मशीन से पैक होती है और होलोग्राम भी लगा होता है। इसलिए कोई भी ग्राहक इसे देखकर गच्चा खा सकता है। एसीपी मोनिका देशवाल ने बताया कि आबकारी विभाग से मिले इनपुट के आधार पर पहले नीलम चौक स्थित शराब ठेके पर रेड हुई। इसमें दो आरोपियों को अरेस्ट किया गया। उनसे जब पूछताछ हुई तो इस गोरखधंधे का खुलासा हुआ। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह सस्ती शराब में थीनर जैसा केमिकल मिलते हैं और ब्रांडेड शराब के यूज्ड बोतलों में यह मिलावटी शराब भरकर मार्केट में सप्लाई करते हैं। आरोपियों ने बताया कि वह मिलावटी शराब ठेके से तो बेचते ही हैं, शौकीनों को ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा देते हुए होम डिलीवरी भी कराते हैं।

आरोपियों ने बताया कि उनके कारोबार में कुछ कबाड़ी भी शामिल हैं। वह इन्हीं कबाड़ियों से ब्रांडेड शराब शराब की खाली बोतल खरीदते हैं और फिर उनकी धुलाई कर उसमें मिलावटी शराब भरते हैं। इसी प्रकार आरोपियों के नेटवर्क में रैपर और होलोग्राम छापने वाले भी शामिल हैं। इन सभी को प्रति बोतल के हिसाब से आरोपी भुगतान करते हैं।

दिल्ली वक्फ बोर्ड ने 150 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

अमानतुल्ला खान ने कराई थी नियुक्ति

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने एक बड़ा कदम उठाते हुए अपने 150 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। इन सभी कर्मचारियों की नियुक्ति 2019 में दिल्ली वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन अमानतुल्लाह खान ने कराई थी। इन सभी को नियमों के खिलाफ जाकर नौकरी पर रखने के आरोप लग रहे थे और इस मामले में जांच भी चल रही है। बता दें कि कुछ दिन पहले आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान के यहां छापेमारी के बाद ईडी ने आरोप लगाया था कि उन्होंने दिल्ली वक्फ बोर्ड में अवैध भर्तियों के जरिए 'अपराध से भारी मात्रा में नकदी जमा की' और उक्त राशि का इस्तेमाल अपने सहयोगियों के नाम अचल संपत्ति खरीदने में की। ईडी ने खान और उनसे जुड़े लोगों के 13 स्थानों पर छापेमारी की थी। एजेंसी ने एक बयान में दावा किया था कि छापेमारी की कार्रवाई 2018-2022 तक अमानतुल्लाह खान के दिल्ली वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष रहते हुए उसमें की गई गैर कानूनी भर्तियों और वक्फ की संपत्तियों को निजी लाभ के लिए अनुचित तरीके से पट्टे पर देने से संबंधित मामले में की गई। उसने बताया था कि सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर और दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज 3 शिकायतों के आधार पर खान के खिलाफ कार्रवाई की गई। ईडी के मुताबिक, अमानतुल्लाह ने कथित गलत तरीके से कमाए गए पैसे का इस्तेमाल दिल्ली में खुद से जुड़े लोगों के नाम अचल संपत्ति खरीदने में किया।'

शराब की दुकान से नकदी लूटने वाले लुटेरे की पुलिस से मुठभेड़, गोली लगने के बाद आरोपी गिरफ्तार

जालंधर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। (पंजाब) जालंधर में पिस्टल के दम पर 2 दिन पहले क्यूरो मॉल के पास शराब की दुकान लूटने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस और लुटेरे में मुठभेड़ हुई जिसमें एक गोली लुटेरे के पैर में लगी। पुलिस ने लुटेरे को सरवन सिंह उर्फ मनी डॉन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कमिश्नर कुलदीप सिंह चाहल ने बताया कि डीसीपी हरविंदर सिंह विर्क, एडीसीपी - 2 भूपिंदर सिंह, एडीसीपी इनवेस्टिगेशन परमजीत की अगुवाई में सीआईए स्टाफ के इंचार्ज हरजिंदर ने 66 फुटी रोड़ के नजदीक क्यूरो माल जालंधर में द लिक्वर ग्रेंटस ट्रेडर वाइन शॉप में पिस्तौल के बल पर लुटेरों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया था।

सीआईए स्टाफ टीम ने गुरमहर कालोनी में नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार आरोपी को रोकने की कोशिश की तो मोटरसाइकिल मोड़कर भागते समय लुटेरा जमीन पर गिर गया। जब पुलिस कर्मी आगे बढ़े तो लुटेरे ने गोली चला दी। जिसके बाद जवाबी फायरिंग में एक गोली लुटेरे के पैर में लगी और वह घायल हो गया जिसकी बात पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं लूट में शामिल दूसरे आरोपी को अमृतपाल सिंह उर्फ काका निवासी ताजपुर जालंधर को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से 1 पिस्टल, ।32 बोर सहित 2 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया 28 अक्टूबर को मुंह ढके हुए 2 आरोपी शराब की दुकान में घुसे। इस दौरान एक आरोपी ने दुकानदार से विस्की का रेट पूछा और दूसरे ने पिस्तौल निकाल ली। इस दौरान आरोपियों ने दुकानदार को पिस्तौल के बल पर डराकर उसकी तिजौरी से पैसे निकाल लिए और शराब की बोतलें निकाल कर ताजपुर की ओर फरार हो गए थे। पूछताछ के दौरान पता चला है कि आरोपी सरवन नशे का आदी है और वह एक माह पहले ही एक केस में जमानत पर रिहा होकर बाहर आया था।

उक्त केस में आरोपी ने बस स्टैंड के पास लक्की गिल का गोलियां मारकर कत्ल किया था। उक्त आरोपी शेरू ग्रुप से साथ जुड़ा हुआ है। जिसकी दुश्मनी पंचम गैंग से है। दोषी स्वर्ण का साथी बुद्ध जेल में बंद है। जिस पर 3 कत्ल के केसों के अलावा अन्य मामले दर्ज है। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी ने पिस्तौल अपने अन्य साथी हरजिंदर सिंह निवासी कपूरथला से ली थी।

गैस सिलेंडर फटने से पटाखे की दुकान में लगी आग, दो की मौत

सिद्धार्थनगर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिद्धार्थनगर जिले में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां कपिलवस्तु थाना क्षेत्र के अलीगढ़वा कस्बे में मंगलवार को गोदाम में गैस सिलेंडर दगने के बाद पटाखे की गोदाम में लगी आग ने भयावह रूप ले लिया। अग्निशमन विभाग के पानी के बौछार से आग की लपट कुछ कम हुई तो दो लोगों के क्षत विक्षत शव निकाले गए, जिनकी पहचान नहीं हो पा रही है। आग से झुलस कर गंभीर हुए तीन लोगों को इलाज के लिए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के संयुक्त जिला अस्पताल भेजा गया है। दो घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी आग धधक रही है और कई दुकानों के सामान जल गए हैं।

शिक्षकों को नियुक्ति पत्र बांटे जाने के सवाल पर सियासत चिराग पासवान और विजय सिन्हा ने लगाए बड़े आरोप

पटना, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2 नवंबर को गांधी मैदान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शिक्षक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र बांटने वाले हैं। इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान और भाजपा के नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने सीएम नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा है। मंगलवार को पटना में दोनों नेताओं ने शिक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर बिहार सरकार पर सवाल उठाए। सांसद चिराग पासवान ने कहा कि नियुक्ति पत्र पुनः एक झुनझुना है। जब जब चुनाव होता है तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस तरह की योजना करते हैं। बैक डोर से वह इंट्री करवा रहे हैं। कई लोग ऐसे हैं, जिन्हें हस्ताक्षर तक करना नहीं आता है, उन्हें नौकरी दे दी गई है। जिनके पास बिहार सरकार ने मंत्रियों से पैरवी और पहुंच है, उनकी ही बहाली की जा रही है। इसी कारण से शिक्षकों में काफी आक्रोश है। चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के हर विभाग में इसी तरह की नियुक्तियां होती बैक डोर से भ्रष्टाचार के माध्यम से। जनता सब जान रही है। आने वाले चुनाव में जनता जरूर जवाब देगी। चिराग पासवान ने कहा कि हमलोग सभी 40 सीट पर अपना संगठन मजबूत कर रहे हैं। हमारे प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी के नेतृत्व में पार्टी के हर एकलोक प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि अलग-अलग लोकसभा सीटों पर अपनी यात्रा पर निकले हुए हैं। यह हर लोकसभा में अपने संगठन को मजबूत करने की तैयारी चल रही है। चिराग पावान ने कहा कि हर वह लोकसभा जहां से लोजपा चुनाव लड़ेगी, वहां संगठन मजबूत हो, साथ ही जहां पर एनडीए गठबंधन चुनाव लड़े वहां पर हमारे संगठन का लाभ मिले। लोगों का काफी अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

विजय सिन्हा बोले- जो नियुक्ति हो रही है वह पूरी तरह से घोटाला है

2 नवंबर को नियुक्ति पत्र बांटने को लेकर नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि 33 वर्ष से बड़े भाई छोटे भाई नियुक्ति क्यों रोके हुए थे और यह जो नियुक्ति हो रही है वह पूरी तरह से नियुक्ति घोटाला है। पूरी तरह से घोर अनियमिता और अराजकता के माहौल में कई शिकायत लोगों ने दी है। और, रिजल्ट में शिकायत है बिना रिजल्ट के समाधान और बिना रिजल्ट पर आपत्ती लिए नियुक्ति पत्र बांटना बेईमानी है और यह बेईमानी की मानसिकता यहां के युवाओं के मन में आक्रोश उत्पन्न कर रहा है।

कमलनाथ-दिग्विजय में मनमुटाव पर शिवराज का तंज लूट के माल के लिए लड़ रही है जय-वीरू की जोड़ी

भोपाल, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच मनमुटाव की खबरों पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि यह जय-वीरू की जोड़ी लूट के माल के लिए लड़ रही है। जय-वीरू का झगड़ा लूट के माल के लिए है। दरअसल, कांग्रेस में टिकट वितरण पर हुए असंतोष को लेकर दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बीच मनमुटाव की खबरें पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में है। इससे जुड़े सवालों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मध्य प्रदेश के प्रभारी महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा था कि दोनों शोले के जय-वीरू हैं। उनकी जोड़ी को तोड़ने की कोशिश गब्बर की नाकाम रही थी और अब भाजपा की भी नाकाम ही रहेगी। इसके बाद दोनों नेताओं को सोमवार को कांग्रेस हाईकमान ने दिल्ली बुलाया था। सोमवार देर रात दिल्ली में बड़े नेताओं की मौजूदगी में दोनों के बीच सुलह कराने का प्रयास किया गया। दोनों नेता साथ में लौटे भी। इसे लेकर कमलनाथ ने सुबह ही कहा था कि भाजपा भ्रम फैला रही है। इस पर पलटवार करते हुए शिवराज ने काह कि जय और वीरू की जोड़ी को दिल्ली बुलाया गया। अब वो कहते हैं कि भाजपा भ्रम फैला रही है तो पार्टी इन्हें दिल्ली क्यों बुला रही है! कांग्रेस के जय और वीरू आपस में झगड़ रहे हैं और ये लड़ रहे हैं लूट के माल के लिए। जय और वीरू तो लूटते ही थे। इनका झगड़ा लूट के माल के लिए है! पहले भी 2003 तक मिस्टर बंटाढार (दिग्विजय सिंह) ने पूरे प्रदेश को लूटा और बर्बाद कर दिया। सवा साल में कमलनाथ जी ने भी इसे लूट का अड्डा बना दिया था। अब आगे कौन लूटे और कितना लूटे और उसमें कितनी हिस्सेदारी हो, झगड़ा इनका केवल इस बात का है। अब दिल्ली भी पता नहीं, इनसे किन मुद्दों पर चर्चा कर रही है। क्या दिल्ली भी इसमें शामिल है?

उद्योगपति कहने पर किया बचाव

कमलनाथ के बयान पर पलटवार करते हुए शिवराज ने कहा कि सोमवार को मैंने उन्हें सेठ कहा तो वो आपत्ति व्यक्त कर रहे हैं मैं सेठ हूँ क्या। मैं उद्योगपति हूँ क्या।? कमलनाथ जी को मैं सेठ न कहूं तो क्या उन्हें मजदूर कहूं, फसल काटने वाला कहूं, गिट्टी-मिट्टी उठाने वाला कहूं। वो स्वयं कहते हैं मैं निजी प्लेन में घूमता हूं। अब निजी प्लेन किसान के पास तो होता नहीं है। मजदूर के पास नहीं होता है। गरीब के पास नहीं होता है। उनका एक पैर देश में रहता है एक पैर विदेश में रहता है। सेठ को सेठ न कहें तो क्या कहें? सेठ को सेठ कहने में आपत्ति क्या है।

चौपट प्रदेश कहने पर पलटवार

कमलनाथ अपने भाषणों में आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा ने मध्य प्रदेश को चौपट प्रदेश बना दिया है। इस पर शिवराज ने कहा कि कमलनाथ जी का ये प्रदेश है ही नहीं। उनको मध्य प्रदेश से लगाव है ही नहीं। वो मध्य प्रदेश को बदनाम करते हैं। चौपट प्रदेश कहना मध्य प्रदेश का अपमान है। मध्य प्रदेश की जनता का अपमान है। शिवराज से राजनैतिक बैर है तो आप मेरा अपमान करो ना, मुझे गालियां दो, मध्य प्रदेश का अपमान क्यों करते हो।? मेरे प्रदेश को चौपट कहने वालों चौपट करने की तुम कोशिश करते थे।

नशा मुक्ति केंद्र में युवक के साथ दरिंदगी प्राइवेट पार्ट में डाला लाइटर, ऐसे हुआ खुलासा

रीवा एसपी विवेक सिंह

रीवा, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। रीवा के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में संचालित संकल्प नशा मुक्ति केंद्र से दिल दहला देने वाली एक घटना समाने आई है। संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में भर्ती नशे के आदि एक यूवक के साथ नशा मुक्ति केंद्र के लोगों ने मानवता की सारी हदें पार कर डाली। नशा मुक्ति केंद्र के संचालक और कर्मचारियों ने पीड़ित के गुप्तांग में गैस चूल्हे का लाइटर डालकर उसे बुरी तरह से घायल कर दिया। जिससे पीड़ित की आंत तक फट गई। पीड़ित के शरीर से काफी मात्रा में जब खून निकला तो नशा मुक्त केंद्र के संचालक और कर्मचारियों के हाथ पैर फूल गए। नशा मुक्ति केन्द्र के कर्मचारियों ने आनन फानन में पीड़ित को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया, तब इस बात की जानकारी परिजनों को लगी तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। दरअसल ग्राम पंचायत गढ़वा निवासी मुकेश मिश्रा नशे का आदि था। उसकी लत छुड़वाने के लिए परिजनों ने उसे संकल्प नशा मुक्ति केंद्र में 25 जुलाई 2021 को भर्ती कराया था, जिसको लेकर संचालक पीड़ित के परीजनों से प्रतिमाह 15 से 18 हजार रुपए तक की राशि वसूलते थे। लेकिन जब पीड़ित मुकेश की पत्नी उससे मिलने जाए तो उसे मिलने नहीं दिया जाता था और यह कह कर वापस लौटा दिया जाता था कि यहां पर सब पुरुष रहते हैं और नशा करने की वजह से उनका मानसिक संतुलन नहीं रहता इस वजह से आप नहीं मिल सकती और ये बात कहकर परिजनों को पीड़ित से नहीं मिलने दिया जाता था।

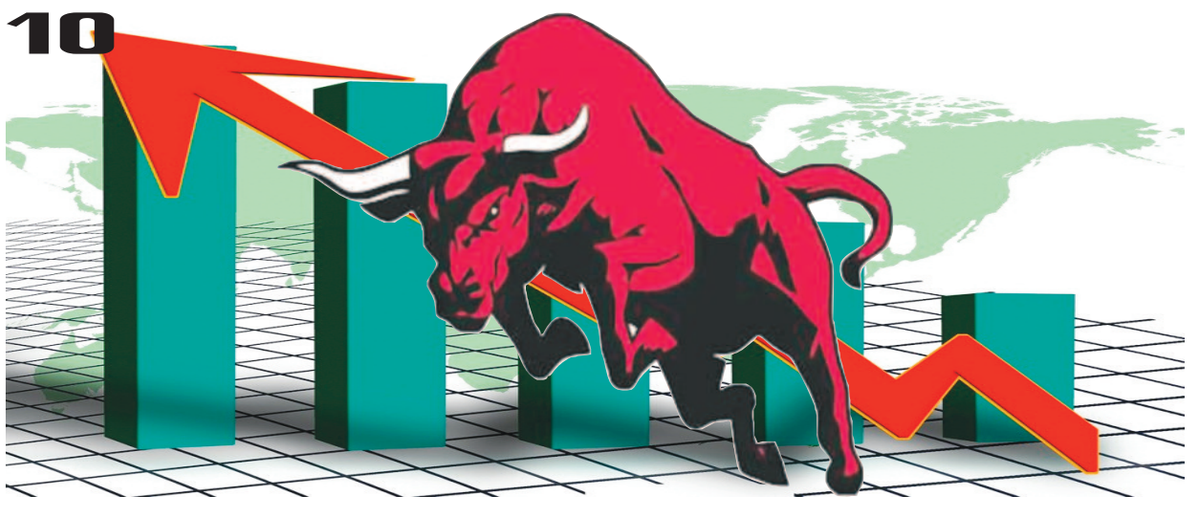

युद्ध और बढ़ा तो तेल की कीमतें बढ़ेंगी

महंगाई में होगा इजाफा, विश्व बैंक ने दी चेतावनी

नई दिल्ली , 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व बैंक ने सोमवार को बताया है कि अगर इस्राइल और हमास के बीच युद्ध तेज होता है, तो तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इसके परिणामस्वरूप दुनिया भर में खाने-पीने की चीजें महंगी हो सकती हैं। विश्व बैंक के कमोडिटी मार्केट आउटलुक में पाया गया कि यदि संघर्ष नहीं बढ़ता है तो तेल की कीमतों पर प्रभाव सीमित होना चाहिए, लेकिन यदि संघर्ष बढ़ता है तो हालात बिगड़ जाएंगे। हमास की ओर से इस्राइल पर किए गए हमले में 1,400 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे, लगभग 240 को बंधक बना लिया गया था। उसके बाद हमास के खिलाफ युद्ध की इस्राइल की घोषणा ने पश्चिम एशिया में व्यापक संघर्ष की आशंका को बढ़ा दिया है। और तनाव बढ़ने का खतरा मंडरा रहा है। इस्राइल की टैंकों और पैदल सेना को बीते सप्ताहांत में गाजा में धकेल दिया गया क्योंकि प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध के दूसरे चरण की घोषणा कर दी है। दूसरी ओर हमास के अधिकारियों ने लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्ला सहित अन्य सहयोगियों से अधिक क्षेत्रीय सहायता मांगी है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में छोटे, मध्यम या बड़े व्यवधान की स्थिति में वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए तीन परिदृश्यों की बात कही है। विश्व बैंक का अनुमान है कि यदि संघर्ष छोटे व्यवधान परिदृश्य से नहीं बढ़ता है तो प्रभाव सीमित होना चाहिए- ऐसे में तेल की कीमतें अगले साल औसतन 81 डॉलर प्रति बैरल तक गिरने की उम्मीद है।लेकिन युद्ध के कारण अगर मध्यम व्यवधान पैदा होता है जैसा इराक युद्ध के दौरान हुआ था तो वैश्विक तेल आपूर्ति प्रति दिन 3 मिलियन से 5 मिलियन बैरल तक घट जाएगी, जिससे तेल की कीमतें संभवतः 35% तक बढ़ जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, बड़े व्यवधान की स्थिति में जैसा 1973 के अरब तेल प्रतिबंध के समय हुआ था वैश्विक तेल आपूर्ति प्रति दिन 6 मिलियन से 8 मिलियन बैरल तक कम हो जाएगी और ऐसी स्थिति में कीमतें कीमतें 56% से 75% या 140 से 157 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं।विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री इंदरमित गिल ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पहले ही विघटनकारी प्रभाव पड़ा है जो आज भी जारी है।

आज से होने वाले हैं ये अहम बदलाव

निपटा लें ये काम नहीं तो हो सकती है परेशानी

नई दिल्ली , 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। अक्तूबर महीने का आज आखिरी दिन है। नवंबर महीने की शुरुआत के साथ ही कई नए वित्तीय बदलाव होने वाले हैं, ये बदलाव आम लोगों की जेब पर सीधा असर डालेंगे। महीने की शुरुआत में ही कंपनियां रसोई गेस की कीमतें तय करती हैं। इसके अलावे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव होता है। आइए जानते हैं इस बार नवंबर महीने से कौन-कौन से बदलाव होने वाले हैं और किन मामलों में हमें सतर्क रहने की जरूरत है।

1. रसोई गैस की कीमतों में बदलाव

हर महीने की शुरुआत में सरकारी तेल कंपनियां एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी के दाम तय करती हैं। इस बार त्योहारों का मौका है ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि कीमतें बढ़ती हैं या बरकरार रहती हैं। इसके लिए 31 अक्तूबर की मध्य रात्रि का इंतजार करना होगा।

2. पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव

रसोई गैस की तरह ही महीने के पहले दिन पेट्रोल डीजल की कीमतों में भी बदलाव होता है। ऐसे में देश के विभिन्न हिस्सों में इनकी कीमतों में नवंबर महीने की पहली तारीख से एलान हो सकता है।

3. जीएसटी के नियम बदलेंगे

एक नवंबर से जीएसटी से जुड़ा एक बड़ा बदलाव होने वाला है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के मुताबिक एक नवंबर से 100 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा के कारोबार करने वाले फर्मों को एक नवंबर से 30 दिनों के अंदर ई-चालान पोर्टल पर जीएसटी चालान अपलोड करना पड़ेगा।

4. बंद एलआईसी पॉलिसी चालू कराने का आखिरी मौका

भरतीय जीवन बीमा निगम की बंद पड़ी पॉलिसी को दोबारा चालू कराने का आखिरी मौका बस आज भर है। 31 अक्तूबर तक इसे बिना किसी परेशानी के दोबारा चालू किया जा सकता है। आखिरी तिथि समाप्त होने के बाद एक नवंबर से ऐसा करने में आपको दिक्कत झेलनी पड़ सकती है।

5. शेयर बाजार में लेन-देन होगा महंगा

बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने 20 अक्तूबर को एलान किया था कि नवंबर की पहली तारीख से इक्विटी के डेरिवेटिव सेगमेंट में लेन-देन पर शुल्क बढ़ जाएगा। ऐसे में नवंबर की पहली तारीख से शेयर बाजार में लेन-देन पर निवेशकों को कुछ अतिरिक्त पैसा चुकाना पड़ सकता है। नियम के बदलने से डीमैट अकाउंट धारक ऐसे निवेशक प्रभावित होंगे जो फ्यूचर और ऑप्शंस में ट्रेडिंग करते हैं।

6. बीमाधारकों के लिए केवाईसी अनिवार्य

एक नवंबर से इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सभी बीमाधारकों के लिए केवाईसी अनिवार्य कर दिया है। एक नवंबर से इस फैसले का असर सीधे तौर पर बीमाधारकों के क्लेक पर पड़ेगा।

7. आयात से जुड़े नियमों में बदलाव

केंद्र सरकार ने अक्तूबर महीने तक एचएसएन 8741 कैटेगरी के लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक आइटम के आयात पर छूट छूट का एलान किया था। ऐसे में नवंबर महीने में इससे जुड़े नए नियम अमल में आ सकते हैं। अब तक सरकार की ओर से इस बारे में अपडेट जारी नहीं किया गया है।

8. नवंबर में 15 दिन बैंक रहेंगे बंद

नवंबर महीने में विभिन्न त्योहारों के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में 15 दिन बैंक बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में दिवाली और शनिवार व रविवार को दी जाने वाली छुट्टियां शामिल हैं। इन छुट्टियों के दौरान बैंकों की ऑनलाइन सेवाएं रोज की तरह काम करती रहेंगी।

दुनिया को ले डूबेगा चीन का रियल एस्टेट संकट! यूरोप का सबसे बड़ा बैंक भी आया चपेट में

नई दिल्ली , 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिसकी आशंका थी वही हुआ। चीन का रियल एस्टेट संकट धीरे-धीरे पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेने लगा है। चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट की करीब 30% हिस्सेदारी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सेक्टर चीन की इकॉनमी के लिए कितना अहम है। अगर यह डूबा तो इससे बैंकिंग सेक्टर भी तबाह हो जाएगा। दुनिया के कई बैंकों ने चीन के रियल एस्टेट सेक्टर में जमकर पैसा लगा रखा है। अब उसके साइड इफेक्ट दिखने भी शुरू हो गए हैं। स्टैंडर्ड चार्टर्ड के बाद अब यूरोप के सबसे बड़े बैंक एचएसबीसी को भी चीन 50 करोड़ डॉलर का झटका लगा है। बैंक ने आशंका जताई है कि आने वाले दिनों में स्थिति और विकट हो सकती है।एचएसबीसी ने सोमवार को अपना रिजल्ट जारी किया जो उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। बैंक ने चीन के रियल एस्टेट लोन में हुए नुकसान को कवर करने के लिए 50 करोड़ डॉलर का प्रावधान किया है। इससे बैंक का प्रॉफिट प्रभावित हुआ है। यूके के इस बैंक का कहना है कि चीन में आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। पिछले हफ्ते एक और बैंक स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने भी कहा था कि चीन के कारण उसका प्रॉफिट प्रभावित हुआ है। चीन में मकानों की बिक्री बुरी तरह गिरी है और एक के बाद एक डेवलपर्स डिफॉल्ट करती जा रही हैं। सरकार ने इसे पटरी पर लाने के लिए कई कदम उठाए हैं लेकिन अब तक उनका कोई फायदा नहीं हुआ है।

मैन्यूफैक्चरिंग में फिर गिरावट

इस बीच कमजोर मांग के कारण चीन में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में एक बार फिर गिरावट आई है। अक्टूबर में परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स गिरकर 49.5 पर आ गया जो सितंबर में 50.2 पर था। नॉन-मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई भी 50.6 रह गया जो दिसंबर 2022 के बाद सबसे कम है। पीएमआई इकनॉमिक एक्टिविटी का मंथली इंडिकेटर माना जाता है। यह 50 से ऊपर विस्तार और 50 से नीचे संकुचन दिखाता है। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है लेकिन पिछले कुछ समय से यह कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। लोग खर्च करने के बजाय बचत करने में लगे हैं, बेरोजगारी चरम पर है और एक्सपोर्ट में भी गिरावट आई है।

क्यों नहीं थम रही है प्याज की बढ़ती कीमतें

सरकार की कोशिशों के बाद भी क्यों नहीं लग रही लगाम

नई दिल्ली , 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र ने प्याज पर 800 डॉलर प्रति टन का मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस भी लगाया है, जो 29 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा। इस कदम का उद्देश्य निर्यात को हतोत्साहित करना और घरेलू बाजार के लिए अधिक स्टॉक उपलब्ध रखना है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, एमईपी कुछ हद तक कीमतों पर अंकुश लगाने में सफल रहा है।सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर के महीने में प्याज की कीमत दोगुनी हो गई है। डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर के आंकड़ों के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में 1 अक्टूबर को प्याज की कीमत 38 रुपए प्रति किलोग्राम थी। जो 30 अक्टूबर को 78 रुपए तक पहुंच गए हैं। जानकारों का मानना है कि ज्यादा बारिश की वजह से प्याज की फसल खराब हो गई थी। लिहाजा मार्केट में स्टॉक की शॉर्टेज दिखने को मिल रही है। हालांकि सरकार ने मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस से लेकर कई कदम उठाएं है। माना जा रहा है कि इन कोशिशों की वजह से प्याज की कीमतों पर असर दिख सकता है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मौजूदा समय में देश के प्रमुख राज्यों में प्याज की कीमत कितनी हो गई है और सरकार ने प्याज की कीमतों को कम करने के लिए कौन से कदम उठाए हैं।

देश के बड़े राज्यों और शहरों प्याज के दाम कीमत

देश में कंज्यूमर एक बार फिर प्याज की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं। मुंबई में खुदरा दरें 80 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। प्याज की कीमतों में दिन-ब-दिन बढ़ोतरी के कारण खरीदार लागत कम करने के लिए सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। सब्जी विक्रेता आसमान छूती कीमतों के लिए सप्लाई में कमी का हवाला दे रहे हैं। आगरा के मनोज ने एएनआई को बताया कि वे मंडी से 60-65 रुपए में प्याज खरीद रहे हैं, लेकिन ग्राहकों ने महंगे प्याज से दूरी बनाई हुई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख कमल नाथ ने एक इंटरव्यू में मौजूदा महंगाई पर तंज कसा। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा कि प्याज हर किसी की आंखों में आंसू ला रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश में प्याज की कीमत 48 रुपए से ज्यादा हो गए हैं। एक महीने में एमपी में दाम 20 रुपए बढ़ गए हैं।

करवा चौथ से पहले सस्ता हुआ सोना! 72,500 के पास पहुंची चांदी, गहने खरीदने से पहले जानें लेटेस्ट रेट

नई दिल्ली , 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज अक्टूबर का आखिरी दिन है और कल से नवंबर की शुरुआत हो जाएगी। नवंबर में भारत में त्योहारी सीजन के तहत कई बड़े त्योहार आने वाले हैं। 1 नवंबर को सुहागिनों का प्रमुख त्योहार करवा चौथ मनाया जाएगा। ऐसे में अगर आप करवा चौथ के मौके पर अपनी पत्नी के लिए गोल्ड या सिल्वर ज्वैलरी खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो आपके लिए खुशखबरी है।

वायदा बाजार में सोना सस्ता

करवा चौथ से ठीक एक दिन पहले वायदा बाजार में सोना और चांदी दोनों सस्ते हो गए हैं। मंगलवार 31 अक्टूबर, 2023 को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। करवा चौथ के बाद लोग धनतेरस, दिवाली और भाई दूज पर भी जमकर सोने की खरीदारी करते हैं तो सोने के दाम कम होने का फायदा ले सकते हैं।

एमसीएक्स पर सोने के रेट

शुरुआती दौर में सोना जहां 61,117 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला है। इसके बाद इसकी कीमत में कुछ सुधार देखा गया है और यह कल के मुकाबले 130 रुपये यानी 0.21 फीसदी सस्ता होकर 61,150 रुपये के स्तर पर बना हुआ है। सोमवार को सोना 61,020 रुपये पर बंद हुआ था।

72,500 के स्तर पर पहुंची चांदी

सोने के अलावा चांदी में भी आज गिरावट देखी जा रही है। वायदा बाजार में चांदी 31 अक्टूबर को कल के मुकाबले 266 रुपये यानी 0.37 फीसदी सस्ती होकर 72,489 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। वहीं सोमवार को सिल्वर 72,223 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

31 अक्टूबर, 2023 को प्रमुख 10 शहरों के सोने-चांदी के रेट-

नई दिल्ली- 24 कैरेट सोना 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,300 रुपये प्रति किलोग्राम चेन्नई- 24 कैरेट सोना 62,350 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 78,200 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई- 24 कैरेट सोना 61,850 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,300 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता- 24 कैरेट सोना 61,850 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,300 रुपये प्रति किलोग्राम गाजियाबाद- 24 कैरेट सोना 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,300 रुपये प्रति किलोग्राम गुरुग्राम- 24 कैरेट सोना 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,300 रुपये प्रति किलोग्रामनोएडा- 24 कैरेट सोना 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,300 रुपये प्रति किलोग्राम जयपुर- 24 कैरेट सोना 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,300 रुपये प्रति किलोग्राम लखनऊ- 24 कैरेट सोना 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,300 रुपये प्रति किलोग्राम पटना- 24 कैरेट सोना 61,900 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 75,300 रुपये प्रति किलोग्राम

इंटरनेशनल मार्केट में क्या हैं गोल्ड-सिल्वर के दाम-

घरेलू बाजार के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के भाव में गिरावट देखी जा रही है। मेटल रिपोर्ट के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 0.08 फीसदी गिरावट के साथ 1,994.80 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी घरेलू बाजार की तरह लाल निशान पर ही कारोबार कर रही है। चांदी कल के मुकाबले 0.46 फीसदी कटौती के साथ 23.288 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है।

बैंकिंग आईटी स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, मिड कैप इंडेक्स हरे निशान में हुआ क्लोज

नई दिल्ली , 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। दो दिनों की तेजी के बाद मंगलवार के कारोबारी सत्र में मुनाफावसूली के चलते शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है. बैंकिंग, ऑटो और आईटी स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते बाजार में ये गिरावट देखने को मिली है. आज के ट्रेडिंग सेशन के खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 238 अंकों की गिरावट के साथ 63,875 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 61 अंकों की गिरावट के साथ 19,079 अंकों पर बंद हुआ है.

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में एफएमसीजी, रियल एस्टेट, मीडिया कमोडिटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में तेजी देखने को मिली है. जबति बैंकिंग, आईटी, ऑटो, फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. आज के ट्रेड में मिड कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी मिड कैप इंडेक्स तेजी के साथ बंद हुआ है जबकि स्मॉल कैप इंडेक्स लाल निशान में क्लोज हुआ है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 17 शेयर तेजी के साथ तो 13 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 25 शेयर तेजी के साथ और 25 गिरकर बंद हुए.

निवेशकों को मामूली नुकसान

आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 311.54 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सेशन में 311.56 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स के मार्केट कैपिटलाईजेशन में मामूली गिरावट आई है.

बाजार के टॉप गेनर स्टॉक्स

आज के ट्रेड में पिडीलाइट इंडस्ट्रीज के शेयर में 6.31 फीसदी, सिटी यूनियन बैंक में 3.33 फीसदी, आरईसी 3.30 फीसदी, पावर फाइनेंस 3.20 फीसदी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 3.14 फीसदी, डालमिया भारत 2.95 फीसदी, कॉलगेट 2.92 फीसदी, चंबल फर्टिलाइजर 2.43 फीसदी, डॉ लाल पैथ लैब 2.36 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि सीमेंस का शेयर 2.90 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.62 फीसदी, सन फार्मा 2.39 फीसदी, आईशर मोटर्स 1.85 फीसदी गिरकर बंद हुआ है.

रतन टाटा की बड़ी जीत, सिंगूर विवाद में बंगाल सरकार टाटा मोटर्स को देगी 766 करोड़ का मुआवजा

नई दिल्ली , 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। रतन टाटा की टाटा मोटर्स को पश्चिम बंगाल के सिंगूर जमीन विवाद में बड़ी जीत हासिल हुई है. हालांकि, इस जीत से वेस्ट बंगाल की सरकार ममता बनर्जी को तगड़ा झटका भी है. दरअसल, सिंगूर विवाद में जीत के बाद अब बंगाल सरकार टाटा मोटर्स को 766 करोड़ रुपये का मुआवजा देगी. सिंगूर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में नुकसान की भरपाई के लिए बंगाल सरकार टाटा मोटर्स को 766 करोड़ रुपये का मुआवजा देगी. मुआवजा देने का निर्देश पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम को दिया गया है. आइए आपको समझाते हैं क्या है पूरा सिंगूर मामला।

साल 2008 में टाटा मोटर्स को जमीन विवाद होने से अक्टूबर में अपने म्युफैचरिंग प्लांट को पश्चिम बंगाल के सिंगूर से गुजरात के साणंद में ट्रांसफर करना पड़ा था. हालांकि, उस समय तक टाटा मोटर्स सिंगूर में 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश कर चुकी थी. जमीन विवाद होने के चलते टाटा मोटर्स को यहां से अपना प्लांट गुजरात शिफ्ट करना पड़ा था. बता दें, गुजरात के सिंगूर प्लांट में टाटा की छोटी कार नैनो का प्रोडक्शन होना था.

टाटा मोटर्स ने दी जानकारी

टाटा मोटर्स ने शेयर बाजार को बताया कि तीन-सदस्यीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने उसके पक्ष में फैसला सुनाया है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य- तुला में	तुला.... 05-17 बजे
चंद्र- वृष में	वृश्चिक. 07-26 बजे
मंगल तुला में	धनु..... 09-40 बजे
बुध- तुला में	मकर.. 11-47 बजे
गुरु- मेष में	कुंभ... 13-37 बजे
शुक्र- सिंह में	मीन -- 15-15 बजे
शनि- कुंभ में	मेष-- 16-51 बजे
राहु- मेष में	वृष-- 18-36 बजे
केतु- तुला में	मिथुन..20-36 बजे
	कर्क... 22-48 बजे
	सिंह... 01-01 बजे
	कन्या.. 03-07 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-18 सूर्य अस्त - 17-41
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - 21 -19- तक उपरान्त पंचमी
मास - कार्तिक कृष्ण पक्ष , बुधवार 01 November
नक्षत्र - मृगशिरा - 04- 36- तक उपरान्त आर्द्रा
योग - परिघ - 14 - 05 - तक उपरान्त शिव
करण- बव - 09 -19 - तक उप- बालव
विशेष:- करक - चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार - चंद्रोदय रात्रि -20-48

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:59 से 13:26 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:18 - 07:41	शुभ	उत्पात	17:41 - 19:18	अशुभ
अमृत	07:41 - 09:08	शुभ	शुभ.	19:18 - 20:52	शुभ
काल	09:08 - 10:34	अशुभ	अमृत	20:52 - 22:26	शुभ
शुभ.	10:34 - 11:59	शुभ	चंचल	22:26 - 23:59	शुभ
रोग	11:59 - 13:26	अशुभ	रोग	23:59 - 01:34	अशुभ
उत्पात	13:26 - 14:52	अशुभ	काल	01:34 - 03:08	अशुभ
चंचल	14:52 - 16:18	शुभ	लाभ	03:08 - 04:42	शुभ
लाभ	16:18 - 17:41	शुभ	उत्पात	04:42 - 06:18	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा आप इन घटनाओ की वहज से ऐसी नौकरी छोड़ सकते है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के आज योग बन रहे है । आपको ऐसे धन की प्राप्ति हो सकती है जिसके बारे में आपने सोचना छोड़ दिया था । आज आप अपने निष्क्रिय निवेश के ऊपर भी ध्यान दे क्योकि वहा से भी आपको शुभ सन्देश मिल सकता है। अगर किसी ने आपसे उधार लिया है और जिसे आप लगभग भूल चुके है वहा से भी धन प्राप्ति का शुभ सन्देश मिल सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
ये समय महान प्रभाव के लोगो के साथ वार्तालाप करने के लिए अति उत्तम है। आप इन लोगो से जितना संवाद बढ़ा पाये बढ़ाये , क्यों की एक बेहतर जगह तक पहुँचने के लिए या अपने वर्तमान स्थिति का उन्नयन करने के लिए ये बहुत जरुरी है । आप अभी काफी दुविधा में है की ये अवसर आपकी धन वृद्धि कर सकते है की नहीं या आप उन्हें पकड़ पाएँगे की नहीं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं । आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं। आज आप अपने अच्छे काम शुरू करे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा । आप से कम प्रतिभाशाली व्यक्ति आपके समक्ष आ सकता है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज आप अपने सहयोगियों और ग्राहकों के साथ बेहतर संबंध बनायेंगे । आज कुछ ऐसा नय करने के लिए ये दिन अच्छा है , जिसमे आपके प्रभावशाली कौशल की आवश्यकता हो , हालांकि जो लोग बीमार हैं , वो लोग घर से काम शुरू कर सकते है। इससे अप्रत्याशित रूप से आपके काम की गुणवत्ता में सुधार होगा और उस समय की बचत भी होगी जो यात्रा में बर्बाद हो रहा था ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है क्यों की कोई सहकर्मी आपके करियर के विपरीत कार्य कर सकता है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज बड़ी और छोटी सफलताएं आपके कार्य क्षेत्र में दस्तख़त दे रही है । आपके द्वारा एक समय में प्रदान की गई सेवाओं के लिए आपको कुछ भुगतान प्राप्त हो सकता हैं या आपको एक अप्रत्याशित बोनस मिल सकता है। एक लंबे समय से जो पदोन्नति अटकी हुई थी वह आपको मिल सकती है या आपका पद उँचा हो सकता है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो । आपको इस अवसर का लाभ उठाना है ताकि ये मौका कही हाथ से न निकल जाये ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है। यदि आप एक व्यवसाय में हैं,।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है , लेकिन आप अपनी समझदारी से स्थिति को संभाल सकते है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपने अपने व्यक्तिगत काम में व्यस्त होने के कारण अपने पेशेवर कार्यो को कुछ समय के लिए अधर में लटका दिया था , लेकिन लोगों को कार्यस्थल पर आपकी बुरी तरह से आवश्यकता है , हालाँकि अगर आप ई-मेल पर संदेश या फोन पर जवाब न दें पाये तो इसमें कोई बुराई नहीं है । व्यय बढ़ेंगे लेकिन आपको बहुत जल्द ही कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त होने के आसार है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

विधायकों के घर क्यों जला रहे मराठा आंदोलनकारी

आरक्षण की मांग पर अबतक 13 सुसाइड, आखिर पेंच कहां अटका है

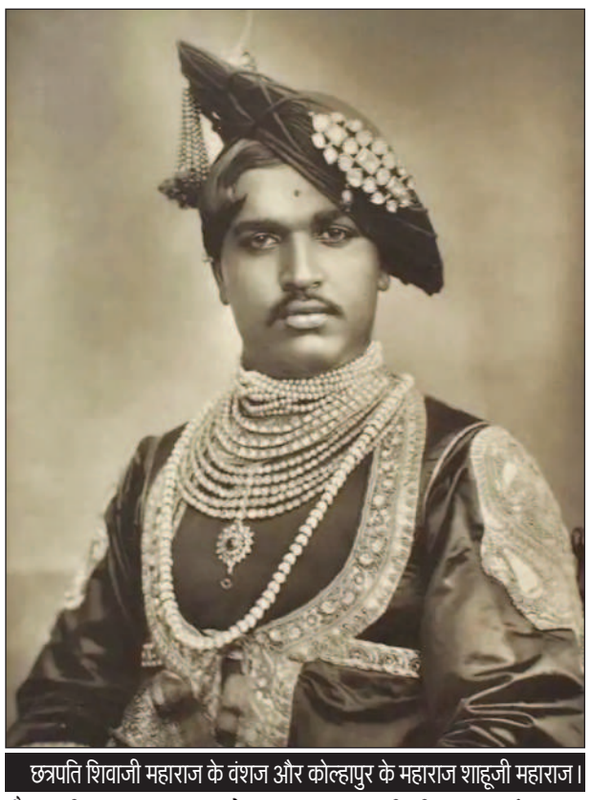

छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज और कोल्हापुर के महाराज शाहूजी महाराज।

अखिल भारतीय मराठा महासंघ के संस्थापक और मराठा आरक्षण आंदोलन के शुरुआती नेता अन्नासाहेब पाटिल।

बीड, 31 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग का मुद्दा 30 अक्टूबर को राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया, जब प्रदर्शनकारियों ने एनसीपी अजीत पवार गुट के विधायक प्रकाश सोलंके के घर और दफ्तर पर पथराव कर दिया। इस मांग को लेकर पिछले 42 सालों में 50 से ज्यादा लोगों की जान जाने का दावा किया जा रहा है। सबसे पहली मौत इस आंदोलन को शुरू करने वाले नेता अन्नासाहेब पाटिल की थी। सरकार की अनदेखी से नाराज होकर उन्होंने 1982 में खुद को गोली मार ली थी। आज जानेंगे 4 दशक पुराने मराठा आरक्षण आंदोलन की पूरी कहानी। इस मामले के राजनीतिक और कानूनी पहलुओं से समझेंगे कि आखिर पेंच कहां अटका हुआ है?

121 साल पहले पड़ी मराठा आरक्षण की नींव

26 जुलाई 1902। छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज और कोल्हापुर के महाराजा छत्रपति शाहूजी ने एक फरमान जारी किया। इसमें कहा गया कि उनके राज्य में जो भी सरकारी पद खाली हैं, उनमें 50% आरक्षण मराठा, कुनबी और अन्य पिछड़े समूहों को दिया जाए। यह एक ऐसा फैसला था जिसने आगे चलकर आरक्षण की संवैधानिक व्यवस्था करने की राह दिखाई। मराठा समुदाय भी इसे ही अपनी मांग का आधार बताता है। 1942 से 1952 तक बॉम्बे सरकार के दौरान भी मराठा समुदाय को 10 साल तक आरक्षण मिला था। इसके बाद मामला ठंडा पड़ गया।

41 साल पहले शुरू हुई मराठा आरक्षण की मांग

आजादी के बाद मराठा आरक्षण के लिए पहला संघर्ष मजदूर नेता अन्नासाहेब पाटिल ने शुरू किया। उन्होंने ही अखिल भारतीय मराठा महासंघ की स्थापना की थी। 22 मार्च 1982 को अन्नासाहेब पाटिल ने मुंबई में मराठा आरक्षण समेत अन्य 11 मांगों के साथ पहला मार्च निकाला। उन्होंने कहा था कि अगर मराठा समुदाय को आरक्षण नहीं मिला तो मैं सुसाइड कर लूंगा। इसमें हजारों लोग इकट्ठा हुए।

उस समय महाराष्ट्र में कांग्रेस (आई) सत्ता में थी और बाबासाहेब भोसले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे। विपक्षी दल के नेता शरद पवार थे। शरद पवार तब कांग्रेस (एस) पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने आश्वासन तो दिया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाए। इससे अन्नासाहेब नाराज हो गए। अगले ही दिन 23 मार्च 1982 को उन्होंने अपने सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद राजनीति शुरू हो गई। सरकारें गिरने-बनने लगीं और इस राजनीति में मराठा आरक्षण का मुद्दा ठंडा पड़ गया।

सुप्रीम कोर्ट ने मराठा आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया था?

1991 में पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने आर्थिक आधार पर सामान्य श्रेणी के लिए 10% आरक्षण देने का आदेश जारी किया था। इस पर इंदिरा साहनी ने उसे चुनौती दी थी। इस केस में नौ जजों की बेंच ने कहा था कि आरक्षित सीटों, स्थानों की संख्या कुल उपलब्ध स्थानों के 50% से अधिक नहीं होना चाहिए। संविधान में आर्थिक आधार पर आरक्षण नहीं दिया गया है। तब से यह कानून ही बन गया। राजस्थान में गुर्जर, हरियाणा में जाट, महाराष्ट्र में मराठा, गुजरात में पटेल जब भी आरक्षण मांगते तो सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला आड़े आ जाता है।

कैसे बढ़ सकता है आरक्षण 50% से ज्यादा?

मराठा आरक्षण के मसले पर जब सुनवाई चल रही थी तो मुकुल रोहतगी, कपिल सिब्बल और अन्य वकीलों ने दलील दी कि 1992 से अब तक के हालात में काफी कुछ बदलाव हो गया है। ऐसे में राज्यों को यह तय करने का अधिकार देना चाहिए। दलील दी गई कि नरेंद्र मोदी सरकार ने जब 2019 में आर्थिक आधार पर 10% आरक्षण दिया, तब संविधान में संशोधन किया गया। इसमें इंदिरा साहनी केस का फैसला आड़े नहीं आया। इससे 28 राज्यों में कुल आरक्षण की सीमा 50% से ऊपर निकल गई है। ऐसे में इंदिरा साहनी केस में सुनाए फैसले की समीक्षा होनी चाहिए। चूंकि इंदिरा साहनी केस में 9 जजों की बैंच ने फैसला सुनाया था। यदि उस फैसले को पलटना है या उसका रिव्यू करना है तो नई बेंच में नौ से ज्यादा जज होने चाहिए। इसी वजह से 11 जजों की संवैधानिक बेंच बनाने की मांग हो रही है।

क्या किसी राज्य में 50% से ज्यादा आरक्षण नहीं है?

ऐसा नहीं है। केंद्र ने संविधान में संशोधन कर आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया। उससे पहले से ही तमिलनाडु में सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा में 69% आरक्षण दिया था। सुप्रीम कोर्ट में जब मामला गया तो तमिलनाडु ने कहा था कि राज्य की 87% आबादी पिछड़े तबकों से है। हरियाणा विधानसभा में जाटों के साथ-साथ नौ अन्य समुदायों को 10% आरक्षण दिया गया था। इससे राज्य में कुल आरक्षण 67% हो गया था। सुप्रीम कोर्ट के मराठा आरक्षण रद्द करने से पहले तक महाराष्ट्र 65% के साथ सूची में तीसरे नंबर पर था। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में 62, 55 और 54 प्रतिशत आरक्षण है। इस तरह सात राज्यों में 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण आर्थिक आधार पर 10% आरक्षण देने के पहले से लागू था। वहीं, 10 राज्यों में 30 से 50% तक आरक्षण लागू था।

अभी क्या हलचल है?

निजाम युग में मराठवाड़ा क्षेत्र में मराठों को कुनबी माना जाता था और वे ओबीसी श्रेणी में थे। हालांकि, जब यह क्षेत्र महाराष्ट्र में शामिल हो गया तो उन्होंने यह दर्जा खो दिया। मराठा कोटा नेता मनोज जारांगे-पाटिल जैसे कार्यकर्ता मांग कर रहे हैं कि मराठों को फिर से कुनबी के रूप में वर्गीकृत किया जाए, जिससे वे ओबीसी आरक्षण के लिए पात्र बन जाएं। अगस्त में जारांगे-पाटिल ने अपने गांव अंतरवाली सारथी में विरोध प्रदर्शन और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। 1 सितंबर को विरोध हिंसक हो गया और सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा।

मुख्यमंत्री शिंदे ने घोषणा की कि कैबिनेट ने मराठवाड़ा के मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने का संकल्प लिया है। इसके लिए पैनल ने दो महीने की मांग की। जारांगे पाटिल ने 14 अक्टूबर को जालना जिले में एक विशाल रैली में कहा कि 24 अक्टूबर के बाद या तो मेरा अंतिम संस्कार जुलूस होगा या समुदाय की जीत का जश्न होगा। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने मराठा समुदाय को आरक्षण देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए सभी प्रमुख मराठी समाचार पत्रों में प्रमुख विज्ञापन चलाए। विज्ञापनों में वह सब कुछ है जो सरकार ने मराठों के लिए अब तक किया है।

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जारंगे जालना के अंतरौली में 6 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। शिंदे ने कहा- मनोज जरांगे से मेरी अपील है कि वे हमें थोड़ा समय दें। सरकार को उनकी तबीयत की चिंता है। उनसे अपील है कि वो दवा-पानी लें। इस बीच, राज्य में 11 दिनों में 13 लोग सुसाइड कर चुके हैं।

एमएलए चिंतामणि महाराज की भाजपा में होगी वापसी

ओम माथुर रायपुर से अंबिकापुर रवाना, कराएंगे भाजपा प्रवेश, टिकट कटने पर कांग्रेस से की बगावत

सरगुजा, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। टिकट कटने से बागी हुए सामरी कांग्रेस विधायक चिंतामणि महाराज मंगलवार को बीजेपी में शामिल होंगे। उन्हें भाजपा में प्रवेश दिलाने के लिए प्रदेश प्रभारी ओम माथुर रायपुर से रवाना हो गए हैं। वे विमान से दरिमा पहुंचेंगे। चिंतामणि महाराज अपने समर्थकों के साथ अंबिकापुर के राजमोहनी भवन में भाजपा प्रवेश करेंगे।

दरअसल कांग्रेस ने सामरी से विधायक चिंतामणी महाराज की जगह विजय पैकरा को प्रत्याशी बनाया है। तब से चिंतामणी महाराज के तेवर बगावती हैं। वे लगातार भाजपा के संपर्क में थे। पहले चिंतामणि महाराज ने भाजपा में शामिल होने के लिए अंबिकापुर से प्रत्याशी बनाए जाने की शर्त रखी थी। दो दिन पहले भाजपा के हेलीकाप्टर से आए थे चिंतामणि

रविवार को बृजमोहन अग्रवाल हेलीकॉप्टर से कुसमी और श्रीकोट पहुंचे थे। तब चिंतामणि महाराज भी भाजपा के हेलीकॉप्टर से रायपुर से कुसमी आए थे। यहां भाजपा के नेताओं ने उनका स्वागत किया था। दो दिन पहले तक चिंतामणि महाराज ने यह स्पष्ट नहीं किया था कि वे भाजपा में जा रहे हैं। भाजपा ने चिंतामणि को अंबिकापुर से भाजपा प्रत्याशी बनाने की शर्त को दरकिनार कर दिया। अंबिकापुर से राजेश अग्रवाल को डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के खिलाफ प्रत्याशी घोषित कर दिया। चिंतामणि के भाजपा प्रवेश की अटकलें इसके बाद भी थी। चिंतामणि ने खुद खुलासा किया था कि भाजपा उन्हें सरगुजा से सांसद का टिकट देने तैयार है। चिंतामणि महाराज करीब 11 साल पहले भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। 2013 में उन्हें कांग्रेस ने लुंड्रा से टिकट दिया था और वे विधायक बने। फिर 2018 में चिंतामणि महाराज को कांग्रेस ने सामरी से प्रत्याशी बनाया और वे दूसरी बार विधायक चुने गए। रमन सरकार के पहले कार्यकाल में चिंतामणि महाराज 2004 से 2008 तक राज्य संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष रहे। भाजपा से उपेक्षित होने पर उन्होंने 2008 में सामरी विधानसभा से ही निर्दलीय चुनाव लड़ा, जिसमें हार गए थे। चिंतामणी महाराज के भाजपा प्रवेश की खबरों के बीच डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने भी चिंतामणि महाराज को फोन किया था।

रघुवर दास ने ओड़िशा के राज्यपाल पद की शपथ ली

चीफ जस्टिस डॉ जस्टिस विद्युत रंजन षाड़ंगी ने दिलाई शपथ, झारखंड के कई नेता हुए शामिल

रांची, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के सीएम रह चुके रघुवर दास ने ओडिशा के राज्यपाल पद की आज शपथ ली। उन्हें ओडिशा उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस डॉ जस्टिस विद्युत रंजन षाड़ंगी ने पद-गोपनियता की शपथ दिलाई। राजभवन में रघुवर दास का सूबे के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने स्वागत किया। इससे पहले रघुवर दास मंगलवार को ओडिशा पहुंचे। जहां उन्होंने पुरी धाम में जगन्नाथ स्वामी का दर्शन पूजन किया। उन्होंने महाप्रभु से सभी के कल्याण की कामना की। इसके बाद मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं से मुलाकात की।

ओडिशा राजभवन में आयोजित शपथग्रहण समारोह में झारखंड के कई नेता शामिल हुए हैं। इनमें बोकारो विधायक विरंची नारायण, गंगोत्री कुजूर, झारखंड विधानसभा के पूर्व स्पीकर डॉ दिनेश उरांव शामिल हुए। ओडिशा रवाना होने से पूर्व झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से नई दिल्ली में मुलाकात कर उन्होंने अपना त्यागपत्र सौंपा। दिल्ली में उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष से भी शिष्टाचार मुलाकात की। इससे पहले दिन में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से शिष्टाचार मुलाकात की थी। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास को ओड़िशा राज्य का राज्यपाल बनाए जाने की अधिसूचना 18 अक्टूबर को जारी हुई है। पूर्व सीएम रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल बनाया जाना लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा निर्णय माना जा रहा है। वे ओडिशा के राज्यपाल दास गणेशी लाल की जगह लेंगे। उन्होंने जमशेदपुर के टाटा स्टील में एक मजदूर नेता के रूप में अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था। रघुवर दास 1995 से राजनीति में सक्रिय रहे हैं। झारखंड के सीएम रह चुके रघुवर दास मूल रूप से छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। उनका जन्म तीन मई, 1955 को हुआ है। उनका जन्मस्थान राजनंदगांव है। इनकी शिक्षा-दीक्षा जमशेदपुर से हुई है। रघुवर दास जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज से लॉ ग्रेजुएट हैं। उन्होंने जमशेदपुर के टाटा स्टील में एक मजदूर नेता के रूप में अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था। रघुवर दास 1995 से राजनीति में सक्रिय रहे हैं। रघुवर दास के दो बच्चे हैं। एक बेटा और एक बेटी दोनों की शादी हो चुकी है और बच्चे भी हैं। रघुवर दास दादा और नाना दोनों हैं। पारिवारिक जिम्मेदारी के साथ- साथ रघुवर दास राजनीतिक जिम्मेदारी भी अच्छी तरह निभाते रहे हैं।

आईएएस पूजा सिंघल को नहीं मिली राहत

जेल में बीतेगी दिवाली, दो दिसंबर को फिर सुनवाई

रांची, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मनी लांड्रिंग मामले में जेल में दिन गुजार रहीं झारखंड की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में नियमित याचिका दायर कर रखी है। आज इस याचिका पर सुनवाई हुई, लेकिन अदालत ने किसी तरह की राहत नहीं दी है। ऐसे में उनकी दिवाली जेल में ही बितने वाली है।

पूजा सिंघल की ओर से अधिवक्ता अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने पक्ष रखा। अदालत से उन्होंने गुजारिश की कि पूजा सिंघल को जमानत दी जाए। उनकी इस गुजारिश का असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने विरोध किया। वे अदालत में ईडी का पक्ष रख रहे थे। आज की सुनवाई जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने की। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए दो दिसंबर की तारीख तय की है।

ईडी पूजा सिंघल के जमानत का कर चुकी है विरोध

सुप्रीम कोर्ट में पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर पिछली सुनवाई 25 सितंबर को हुई थी। तब सुनवाई के दौरान ईडी ने जमानत का विरोध किया था। अदालत को बताया गया कि पूजा सिंघल के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। उनके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य भी मौजूद हैं। जेल से बाहर निकलने के बाद इस मामले को वह प्रभावित कर सकती हैं। जबकि पूजा सिंघल की ओर से कहा गया कि मामले में आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है।

जांच में सहयोग की कह चुकी है बात

पिछली सुनवाई में ही निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल ने अदालत से कहा कि ईडी की ओर से अब तक जो भी जांच किए गए हैं उस जांच में उन्होंने पूरा सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि आगे जब भी जरूरत पड़ेगी वह सहयोग करेंगी। वह 11 मई 2022 से वह जेल में है। उनका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता है। ऐसे में उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। इसके बाद अदालत ने याचिका पर विस्तृत सुनवाई के लिए आज की तारीख दी थी।

पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर भाई-बहन की मौत

रायगढ़, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले के घरघोड़ा इलाके में पिकअप की टक्कर से बाइक सवार भाई-बहन की मौत हो गई। जबकि दो बच्चे घायल हो गए जिनका इलाज जारी है। सुखदार सिदार बहन लक्ष्मी सिदार और उनके दो बच्चों को लेकर बैहामुड़ा से कठरापाली जा रहा था। तभी कोगनारा के पास लैलूंगा की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें चपेट में ले लिया। सुखदार की मौके पर मौत हो गई। महिला ने अस्पताल ले जाते वक्त दम तोड़ा। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। वहीं बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। काफी देर तक घटनास्थल पर घायल तड़पते रहे।

पिकअप पलटने के बाद चालक भी नीचे दब गया था। जिससे उसके पैर में भी चोटें आई है। जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला के दो बच्चों में एक को गंभीर चोटें आने से उन्हें भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीआरपीएफ ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत सरकार गृह मंत्रालय एवं सीआरपीएफ मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए लखनऊ के गोमती नगर स्थित मध्य सेक्टर सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण में 31 अक्टूबर 2023 को प्रातः 10.30 बजे सतपाल रावत महानिरीक्षक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। इस समारोह में ज्ञानेन्द्र कुमार, उप महानिरीक्षक, एच.के.कनौजिया, उप महानिरीक्षक, सुनील कुमार, उप महानिरीक्षक तथा अन्य राजपत्रित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं अन्य रैंक के जवानों ने इसमें भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों और जवानों ने शपथ ग्रहण किया कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करेंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव हुए देश की एकता को बनाए रखने तथा इसकी आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान सत्यनिष्ठा से करने का भी संकल्प लिया गया सतपाल रावत महानिरीक्षक ने बताया कि सरदार पटेल की यह परिकल्पना थी कि देश तब तक शक्तिशाली राष्ट्र नहीं बन सकता, जब तक उस देश की सभी क्षेत्रों का सामूहिक प्रयास सही से न किया जाए। इसी परिकल्पना पर कार्य करते हुए सरदार पटेल ने आजादी के समय रियासतों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसमें सरदार पटेल ने 562 रियासतों में से लगभग 530 रियासतों को एकजुट किया। सरदार पटेल द्वारा दिखाये गये एकजुटता के मार्गदर्शन को प्रोत्साहित किए जाने हेतु केन्द्रीय सरकार द्वारा वर्ष 2014 से प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2018 में केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत के लौहपुरूष की विश्व में सबसे ऊँची प्रतिमा का अनावरण केवड़िया, गुजरात में किया गया। उन्होंने आगे बताया कि प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनायी जाती है। यह अवसर हमें राष्ट्र की सुरक्षा, एकता और अखंडता को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने का एक उत्तम अवसर प्रदान करता है। रावत ने यह भी बताया कि इस वर्ष हम सभी देशवासी देश की आजादी के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने के लिए 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान भी चला रहे है। राष्ट्रीय एकता दिवस के प्रति आम जनता में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रातः 07.00 बजे लखनऊ के गोमती नगर स्थित मध्य सेक्टर सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण से कमता चौराहा तक एवं वापसी रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन किया गया। इस रैली में सुनील कुमार, उप महानिरीक्षक के नेतृत्व में भारी संख्या में सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों ने हिस्सा लिया।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विशेष पुरस्कार का किया ऐलान

रांची, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के 7 आईपीएस अधिकारियों समेत कुल 16 पुलिसकर्मियों का नाम पदक के लिए चयन हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर वर्ष 2023 के लिए 'केंद्रीय गृह मंत्री विशिष्ट अभियान पदक' का ऐलान कर दिया है। इस साल इस सूची में संजय आनंद लाटकर, आईजी होमकर अमोल विनुकांत, राज कुमार लकड़ा, डीआईजी अनूप बरथरे, एसपी शिवानी तिवारी, अंजनी अंजन, अंजनी कुमार झा सहित कई इंस्पेक्टर रैंक के पुलिस अधिकारी और कॉस्टबेल के नाम को शामिल किया गया है।

इस पदक की शुरुआत 23 जुलाई, 2018 को हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 'केंद्रीय गृह मंत्री का विशेष अभियान पदक' का ऐलान किया था।

दोपहिया वाहनों की हुई जोरदार टक्कर

हजारीबाग, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले में दो दोपहिया वाहनों की टक्कर के बाद एक ट्रक की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत हो गई। कटकमदाग थाना प्रभारी डीके प्रजापति ने बताया कि उदरनापुर इलाके के पास बड़कागांव-हजारीबाग मार्ग पर सोमवार शाम को यह हादसा उस समय हुआ जब एक दोपहिया वाहन की सामने से आ रही मोटरसाइकिल से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों महिलाएं सड़क पर गिर गईं और ट्रक की चपेट में आ गईं। अधिकारी ने बताया कि निजी स्कूल की 27 वर्षीय शिक्षिका शिला अंजलि हेम्ब्रम और उसकी दोस्त राजकुमारी मरांडी दोपहिया वाहन से अपने घर जा रही थीं।

तालिबान को बड़ा झटका देने जा रहा पाकिस्तान

आज से अफगानियों को देश से करेगा बाहर

इस्लामाबाद, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के 17 लाख नागरिकों समेत सभी अवैध प्रवासियों के पाकिस्तान छोड़कर जाने की समयसीमा नजदीक आने पर अंतरिम गृह मंत्री सरफराज बुगती ने सोमवार को कहा कि अगर ये परदेसी खुद देश छोड़कर नहीं जाते हैं तो कार्यवाहक सरकार उन्हें चरणबद्ध तरीके से निकालना शुरू करेगी। पाकिस्तान ने इस महीने अवैध प्रवासियों के देश छोड़कर जाने के लिए 31 अक्टूबर की समयसीमा की घोषणा की थी। पाकिस्तान इसके लिए अफगानिस्तान से आए लोगों को टार्गेट कर रहा है। सबसे ज्यादा अवैध प्रवासी पाकिस्तान में अफगानिस्तान से आए हैं, जिनकी संख्या 17 लाख है।

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने बुगती के हवाले से कहा, 'एक नवंबर के बाद सरकार परदेसियों को चरणबद्ध तरीके से निकालने का अपना अभियान शुरू करेगी।' बुगती ने पुष्टि की है कि पिछले तीन दिन में 20,000 से अधिक अवैध विदेशी पाकिस्तान छोड़कर चले गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रांतीय सरकारें अवैध विदेशियों के खिलाफ अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा, 'मंडल और जिला स्तर पर समितियों का गठन किया गया है।'

इस तरह से निकाला जाएगा बाहर

अंतरिम गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि अवैध विदेशी नागरिकों को चरणबद्ध तरीके से निकाला जाएगा और पहले चरण में उन लोगों को उनके देश भेजा जाएगा जिनके पास कोई यात्रा दस्तावेज नहीं है। अवैध प्रवासियों को सरकार की ओर से बनाए गए अस्थायी केंद्रों में ले जाया जाएगा। इनमें से कई प्रवासी सालों से पाकिस्तान में रह रहे हैं। बुगती ने कहा, 'सरकार ने भू-मानचित्रण (जियो मैपिंग) का काम पूरा कर लिया है और जहां कहीं भी अवैध विदेशी नागरिक होंगे, उनका पता लगा लिया जाएगा।'

अफगानियों को निकलाने की तैयारी

उन्होंने बताया कि समयसीमा खत्म होने के बाद अवैध प्रवासियों को रखने के लिए केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने अवैध प्रवासियों की सुरक्षा के बारे में एक सवाल पर कहा, 'इन केंद्रों पर अवैध विदेशी नागरिकों को सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया करायी जाएंगी।' विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने सोमवार को कहा कि प्रत्यर्पण योजना पाकिस्तान में रह रहे 'सभी अवैध विदेशियों पर लागू होती है, चाहे उनकी कोई भी नागरिकता हो।' हालांकि पाकिस्तान में सबसे बड़ी अवैध प्रवासियों की संख्या अफगानिस्तानियों की है। पाकिस्तान में हाल के दिनों में बम धमाकों के बाद ये फैसला लिया गया।

'प्रस्ताव में गहरी खामियां थीं'

गाजा संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्टैंड पर बोले नेतन्याहू

तेल अवीव, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच चल रहा 25वें दिन में प्रवेश कर गया है। इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 'मानवीय संघर्ष विराम' के प्रस्ताव को अत्यधिक त्रुटिपूर्ण बताया है। संयुक्त राष्ट्र में मतदान में भारत के अनुपस्थित रहने के बारे में पूछे जाने पर नेतन्याहू ने जवाब देते हुए कहा, मुझे लगता है कि उस प्रस्ताव में गहरी खामियां थीं और मुझे यह कहते हुए खेद है कि हमारे कई दोस्तों ने भी ऐसा नहीं (हमास के हमलों की निंदा) किया। हमने उनसे आग्रह किया है कि इसमें कोई खामी हो सकती है। यहां हुई भयावहता (इजराइल पर हमास का हमला) की कड़ी निंदा की जा सकती थी। यह ऐसी भयावहता है कि जिसे आपका देश या कोई भी अन्य बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि हम इस प्रकार के किसी भी संकल्प की पुनरावृत्ति नहीं देखेंगे।

गाजा में जारी लड़ाई के बीच चीन ने नक्शे से ही हटाया इजराइल का नाम!

हंगामे के बाद भी नहीं बताई वजह

बीजिंग, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में इजराइल के हमले तेज हो रहे हैं और इस बीच खबर आई है कि चीन ने अपने ऑनलाइन नक्शे से इजराइल देश का नाम ही हटा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन की कंपनियों बाइडु और अलीबाब के ऑनलाइन नक्शों से इजराइल का नाम गायब है। बाइडु के नक्शे में इजराइल और फलस्तीन की सीमाओं को दिखाया गया है लेकिन नक्शे से दोनों का नाम नदारद है।

चीन के नक्शे पर उठे सवाल

रिपोर्ट्स के अनुसार, चीनी भाषा वाले इन नक्शों में लक्जमबर्ग जैसे छोटे देश का नाम है लेकिन इजराइल जैसे अहम देश का नाम ना होना, कई सवाल खड़े कर रहा है। अलीबाबा या बाइडु दोनों ही कंपनियों ने अभी तक इस मसले

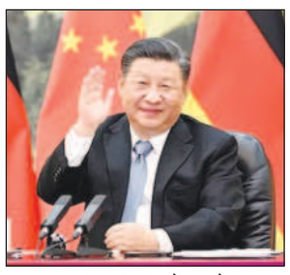

पर सफाई नहीं दी है। गौरतलब है कि इजराइल हमास के युद्ध में चीन की सरकार ने जो बयान जारी किया था, उसमें हमास के हमले की निंदा नहीं की गई थी और फलस्तीन का समर्थन किया गया था। इसे लेकर चीन को आलोचना भी झेलनी पड़ी थी। बाद में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इजराइली समकक्ष एली कोहेने के साथ हुई बातचीत में माना कि इजराइल को अपनी सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है। साथ ही चीन ने सीजफायर करने की मांग की।

चीन की सरकार ने नहीं दी है कोई सफाई

चीन के लोग भी दोनों कंपनियों के इस कदम से हैरान हैं। हालांकि यह साफ नहीं है कि चीन के नक्शों से इजराइल का नाम पहले से ही गायब था या फिर 7 अक्टूबर के बाद शुरू हुए युद्ध के बाद हटाया गया है। चीन की सरकार अक्सर अपने देश के नक्शों को लेकर काफी हंगामा करती है। यहां तक की विभिन्न होटल वेबसाइट्स द्वारा अगर चीन के नक्शे में दक्षिण चीन सागर को भी विवादित दिखाया जाता है तो उस पर चीन की सरकार कड़ी आपत्ति जताती है। वहीं चीन के नक्शे में एक पूरे देश इजराइल को ही गायब कर दिया गया है लेकिन अभी तक चीन की सरकार ने इस पर कोई सफाई नहीं दी है।

अमेरिका बनाने जा रहा है बेहद खतरनाक परमाणु बम

हिरोशिमा पर गिराए बम से 24 गुना ज्यादा ताकतवर होगा

वॉशिंगटन, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने एक नया परमाणु बम बनाने की तैयारी कर रहा है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, नया बम जापान के हिरोशिमा पर गिराए गए बम से 24 गुना ज्यादा ताकतवर होगा। अमेरिका के रक्षा विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पेंटागन ने नए बम की मंजूरी और फंडिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नया बम बी61 न्यूक्लियर ग्रैविटी बम का आधुनिक संस्करण होगा, जिसे बी61-13 नाम दिया गया है।

अमेरिकी सरकार ने कही ये बात

अमेरिका की अंतरिक्ष रक्षा नीति के उपसचिव जॉन प्लम्ब ने बयान में कहा है कि 'बदलते सुरक्षा माहौल और विरोधियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए आज की घोषणा की गई है। अमेरिका के पास जिम्मेदारी है कि हम हालात की समीक्षा करते रहें और संभावित खतरे को रोकें और अगर जरूरत पड़े तो जवाबी कार्रवाई में हमला कर अपने सहयोगियों को आश्वस्त करें।'

बढ़ा होगा नया बम

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, नए परमाणु बम का वजन 360 किलोटन होगा, जो कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान के हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से 24 गुना बड़ा होगा। हिरोशिमा में जो बम गिराया गया था उसका वजन 15 किलो टन था। वहीं जापान के नागासाकी में गिराए गए बम से नया बम 14 गुना बड़ा होगा। नागासाकी में गिराया गया बम 25 किलोटन का था। साथ ही नए बम में आधुनिक सुरक्षा, सटीकता भी बेहतर होगी।

हाल ही में नेवादा के परमाणु स्थल पर अमेरिका ने किया है परीक्षण

अमेरिका का नया परमाणु बम बनाने का यह एलान ऐसे वक्त आया है, जब हाल ही में अमेरिका ने नेवादा की न्यूक्लियर साइट पर एक बड़े बम विस्फोट का परीक्षण किया है। वहीं रूस भी 1966 की उस संधि से बाहर आ गया है, जिसके तहत दुनियाभर में परमाणु बम के परीक्षण पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। बताया जा रहा है कि नया बम पुराने बी61-7 बम की जगह लेगा, जिसके चलते अमेरिका के परमाणु हथियारों की संख्या में वृद्धि नहीं होगी बल्कि पहले से मौजूद जखीरा ज्यादा खतरनाक हो जाएगा।

हमास ने नागरिकों को मरने के लिए छोड़ा!

बोला- सुरंगें सिर्फ लड़ाकों के लिए, आम लोग इजराइल-यूएन की जिम्मेदारी

यरुशलम, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास के बीच संघर्ष तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी है। इसमें अभी तक साढ़े नौ हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। फिर भी युद्ध थमता नहीं दिखाई दे रहा है। एक तरफ इजराइल ने आतंकियों को चुन-चुनकर खत्म करने की कसम खा ली है। वहीं दूसरी ओर, हमास भी हार नहीं मान रहा है। उसने सुरंगें खोदना शुरू कर दिया है। हालांकि, यह सुरंगें नागरिकों के लिए नहीं बल्कि लड़ाकों की रक्षा के लिए हैं। यह कहना है हमास के सदस्य मूसा अबू मरजौक का।

सुरंगों के अलावा और कोई विकल्प नहीं

एक रिपोर्ट के अनुसार, मूसा अबू मरजौक ने एक इंटरव्यू में कहा कि नागरिकों की रक्षा करना संयुक्त राष्ट्र और इजराइल की जिम्मेदारी है। गाजा में भूमिगत सुरंगें लड़ाकों की रक्षा के लिए हैं। लड़ाकों के पास सुरंगों से लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

जिनेवा संधि का हवाला

उसने जिनेवा संधि का हवाला

देते हुए कहा, 'यह संयुक्त राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि जब तक नागरिक कब्जे में हैं, उन्हें सभी सेवाएं मुहैया कराए। हमने खुद को हमलों से बचाने के लिए सुरंगों को तैयार किया है। ये हमें हवाई हमलों से बचाने के लिए हैं।'

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार अब तक 8,300 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें से 3,457 बच्चे थे।

इजराइली वायु सेना और जमीनी सेना ने गाजा पट्टी में अभियान और तेज कर दिया है। इसके अलावा, इजराइल ने गाजा में इंटरनेट और मोबाइल फोन सेवाओं को भी निलंबित कर दिया है, जिससे अब गाजा के लोगों का बाहरी दुनिया से संपर्क टूट गया है। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली सेना ने बमबारी की। इजराइली थल सेना गाजा पट्टी में अभियान का विस्तार कर रही है। हमास का कहना है कि उसके लड़ाके अलग-अलग क्षेत्रों में इजराइली सैनिकों का सामना कर रहे हैं।

हमास ने बंधकों का वीडियो रिलीज किया

यरूशलम, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग का आज 24वां दिन है। इस बीच हमास ने बंधकों का एक वीडियो जारी किया है। 76 सेकेंड के वीडियो में तीन इजराइली महिलाएं दिख रही हैं। इसमें एक महिला कह रही है- इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लोगों की सुरक्षा करने में नाकाम रहे। उसने रिहाई के लिए प्रिजनर स्वैप का प्रपोजल मानने की अपील की है। हमास ने 200-250 लोगों को बंधक बनाया है। अब तक सिर्फ 4 बंधक आजाद किए गए हैं। वहीं, हमास के जारी किए गए वीडियो को इजराइल ने प्रोपेगैंडा बताया है। सरकार का कहना है- हम बंधकों को वापस लाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

फिलिस्तीनियों को फोन पर गाजा छोड़ने की चेतावनी

अल जजीरा की रिपोर्टर ने बताया कि गाजा सिटी में रह रहे लोगों को फोन पर शहर खाली करने की चेतावनी दी जा रही है। पत्रकार युम्ना अल सईद ने कहा- मेरे परिवार को इजराइली सेना की तरफ से एक फोन आया। इसमें कहा गया कि फौरन गाजा छोड़ दें। इसके पहले सेना ने आसमान से पर्चे गिराए थे। इन पर लिखा था- हमास के हमलों की वजह से इजराइली सेना जवाब दे रही है। जिन इमारतों में हमास काम कर रहा है, उन्हें तबाह कर दिया जाएगा। 7 अक्टूबर को हमास लड़ाके एक जर्मन-इजराइली लड़की को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे। उसकी मौत हो गई है। इजराइली राष्ट्रपति इजाक हर्जोग ने इसकी जानकारी दी। शानी लोउक को म्यूजिक फेस्टिवल से बंधक बनाया गया था। मौत की वजह फिलहाल नहीं बताई गई है।

वहीं, लेबनान के इंटेलिजेंस चीफ ने बेरूत में हमास मेंबर्स से मुलाकात की है। इस दौरान जंग को लेकर चर्चा हुई। दरअसल, 8 अक्टूबर से लेबनान का आतंकी संगठन हिजबुल्लाह लगातार इजराइल पर हमला कर रहा है। ऐसे में इजराइल-लेबनान जंग का खतरा बढ़ रहा है।

माउंट एवरेस्ट से 11 गुना ज्यादा धूल

धरती के राजा डायनासोर कैसे खत्म हुए? वैज्ञानिकों का नया खुलासा

ब्रसेल्स, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। धरती से डायनासोर कैसे खत्म हुए इस पर वैज्ञानिकों ने एक नया खुलासा किया है। वैज्ञानिकों ने उस वजह को खोजा है, जिससे करीब 66 मिलियन साल पहले डायनासोर विलुप्त हो गए। बेल्जियम की रॉयल ऑब्जर्वेटरी के नेतृत्व वाली वैज्ञानिकों की टीम की नई स्टडी सोमवार को सामने आई है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि डायनासोर के धरती से खत्म हो जाने की वजह एस्टेरॉयड प्रभाव नहीं था। बल्कि 66 मिलियन यानी करीब साढ़े 6 करोड़ साल पहले डायनासोरों को मार डालने में चट्टानों से निकले मलबे और धूल ने अहम भूमिका निभाई थी। वैज्ञानिकों की स्टडी कहती है कि एक बड़े चट्टान के टूटने और इससे बिखरी धूल ने वायुमंडल में भारी अंधेरा कर दिया। धूप जमीन तक नहीं पहुंची और

सब पौधे सूखने लगे। इस धूल की मात्रा करीब 2,000 गीगाटन थी। यानी ये धूल माउंट एवरेस्ट के वजन से 11 गुना ज्यादा थी जिसने धरती और आसमान के बीच एक दीवार जैसी बना दी थी। 15 साल तक ये वायुमंडल में मौजूद रही। धरती तक धूप नहीं आने की वजह से दुनिया भर में न्यूक्लियर विंटर आ गया। इसके नतीजे में तमाम पेड़ पौधे नष्ट हो गए। ऐसे में वो तमाम जानवर जो शाकाहारी थे, मरने लगे। शाकाहारी डायनासोर भी इस घटना में मरने लगे। डायनासोर ही नहीं, इन 15 सालों में जीवित प्राणियों में से 75 प्रतिशत धरती से गायब हो गए। 1978 में चिक्सुलब क्रेटर की खोज के बाद से वैज्ञानिक डायनासोर के विलुप्त होने के रहस्य को सुलझाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। एक बड़े एस्टेरॉयड के गिरने से डायनासोर के विलुप्त होने का दावा किया जाता रहा है।

चीनी महिलाएं करें शादी

शी जिनपिंग ने यूं ही नहीं लगाई गुहार महासंकट में फंसी 'दुनिया की फैक्ट्री'

बीजिंग, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की फैक्ट्री कहे जाने वाले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि देश में 'परिवार का नया ट्रेंड' स्थापित करने में चीनी महिलाओं की अहम भूमिका है। चीन के राष्ट्रपति ने देश की महिलाओं से यह अपील ऐसे समय पर की है जब चीन दो तरफा संकट से जूझ रहा है। चीन जहां बूढ़ी होती आबादी से परेशान है, वहीं बच्चे पैदा करने की दर में भी भारी गिरावट आई है। यही नहीं चीन में महिलाएं अब शादी करने से भी बच रही हैं। इससे चीनी राष्ट्रपति टेंशन में आ गए हैं और उन्हें महिलाओं से अपील करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

चीनी राष्ट्रपति ने सोमवार को ऑल चाइना वूमेन फेडरेशन की बैठक में यह बयान दिया। यह फेडरेशन चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के अंतर्गत काम करता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के क्षेत्र में अच्छा करने का संबंध न केवल महिलाओं के अपने विकास से जुड़ा है, बल्कि पारिवारिक सद्भाव, सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय वकिास और राष्ट्रीय प्रगति से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि शादी की नई संस्कृति और बच्चे पैदा करने को बढ़ावा दिया जाए बल्कि युवाओं की शादी, बच्चे पैदा करने और परिवार को बढ़ाने के प्रति सोच को मजबूत करना होगा।

चीन में क्यों कम पैदा हो रहे हैं बच्चे ?

चीनी राष्ट्रपति ने यह गुहार ऐसे समय पर लगाई है जब दुनिया की फैक्ट्री कहे जाने वाला चीन चौतरफा संकटों से जूझ रहा है। चीन में बच्चों को पालने में बढ़ रहे खर्च, कैरियर में आ रही बाधाएं, लैंगिक भेदभाव और शादी नहीं करने की बढ़ती प्रवृत्ति ने चीनी महिलाओं के अंदर बच्चे पैदा नहीं करने की भावना को पैदा किया है। चीन में बच्चे कतिने पैदा होंगे, यह शादियों की दर से बहुत नजदीकी से जुड़ा हुआ है। चीन में ऐसी आधिकारिक नीति है कि अकेली महिला के बच्चे हों।

हमास ने जिस महिला को नग्न कर घुमाया था, उसकी मौत

तेल अवीव, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। जर्मन-इजराइली लड़की शानी लौक को बीती 7 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने बंधक बना लिया था। इसके बाद शानी लौक की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसमें हमास के आतंकी शानी लौक की गाजा पट्टी में नग्न परेड कराते दिखे। अब खबर आई है कि इस्राइली सेना ने गाजा से शानी लौक का शव बरामद किया है। इस्राइल की सरकार ने भी इसकी पुष्टि की है। शानी लौक की बहन अदि लौक ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर शानी की मौत की पुष्टि की है। बता दें कि 23 वर्षीय शानी बीती 7 अक्तूबर को गाजा सीमा के नजदीक आयोजित हुए सुपरनोवा म्यूजिक फेस्टिवल में हिस्सा लेने गई हुई थी। उसी दौरान हमास के आतंकियों ने म्यूजिक फेस्टिवल पर हमला कर दिया और कई इजराइलियों को बंधक बना लिया। शानी भी बंधक बनाए गए लोगों में शामिल थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें हमास के आतंकी एक नग्न लड़की को गाजा पट्टी के इलाके में गाड़ी में लिटाकर परेड कराते दिखे। इस दौरान शानी बेहोश थी। शानी के टैटू और बालों की मदद से शानी की पहचान हुई। इसके बाद शानी की मां रिकार्डा लौक ने जर्मनी और इजराइली सरकार से उनकी बेटी को बचाने की अपील करते हुए वीडियो भी जारी किया था। अब इजराइली सेना ने गाजा से शानी का शव बरामद किया है। इजराइल सरकार ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'शानी का शव बरामद हुआ है और उसकी पहचान कर ली गई है। शानी को हमास के आतंकियों द्वारा म्यूजिक फेस्टिवल से अगवा किया गया और प्रताड़ित कर गाजा में परेड कराई गई। यह भयावह है। हमारा दिल टूट गया है।' जर्मन मीडिया के अनुसार, जब हमास के आतंकियों ने शानी को अगवा किया तो उसने भागने की कोशिश की। इसके बाद हमास के आतंकी उसे गाजा ले गए और वहां उसे प्रताड़ित किया गया। बता दें कि हमास के आतंकियों ने बीती 7 अक्तूबर को इजराइल की सीमा में घुसकर 1400 इजराइली लोगों को मौत के घाट उतार दिया था और 200 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया था।

इजराइल हमले पर दावा- यह हमास-ईरान की साजिश

एक साल में 4 बार ईरानी अफसरों से मिले हमास मेंबर्स, फोन पर भी बातें हुईं

तेल अवीव/तेहरान, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमास के हमले अचानक नहीं हुए। इसके लिए एक साल तक हमास और ईरान ने मिलकर साजिश रची। अब धीरे-धीरे इस साजिश का खुलासा हो रहा है। 'यरुशलम पोस्ट' ने इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद के सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि 7 अक्टूबर से पहले हमास मेंबर्स और ईरानी अफसरों के बीच चार मुलाकातें हुईं। हालांकि विस्तृत जानकारी सिर्फ तीन

मुलाकातों की मिली है। इसके अलावा दोनों फोन पर भी संपर्क में थे। इजराइल के 'इंटेलिजेंस एंड टेररिज्म इन्फॉर्मेशन सेंटर' यानी (आईटीआईसी) की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल यानी 2023 में ईरान के आला अफसरों की हमास लीडरशिप से चार मुलाकातें हुईं। इसके अलावा दोनों तरफ से फोन पर भी कई बार बातें हुईं। मोसाद के मुताबिक इसके पुख्ता सबूत नहीं हैं कि 7 अक्टूबर के हमले ईरान ने ही कराए, लेकिन एक बात तो तय है कि बिना ईरान की मदद के हमास इतने खौफनाक हमले कर ही नहीं सकता था। यह तय है कि हमास को ईरान से फंडिंग, हथियार, ट्रेनिंग और दूसरी तरह की मदद भी मिली। आईटीआईसी वैसे तो पूर्व खुफिया अधिकारियों का संगठन है, लेकिन यह इजराइल के वर्तमान खुफिया अफसरों के साथ हमेशा संपर्क में रहता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक ईरान सीधे तौर पर इजराइल से नहीं टकराना चाहता। लिहाजा, वह हमास और हिजबुल्लाह के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहा है।

आतंकियों ने पुलिस स्टेशन पर किया हमला

एक कांस्टेबल और चार मजदूरों को उतारा मौत के घाट

बलूचिस्तान, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादियों द्वारा पुलिस स्टेशन पर हमले की घटना सामने आई है। बलूचिस्तान पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि पुलिस स्टेशन पर किए गए इस हमले में बुधवार को एक पुलिसकर्मी सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि यह हमला बलूचिस्तान के तुरबत इलाके में नसीराबाद पुलिस स्टेशन पर हुआ। उन्होंने बताया कि लगभग 20 आतंकवादियों ने सुबह-सुबह अचानक ये हमला कर दिया। जिला पुलिस अधिकारी मुहम्मद बलूच ने इस हमले की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि कांस्टेबल एस्सा और हसन ने पहले हमलावरों को घेरने की कोशिश की, लेकिन एस्सा को उन लोगों ने मार दिया। वहीं, हसन को अपने कब्जे में कर लिया। इतना ही नहीं, हमलावर ने दोनों पुलिसकर्मियों के हथियार भी अपने कब्जे में ले लिये। मुहम्मद बलूच ने बताया कि हमले में मारे गए अन्य लोगों में चार मजदूर थे जो आतंकवादियों के हमले के डर से पुलिस स्टेशन में रात बिताने आए थे। दरअसल, बंदूकधारियों ने 14 अक्तूबर को तुरबत के सैटेलाइट टाउन में एक हमले में छह श्रमिकों की हत्या कर दी थी। जिसके बाद, स्थानीय अधिकारियों ने प्रांत के बाहर से आने वाले कार्यकर्ताओं को सुरक्षा स्थिति में सुधार होने तक रात के दौरान पुलिस स्टेशनों पर रहने के लिए कहा था। बता दें कि अब तक किसी भी समूह ने पुलिस स्टेशन पर हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस हमले में मारे गए लोगों के प्रति बलूचिस्तान के कार्यवाहक मुख्यमंत्री अली मर्दन खान डोमकी ने खेद जताया है।

राजस्थान के 3 विधायक अरबपति, 157 करोड़पतिः 28 पर हत्या, रेप और किडनैपिंग जैसे केस; बीजेपी से ज्यादा अमीर कांग्रेस के विधायक

जयपुर, , 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनाव की घोषणा के साथ ही पार्टियों ने टिकट की घोषणा शुरू कर दी है। इस बीच राजस्थान की 15वीं विधानसभा के सबसे अमीर व सबसे गरीब विधायक और क्रिमिनल केस की रिपोर्ट सामने आई है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) और राजस्थान इलेक्शन वॉच ने राजस्थान के 2018 विधानसभा चुनाव और उसके बाद हुए उपचुनाव के शपथ पत्रों के आधार पर 199 वर्तमान विधायकों का एनालिसिस किया है। उदयपुर सीट फिलहाल खाली है।

इस एनालिसिस में सामने आया कि राजस्थान के विधायकों की औसत संपत्ति 7.49 करोड़ रुपए है। इसमें कांग्रेस के विधायकों की औसत संपत्ति (9.28 करोड़), बीजेपी विधायकों की औसत संपत्ति (5.45 करोड़) से ज्यादा है।

वहीं, आरएलपी के विधायकों की 1.19 करोड़, सीपीएम के विधायकों की 24.24 लाख और बीटीपी के विधायकों की 7.66 लाख औसत संपत्ति है।

3 विधायक अरबपति और 157 करोड़पति हैं। यानी प्रदेश के 79 फीसदी विधायक करोड़पति हैं। कांग्रेस के 88 और बीजेपी के 54 विधायक करोड़पति हैं। आरएलपी के 2 और आरएलडी का 1 विधायक करोड़पति है। वहीं, 86 फीसदी निर्दलीय करोड़पति हैं।

कौन सबसे धनवान और कौन सबसे गरीब विधायक

राजस्थान के सबसे अमीर विधायकों की लिस्ट में पहले नंबर पर सीकर की धोद सीट से विधायक परसराम मोरदिया हैं। मोरदिया की संपत्ति 1 अरब 72 करोड़ रुपए है।

दूसरे नंबर पर चितौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा से विधायक और मंत्री उदयलाल आंजना हैं। आंजना की संपत्ति 1 अरब 7 करोड़ है।

तीसरे नंबर पर भरतपुर के डीग कुम्हेर से विधायक और मंत्री विश्वेंद्र सिंह हैं। सिंह की संपत्ति 1 अरब 4 करोड़ है।

सबसे कम संपत्ति वाले विधायक

सबसे कम संपत्ति डूंगरपुर की चौरासी सीट से बीटीपी विधायक राजकुमार रोत ने घोषित की है। रोत की संपत्ति मात्र 1 लाख 22 हजार है।

दूसरे नंबर पर नागौर की लाडनूं सीट से विधायक मुकेश भाकर हैं। भाकर की संपत्ति 5.92 लाख रुपए है।

तीसरे नंबर पर नागौर के परबतसर से विधायक रामनिवास गावड़िया हैं। गावड़िया ने अपनी संपत्ति 6.45 लाख घोषित की है।

कितने विधायकों के खिलाफ गंभीर किस्म के आपराधिक केस

28 विधायक ऐसे हैं, जिन पर गंभीर किस्म के आपराधिक केस दर्ज हैं। यानी 14 फीसदी विधायकों के खिलाफ गंभीर किस्म के केस हैं। कांग्रेस के 18 यानी 17 फीसदी जबकि बीजेपी के 6 यानी 9 फीसदी विधायकों पर गंभीर किस्म के आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, 43 फीसदी निर्दलीयों पर गंभीर केस चल रहे हैं। एक विधायक ने हत्या और 4 विधायकों ने हत्या के प्रयास के केस के बारे में जानकारी दे रखी है। गंभीर किस्म के अपराधों में हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, बलात्कार, भ्रष्टाचार जैसे मामले शामिल हैं।

किस विधायक पर कितनी देनदारी

39 विधायकों ने अपनी देनदारी 1 करोड़ से अधिक घोषित की है। सबसे ज्यादा 34 करोड़ की देनदारी मांडलगढ़ विधायक गोपाललाल शर्मा पर है। आदर्श नगर से विधायक रफीक खान 33 करोड़ की देनदारी के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर हिंडोली से विधायक अशोक चांदना हैं। चांदना पर 21 करोड़ की देनदारी है।

25 से 50 साल की उम्र के हैं 40 फीसदी विधायक

प्रदेश के 80 विधायकों यानी 40 फीसदी ने अपनी उम्र 25 से 50 साल के बीच बताई है। जबकि 119 यानी 60 फीसदी विधायकों ने अपनी उम्र 51 से 85 साल के बीच बताई है। 25 से 30 साल की उम्र के मात्र 3 विधायक हैं।

विधायकों की औसत संपत्ति 2.69 करोड़ बढ़ी

2013 के विधानसभा चुनाव में चुने गए विधायकों में से 143 ने 2018 में चुनाव लड़ा था। इनमें से 137 विधायकों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया गया। 6 विधायकों के शपथ पत्र स्पष्ट नहीं होने से उनका विश्लेषण नहीं हो पाया।

137 विधायकों की 2013 में औसत संपत्ति 7.24 करोड़ थी जो 2018 में बढ़कर 9.93 करोड़ हो गई। यानी 5 साल में विधायकों की औसत संपत्ति 2.69 करोड़ बढ़ी। यानी संपत्ति में 37 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

बीजेपी से दोबारा चुनाव लड़ने वाले 99 विधायकों की औसत संपत्ति 2.43 करोड़ बढ़ी यानी इनकी संपत्ति में 44.36 फीसदी की वृद्धि हुई।

कांग्रेस से दोबारा चुनाव लड़ने वाले 25 विधायकों की औसत संपत्ति 1.58 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। यानी इनकी संपत्ति में 18.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

2013 से 2018 के बीच इनकी संपत्ति सबसे अधिक बढ़ी

2013 में गंगानगर से नेशनल यूनियनिस्ट जमीदारा पार्टी की विधायक बनी कामिनी जिंदल की संपत्ति 2018 तक सबसे ज्यादा बढ़ी। उनकी संपत्ति में 5 साल में 90 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। 2013 में उनकी संपत्ति 197 करोड़ थी जो 2018 में बढ़कर 287 करोड़ हो गई। यानी उनकी संपत्ति में 46 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

संपत्ति में बढ़ोतरी की दृष्टि से दूसरे नंबर पर 2013 में नीमकाथाना से विधायक बने प्रेमसिंह बाजौर रहे। बाजौर की संपत्ति में 2013 से 2018 के बीच 54 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। 2013 में उनकी संपत्ति 87 करोड़ थी जो 142 करोड़ हो गई। यानी संपत्ति में 62 फीसदी बढ़ोतरी हुई।

मसूदा से 2013 में विधायक बनीं सुशील कंवर संपत्ति में 43 करोड़ की बढ़ोतरी के साथ में तीसरे नंबर पर रहीं। उनकी संपत्ति 2013 में 16 करोड़ थी जो 2018 में बढ़कर 60 करोड़ हो गई। यानी उनकी संपत्ति में 265 फीसदी बढ़ोतरी हुई।

दोबारा चुनाव लड़ने वाले विधायकों की संपत्ति में बढ़ोतरी को प्रतिशत की दृष्टि से देखें तो रायसिंह नगर से जमींदारा पार्टी की विधायक सोनादेवी बावरी पहले नंबर पर रहीं। उनकी संपत्ति में 2013 से 2018 के बीच 11010 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2013 उनकी संपत्ति 61 हजार थी जो 2018 में बढ़कर करीब 68 लाख हो गई।

दूसरे नंबर पर प्रतिशत की दृष्टि से 2013 में किशनगंज से विधायक बने ललित मीणा रहे। उनकी संपत्ति 5 साल में 949 फीसदी बढ़ी। ललित मीणा की संपत्ति 2013 में करीब 10 लाख थी जो 2018 में बढ़कर करीब 1 करोड़ हो गई।

बगरू से 2013 में बीजेपी की टिकट पर विधायक बने कैलाश चंद वर्मा संपत्ति की बढ़ोतरी के मामले में तीसरे नंबर पर रहे। 2013 से 2018 के बीच उनकी संपत्ति 483 फीसदी बढ़ी। 2013 में उनकी संपत्ति करीब 13 लाख थी जो 2018 में बढ़कर 78 लाख हो गई।

'मुझे डर लगता, प्रियंका-राहुल जब आते कुछ भी कह जाते'

वसुंधरा राजे ने कहा- जरूरी नहीं है कि यह उस पर अडिग रहे; किसानों का कर्जा आज भी माफ नहीं हुआ

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। वसुंधरा राजे ने कहा है कि कुछ दिन पहले प्रियंका गांधी राजस्थान आई थी। उन्होंने महिलाओं को 10 हजार रुपए देने की बात कहीं है, लेकिन मुझे तो डर लगता है। ये और इनके भाई जब भी आते हैं। जयपुर वालों को और जनता को कुछ भी कहकर चले जाते हैं। जरूरी नहीं है कि यह उस पर अडिग रहे। आपको याद होगा, पहले ये लोग किसानों से वादा करके गए थे। अब महिलाओं को वादा करके जा रहे हैं। मुझे तो विश्वास है, शायद ही महिलाओं को 10 हजार रुपए मिलेंगे। किसानों का कर्जा तो आज भी माफ नहीं हुआ। वसुंधरा राजे मालवीय नगर में सबा के दौरान बोल रही थीं।

वसुंधरा राजे ने मालवीय नगर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सराफ को रिकॉर्ड मतों से जिताने की अपील की हैं। राजे आज कालीचरण सराफ के प्रधान चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर बोल रही थी। राजे ने कालीचरण सराफ के समर्थकों से अपील करते हुए कहा- पिछली बार जैसे नहीं भाई, 1700-1800 में मजा नहीं आता। आग्रह है कि इस बार रिकॉर्ड मतों से जिताना। इसके लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी होगी। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनावों में मालवीय नगर विधानसभा सीट पर कालीचरण सराफ का जीत का अंतर केवल 1704 वोटों का ही था।

ईआरसीपी,रिंग रोड़ और द्रव्यवती नदी का काम पूरा करेंगे

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा- भाजपा की सरकार बनना तय है। सरकार बनते ही हमारी सरकार के वो सब काम शीघ्र पूरे करेंगे। जो कांग्रेस सरकार ने रोक दिए थे। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी योजना से जयपुर सहित कई ज़िलों की प्यास बुझाएंगे। जयपुर के रिंग रोड़ का काम जो इस सरकार ने रोक दिया। वह भी सरकार आते ही शुरू होगा। द्रयवती नदी जिसे इस सरकार ने वापस गंदा नाला बना दिया। उसे फिर से रोशन करेंगे।

पायलट बोले- मुझे कहा गया है माफ करो आगे बढ़ो

रैली में रघु शर्मा, प्रशांत बैरवा सहित कई विधायक साथ

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। सचिन पायलट अब से कुछ देर में टोंक में विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा कि मुझे कहा गया है सभी को माफ करो और आगे बढ़ो, इसी लाइन पर मैं आगे बढ़ रहा है। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि चुनाव जीतने के बाद कौन पार्टी लीड करेगा या आलाकमान तय करेगा।

पूर्व डिप्टी सीएम हजारों कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन भरने जा रहे हैं। टोंक के भूतेश्वर महादेव मंदिर से करीब 11:30 बजे उन्होंने रैली की शुरुआत की है। इससे पहले पायलट ने सवाई माधोपुर चौराहा पर भूतेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। रैली के बाद पायलट पटवार ट्रेनिंग सेंटर पहुंचेंगे और नामांकन दाखिल करेंगे।

पायलट की नामांकन रैली में

विधायक डॉ. रघु शर्मा, प्रशांत बैरवा, राकेश पारीक, खिलाड़ी लाल बैरवा, टोंक प्रभारी अनिल चोपड़ा समेत हजारों कार्यकर्ता मौजूद हैं। बाजार में जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए हैं। कार्यकर्ता कांग्रेस का झंडा लिए पायलट के पक्ष मे नारे लगा रहे हैं।

पहले दिन 8 उम्मीदवारों ने भरे नामांकन

अधिसूचना जारी होने के बाद प्रदेशभर में 8 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरे। इसमें गंगानगर, नोखा, बहरोड़, बानसूर, चौरासी, घाटोल, गढ़ी और भीलवाड़ा सीट से नामांकन पत्र भरे गए हैं। घाटोल से कांग्रेस पार्टी से नानालाल निनामा ने दो नामांकन पत्र दाखिल किए हैं, जबकि शेष 7 उम्मीदवारों ने निर्दलीय और अन्य दूसरी पार्टी से नामांकन पत्र दाखिल किया है।

7 नवंबर को होगी नामांकन पत्र की जांच

6 नवंबर को नामांकन पत्र भरने के बाद 7 नवंबर को इनकी जांच की जाएगी। सफल नामांकन की सूची जारी करने के बाद उम्मीदवार को नामांकन वापस लेने के लिए 9 नवंबर तक का समय दिया जाएगा। 9 नवंबर को नामांकन वापसी की तारीख के बाद चुनाव लड़ने वाले फाइनल उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की जाएगी।

ये रहेगी जमानत फीस

सीईओ गुप्ता ने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करते समय सामान्य अभ्यर्थी को 10 हजार रुपए और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी को 5-5 हजार रुपए जमानत राशि जमा के तौर पर जमा करवाने होंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री के घर में एमएलए का धरना

राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ के एमएलए जौहरी लाल बोले उनका टिकट बिक गया

अलवर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रत्याशियों की लिस्ट आने से पहले ही पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के आवास फूल बाग के अंदर राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ के एमएलए जौहरी लाल मीणा अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए हैं। यह आरोप भी लगाया कि राजगढ़ में कांग्रेस का टिकट बिक गया है। बेचने व खरीदने वाले कांग्रेस के पदाधिकारी हैं। लिस्ट में मेरा नाम नहीं आया तो कांग्रेस की जमानत जब्त हो जाएगी। ऐसा पहले भी हो चुका है। समर्थक भी रोड पर बैठे हैं। जिन्होंने कहा कि जौहरी मीणा को टिकट नहीं दिया गया तो फूलबाग में ही कांग्रेस छोड़कर जाएंगे।

चौकाने वाली बात यह है कि कांग्रेस की लिस्ट आने से पहले विधायक धरने पर बैठ गए। जब उनसे पूछा गया तो बताया कि लिस्ट आने वाली है। उनको टिकट मिलता तो आभास हो जाता। पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह से भी उनकी बात हुई है। उनकी बातों में दम कम लगा। वैसे भी जिसे टिकट दे रहे हैं उनके यहां की हलचल से मालूम पड़ता है कि टिकट किसी दूसरे को दिया गया है।

विधायक ने कहा कि 2013 में भी उनका टिकट काटा था। तब कांग्रेस प्रत्याशी के केवल 7 हजार वोट आए थे। अब कार्यकर्ताओं की भावना को नहीं समझा गया तो वहीं हाल हो सकता है। आगे चुनाव लड़ने का फैसला जनता करेगी।

विदेश में प्यार, परिवार के विरोध के बाद भी शादी, फिर गुपचुप तलाक; पायलट-सारा की लव स्टोरी

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट का उनकी पत्नी सारा पायलट से तलाक हो चुका है। नामांकन के लिए दिए गए शपथ पत्र के जरिए पहली बार इसका खुलासा हुआ है। दरअसल, सचिन पायलट ने मंगलवार को टोंक से नामांकन दाखिल किया। नामांकन भरने के बाद दिए एफिडेविट में पत्नी के नाम के आगे उन्होंने 'तलाकशुदा' लिखा है। पायलट और सारा ने 2004 में लव मैरिज की थी। करीब 19 साल बाद दोनों ने अपनी राहें बदल लीं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि पायलट और सारा का तलाक कब हुआ? आइए, जानतें हैं इनकी लव स्टोरी कहां और कैसे शुरू हुई...।

दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद ने गुडगांव की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में ढाई-तीन साल नौकरी की। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए वह विदेश चले गए। विदेश में पढ़ाई के दौरान पायलट की मुलाकात सारा अब्दुल्ला से हुई। सारा जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला की बेटी और उमर अब्दुल्ला की बहन हैं। सारा और सचिन के बीच हुई पहली मुलाकात ने उनके बीच दोस्ती का बीच वो दिया। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती हुई और ये प्यार में बदल गई।

पढ़ाई पूरी करने के बाद सचिन पायलट विदेश से भारत लौट आए, लेकिन दोनों के बीच का प्यार कम नहीं हुआ। कई साल तक दोनों एक दूसरे से बात करते रहे और फिर उन्होंने एक होने का फैसला किया। उन्होंने तय कि अब अपने-अपने परिवार को इस बारे में बताया जाए। दोनों ने हिम्मत करके ये काम कर तो दिया, लेकिन सारा के मुस्लिम और पायलट से हिंदू होने के कारण उनके प्यार के बीच मजहब की दीवार खड़ी हो गई।

दोनों परिवारों ने उनकी शादी कराने से साफ इनकार कर दिया। फारूक अब्दुल्ला इस शादी के सख्त खिलाफ थे। सारा ने अपने पिता को शादी के लिए मनाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने। उधर, पायलट के परिवार ने उनके फैसले पर सहमति की मोहर लगा दी। इसके बाद 2004 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए। लेकिन, इस शादी में सिर्फ पायलट परिवार के सदस्य ही शामिल हुए। अब्दुल्ला का परिवार शामिल नहीं हुआ था।

पिता राजेश पायलट की मौत के बाद परिस्थितियां ऐसी बनीं कि सचिन पायलट को राजनीति में आना पड़ा। उस समय उनकी उम्र महज 26 साल की थी। पायलट के सांसद बनने के बाद अब्दुल्ला परिवार ने सचिन और सारा के रिश्ते को स्वीकार किया था। शादी के 19 साल में दोनों एक दूसरे से अलग हो गए।

सचिन पायलट और सारा पायलट के दो बच्चे हैं। बड़े बेटे का नाम आरन पायलट और छोटे का नाम विहान पायलट है। दोनों बच्चे अभी सचिन पायलट के पास हैं। पायलट ने एफिडेविट में डिपेंडेंट के तौर पर दोनों बच्चों के नाम लिखे हैं। वहीं, पत्नी के कॉलम में तलाकशुदा लिखा है।

मिलावटियों के खिलाफ एक्शन में टीम

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली, शादी समरोह के सीजन को देखते हुए मिलावटियों के खिलाफ खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम एक्शन में आ गई है। मंगलवार सुबह करीब 4.30 बजे जयपुर सीएमएचओ की टीम ने चौमू के चिथवाड़ी इलाके में 6 फैक्ट्रियों पर छापा मारा। यहां से दूध-मावे के सैंपल लिए गए हैं।

जयपुर सीएमएचओ फर्स्ट डॉ. विजय फौजदार ने बताया- फूड सेफ्टी कमिश्नर शिव प्रसाद नकाते के निर्देश पर आज हमने तड़के ही चौमू के चिथवाड़ी में छापा मारा। ये वो इलाका है, जहां सबसे ज्यादा दूध उत्पाद जैसे दूध, पनीर का उत्पादन किया जाता है। जयपुर शहर के अलावा आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में यहीं से पनीर सप्लाई होता है। दीपावली, भाईदूज और आने वाले महीने में शादी-समारोह का सीजन है। इसे देखते हुए हमने ये कार्रवाई की है।

डॉ. फौजदार ने बताया कि आज सुबह 4.30 बजे से 8 बजे तक चली कार्रवाई के दौरान 6 फैक्ट्रियों में गए। यहां हमने रखे दूध और मावे के सैंपल लिए। साथ ही मौके पर मावे की प्राथमिक जांच की। उन्होंने बताया कि फिलहाल यहां ऐसा कोई उत्पाद नहीं मिला है।

पकड़ी गई 6 करोड़ की शराबः पुलिस ने पूरे प्रदेश में चलाया विशेष अभियान

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने शांतिपूर्ण मतदान करवाने के लिए राज्य में अभियान चला रखा है। इस दौरान शराब की धर पकड़ के लिए लगातार 30 घंटे 'ऑपरेशन मदिराधर' चलाया गया है। इस दौरान 6 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध शराब जब्त की गई है। दरअसल, राजस्थान के सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को 28 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया गया था।

डीजीपी उमेश मिश्रा ने प्रदेश के समस्त जिलों के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को इस अभियान को सफल बनाने के लिए बधाई दी है। इस ऑपरेशन के नोडल अधिकारी आईजी विकास कुमार स्टॉर्म क्लब वार रूम के माध्यम से ऑपरेशन मदिराधर पर नजर बनाए हुए थे। इस ऑपरेशन की प्रभावी व्यूह रचना के माध्यम से अभियान की मॉनिटरिंग की जा रही थी।

आईजी विकास कुमार ने बताया- 28 अक्टूबर व 29 अक्टूबर को अवैध शराब के खिलाफ 30 घंटे का प्रदेश में अभियान चलाया गया। इसमें 2 लाख लीटर से भी ज्यादा की अवैध शराब जब्त की गई। इसकी कीमत 6 करोड़ से भी ज्यादा है। ऑपरेशन मदिराधर में प्रति जिला औसत 18 लाख से ज्यादा कीमत की शराब जब्त हुई है। इस अभियान में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की जब्ती के साथ दौसा जिला अव्वल रहा। सिरोही जिले में भी जब्ती की कार्रवाई एक करोड़ से ज्यादा की रही। श्रीगंगानगर, जैसलमेर और नागौर जिला पुलिस की कार्रवाई भी शानदार रही है।

5.900 किलो अवैध गांजे के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर की सवीना थाना पुलिस ने 5 किलो 900 ग्राम अवैध गांजे के साथ 3 आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी फूलचंद टेलर ने बताया कि आरोपी विशाल खण्डेलवाल पिता सुनील खण्डेलवाल निवासी नागौर हाल एकलिंगपुरा, गजेसिंह उर्फ बिट्टु पिता विजेन्द्र सिंह निवासी जोधपुर हाल एकलिंगपुरा और पृथ्वी सिंह पिता विजेन्द्र सिंह राजपूत निवासी जोधपुर हाल एकलिंगपुरा को गिरफ्तार किया गया है।

ज्वेलर को पिस्तौल दिखाकर 18 किलो चांदी लूटी

जयपुर, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में नकाबपोश बदमाशों ने पिस्तौल के दम पर ज्वेलर से लूट की वारदात की। हथियारबंद बदमाशों ने ज्वेलर को धमकाया- भाग जा नहीं तो गोली मार देंगे। इसके बाद 18KG चांदी से भरे दो बैग लूटकर फरार हो गए। ज्वेलरी शॉप पर लगे सीसीटीवी फुटेज में लुटेरों की करतूत कैद हो गई। मानसरोवर थाना पुलिस फुटेज के आधार पर नाकाबपोश बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि मांग्यावास, मानसरोवर निवासी घनश्याम सोनी ने केस दर्ज करवाई है। उन्होंने बताया- उनकी सोहन नगर मांग्यावास में ज्वेलरी शॉप है। 28 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे वह रोज की तरह शॉप बंद करने की तैयारी कर रहे थे। घर जाने के लिए कार दुकान के पास खड़ी की। शॉप लॉक करने से पहले 2 बैग बाहर निकालकर बाहर रखे और शॉप में रखे 2 बैग लेने चला गया। तभी तेज स्पीड में बाइक आकर रुकने की आवाज आई। शक होने पर तुरंत बाहर आया तो बाइक से एक लड़का उतरा और बैग की तरफ दौड़ा।

श्री गोपाल गौशाला द्वारा रामकथा 22 अप्रैल से, तैयारी पर हुई पर बैठक

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोपाल गौशाला इब्राहिमपट्टणम के तत्वावधान में होने वाली श्री राम कथा के संदर्भ में दूसरी सभा का आयोजन हिमायतनगर में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राम दरबार के समक्ष पूजा अर्चना से हुई, जिसमें श्री राम स्तुति पाठ किया गया। इस दौरान मंच का संचालन करते हुए गौशाला के मैनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल ने रामकथा प्रस्ताव से सबको रूबरू करवाया। इसके बाद गौशाला के पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में श्रीगोपाल गौशाला के चेयरमैन तुलसीराम बंसल ने सभा में आये हुए भक्तों का स्वागत करते हुए श्री रामकथा आयोजन की सम्पूर्ण जानकारी दी। साथ ही बताया कि हैदराबाद में श्री राम कथा नुमाइश मैदान में 22 अप्रैल 2024 से 30 अप्रैल 2024 तक आयोजित होगी। इसमें कथा का रसपान मुरलीधर महाराज के मुखारविंद से होगा।

इस दौरान भव्य रामकथा की विस्तृत जानकारी देते हुए महावीर प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि इस भव्य आयोजन के लिए विभिन्न 24 समितियां बनायी जाएंगी। हर समिति का एक प्रमुख नियुक्त किया जाएगा। हर प्रमुख अपनी सुविधा अनुसार अपने साथी सेवकों को नियुक्त करेगा। सभा में चेयरमैन तुलसीराम के निवेदन पर निर्णय लिया गया कि एक मुख्य यजमान, प्रतिदिन के हिसाब से 1 सह-यजमान, प्रतिदिन 2 के हिसाब से 18 विशेष यजमान एवं 5 के हिसाब से 45 यजमान बनाए जाएंगे। सभा में भव्य राम कथा के लिए धन संग्रह पर विस्तृत चर्चा की गयी एवं सभी विषयों पर भक्तों से सुझाव लिये गए। जिस पर समय अनुसार निर्णय लिए जाएंगे। इस मौके पर तुलसीराम बंसल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, सतीश गोयल, राजेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, लालचन्द सिंघल, राजेश काबरा, अर्जुन गोयल, विजय सिंघल, सतवीर गर्ग, महेंद्र अग्रवाल, परमेश्वर अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, संजय कुमार गुप्ता, रमेशचन्द्र असावा, दीपक बंसल, अरुण गोयल, मुकेश सैनी, राजेश कुमार सुखजीका, भगवती प्रसाद अग्रवाल, हर्ष, नमन, हनुमान दास अग्रवाल, वासुदेव पोद्दार, महेश अग्रवाल सहित बड़ी तादाद में लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस के युवा नेताओं ने पार्टी से दिया इस्तीफा

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के लिए आगामी विधानसभा चुनाव भारी पड़ते नजर आ रहा है। जिस रूप में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ युवा कांग्रेस के नेता पार्टी छोड़ रहे हैं, इससे कांग्रेस को आगे कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आज नगर में कई युवा कांग्रेस नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। लगभग 20 वर्षों से कांग्रेस पार्टी के लिए अपने पिता स्व एस.पांडुरंगा राव से अनुप्राणित होकर काम करने वाले पूर्व युवा कांग्रेस प्रवक्ता एस.पी.क्रांति कुमार और हैदराबाद जिला युवा निर्वाचित उपाध्यक्ष एस. शैलजा ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया। गौरतलब है कि क्रांति कुमार के पिता स्वर्गीय एस. पांडुरंगा राव 1979 में कांग्रेस में शामिल हुए और जाने-माने सार्वजनिक नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता थे। अपने पिता की मृत्यु के बाद क्रांति कुमार 2002 में कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए और पार्टी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया, एनएसयूआई और शहर और राज्य स्तर पर युवा कांग्रेस में विभिन्न पदों पर कार्य किया। इस अवसर पर बोलते हुए क्रांति कुमार ने कहा कि विधानसभा टिकट वितरण में वफादार कांग्रेसियों, बीसी नेताओं और फ्रंटल संगठनों के नेताओं को जानबूझकर दरकिनार कर दिया गया है और अब तक 20 से अधिक पैराशूट उम्मीदवारों को कांग्रेस का टिकट दिया गया है। इससे वे पीसीसी कांग्रेस अध्यक्ष से नाराज हो कर पार्टी छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि खराब समय में कांग्रेस को सशक्त बनाने के लिए काम करने के बावजूद हमें पार्टी में कोई ध्यान नहीं दिया गया। सर्वेक्षण के नाम पर टीपीसीसी अध्यक्ष अपने अधिकांश पुराने टीडीपी मित्रों और सहकर्मियों को कांग्रेस के उम्मीदवारों के रूप में शामिल करने का उन्होंने आरोप लगाया।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

205 रन 32.3 ओवर में चेज किए, फखर-शफीक की शतकीय साझेदारी, बांग्लादेश बाहर

कोलकाता, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप 2023 में लगातार 4 हार के बाद जीत हासिल की है। टीम ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया। पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने 205 रन का टारगेट 32.3 ओवर में 3 विकेट खोकर चेज कर लिया। ओपनर फखर जमान ने 81 और अब्दुल्लाह शफीक ने 68 रन की पारियां खेलीं। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई।

कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। टीम 45.1 ओवर में 204 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ ने 3-3 विकेट लिए।

इस जीत से टीम 7 मैचों में से 3 जीत और 4 हार के बाद 6 अंकों के साथ सेमीफाइनल की रेस में बरकरार है। टीम को 2 मुकाबले और खेलने हैं। जिन्हें जीतने की स्थिति में टीम 10 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर फिनिश कर सेमीफाइनल खेल सकती है। दूसरी ओर बांग्लादेश छठी हार के बाद निचले पायदान पर है। बचे मैच जीतने की स्थिति में बांग्लादेश के 6 अंक हो सकते हैं, जबकि टेबल में 4 टीमें 8 अंक तक पहुंच चुकी हैं। ऐसे में बांग्लादेश बाहर हो गई हैं।

पावर प्ले में शानदार शुरूआत के बाद पाकिस्तानी ओपनर्स ने पॉजिटिव अप्रोच के साथ बल्लेबाजी की। दोनों ने 127 बॉल पर 128 रन जोड़े। इस साझेदारी को मेहदी हसन मिराज ने तोड़ा। उन्होंने प्रभावी गेंदबाजी की और अब्दुल्लाह शफीक, बाबर आजम के बाद फखर जमान को पवेलियन लौटाया, लेकिन उनकी गेंदबाजी बांग्लादेश को बाहर होने से नहीं रोक सकी।

टॉप-3 बैटर्स के आउट होने के बाद विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान और इफ्तिखार अहमद ने टीम को जीत दिला दी। बीच के 22.3 ओवर में पाकिस्तानी टीम ने 153 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए।

डंप यार्ड को स्थानांतरित करने की मांग

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिरोज गांधी रानी पार्क एसोसिएशन कोटी, हैदराबाद से जुड़े सदस्यों ने डंप यार्ड को स्थानांतरित करने की मांग को लेकर रानी पार्क के बगल में स्थित डंप यार्ड में प्रदर्शन किया। पिछले कई वर्षों से सदस्यों ने अधिकारियों और अन्य लोगों से डंप यार्ड को मौजूदा रानी पार्क से किसी अन्य दूर स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है।

पार्क के सदस्यों ने बताया कि डंप यार्ड के कारण वे रोजाना पैदल चलना, योग आदि नहीं कर पाते है और डंपिंग के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। इस विरोध प्रदर्शन में सभी वॉकर किशन यादव, बजरंगसेना अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव, कृष्णा प्रसाद, वसंत, हनुमंत राव, राजू, किशोर, और अन्य उपस्थित रहे।

पाठ्यक्रम परिचय कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों के साथ उनके अभिभावकों ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। संस्थाध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा ने अपने वक्तव्य में नवागंतुक छात्रों को अपने मनोबल को बढ़ाए रखने हेतु परामर्श दिया। उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा ने छात्रों को हिन्दी महाविद्यालय से भलीभांति परिचित होने की सलाह दी। संयुक्त कार्यदर्शी प्रदीप दत्त ने छात्रों को आशींवचन दिए। प्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी ने प्रथम वर्ष के छात्रों को महाविद्यालय के इतिहास से परिचित करवाया तथा हिन्दी महाविद्यालय की इकाई एमसी गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के प्राचार्य डॉ. सुदीप ने छात्रों को प्रेरणादायक प्रसंग सुनाकर शिक्षा के प्रति जागरूक होने का परामर्श दिया। शैक्षणिक तथा प्रशासनिक विभागाध्यक्षों ने पीपीटी के माध्यम से छात्रों को विभिन्न विभागों से जुड़ी जानकारी को छात्रों के साथ साझा किया। राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत एनएसएस अधिकारी कन्हैया कुमार ने सभी प्राध्यापकों, प्रबंधन सदस्यों तथा छात्रों को राष्ट्र के प्रति प्रतिज्ञाबद्ध कराया। कार्यक्रम का संचालन कुमारी लहरी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रजनीधारी ने किया।

भ्रष्टाचार को मिटाने निरंतर लडाई जारी रखें : एलके श्याम सुंदर

एलआईसी द्वारा फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन 4.0 आयोजित

हैदराबाद, 31 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश की अग्रणी बीमा कंपनी एलआईसी द्वारा फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन 4.0 आयोजित किया गया। इसमें हैदराबाद जोनल आफिस के क्षेत्रीय प्रबंधक एलके श्यामसुंदर ने कहा कि, भ्रष्टाचार को मिटाने निरंतर लडाई जारी रखें। इस संदर्भ में, ग्रेटर हैदराबाद स्थित एलआयसी के क्षेत्रीय कार्यालय में फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन 4.0 आयोजित हुवा। एलआयसी के नेतृत्व में आयोजित इस फ्रीडम रन का मुख्य विषय स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत रहा। इस शुभावसर पर एलआयसी क्षेत्रीय प्रबंधक एलके श्यामसुंदर ने उक्त फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन को जोनल आफिस से वाया मिन्ट कम्पाउंड,आयमैक्स, लुम्बिनी पार्क एवं बैक टू जोनल आफिस से हरी झंडी दिखाई। फ्रीडम रन में जोनल आफिस एवं हैदराबाद डिवीजनल आफिस से प्लेकार्ड्स के साथ लगभग 300 कर्मचारियों ने भाग लिया। श्यामसुंदर ने फिट इंडिया की महत्ता के बारे में बताया कि उक्त कार्यक्रम का आयोजन आम नागरिकों, जिसमें खासकर युवाओं को स्वास्थ्य जानकारी से अवगत कराने किया जा रहा है, ताकि युवा वर्ग एवं सभी आम नागरिक नियमित रूप से रन्निंग एवं व्यायाम कर तंदुरूस्त व स्वस्थ रहे। उन्होंने संबद्ध कर्मचारियों से अपील की कि, भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए निरंतर लडाई जारी रखें एवं उक्त जागरूकता सप्ताह में सभी कर्मचारीगण भाग लें, ताकि बेहतर समाज बनाने में मदद मिल सके। कार्यक्रम में भाग लेनेवाले प्रमुख अधिकारियों में पी. रमेश बाबू, आर. सतीश बाबू, राजेश भारद्वाज, उथप जोसेफ, एमएमपी श्रीनिवासराव, रजिब विश्वास सहित संबद्ध अधिकारी शामिल रहे।

ईसीआईएल कॉर्पोरेट प्रबंधन समिति में राजभाषा कार्यान्वयन पर प्रस्तुति

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग के उद्यम हैदराबाद में अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय कॉरपोरेट प्रबंधन समिति के समक्ष कॉरपोरेशन में राजभाषा कार्यान्वयन पर प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर डॉ. अनीश कुमार शर्मा, निदेशक (तकनीकी); राजेन्द्र कुमार पारख, निदेशक (वित्त); अनुराग मालवीया, निदेशक (कार्मिक) सहित समस्त कार्यपालक निदेशक, महाप्रबंधक, प्रभाग प्रमुख तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में डॉ. राजनारायण अवस्थी, उप प्रबंधक एवं प्रभारी, राजभाषा अनुभाग ने समिति को ईसीआईएल कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों से अवगत कराया। अध्यक्ष ने राजभाषा अनुभाग की टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि निरंतर 10 बार से बड़े कार्यालयों की श्रेणी में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) द्वारा राजभाशा शील्ड (प्रथम स्थान) प्राप्त करना कुशल टीम भावना, नेतृत्व कौशल एवं अथक परिश्रम का परिचायक है। अध्यक्ष ने निदेश दिया कि ईसीआईएल मुख्यालय के साथ-साथ इसके आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रस्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए। समिति के समक्ष नराकास (उपक्रम) की राजभाषा शील्ड को प्रदर्शित किया गया। इस प्रस्तुति में कनकाश्री महालक्ष्मी, डॉ. चिप्पाड़ा अंबेडकर, कनि. हिन्दी अनुवादक तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक ने महत्वपूर्ण सहयोग किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभाई पटेल को श्रद्धांजलि देती हुईं अग्रणी महिला मंच की अध्यक्षा सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, सुनयना नरसरिया, टीना खंडेलवाल, मीनाक्षी अग्रवाल एवं पवन भुवानिया।

नवभारत निर्माण संघ के तत्वावधान में पब्लिक गार्डन स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर उनकी जयंती मनाते हुए समाजसेवी अमृत कुमार जैन, संस्थाध्यक्ष एस. रवि कुमार, संपत कुमार, सुरेंद्र याधव, धर्मेंद्र, रहमतुल्ला ख़ान,रोशन, परशुराम एवं अन्य।

नार्म ने ग्लोबल बायो-इंडिया 2023 रोड शो का आयोजन किया

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्लोबल बायो-इंडिया (जीबीआई) 2023 के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नार्म ने अकादमी में बीआईआरएसी के सहयोग से ग्लोबल बायो-इंडिया 2023 रोड शो का आयोजन किया है। बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) "ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स-बायोसाइंसेज टू बायोइकोनॉमी" विषय के तहत 4 से 6 दिसंबर, 2023 तक नई दिल्ली में ग्लोबल बायो-इंडिया (जीबीआई) -2023 का आयोजन करने जा रही है। ग्लोबल बायो-इंडिया 2023 बायो-फार्मा, बायो-एग्री, बायो-इंडस्ट्रियल, बायो-एनर्जी और बायो-सर्विसेज सेक्टर के स्टार्ट-अप के क्षेत्रों में अवसरों और प्रमुख चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। सुश्री अर्शी मेहबूब, वरिष्ठ प्रबंधक, बीआईआरएसी ने ग्लोबल बायो-इंडिया 2023 के मुख्य घटकों के बारे में विस्तार से बताया। एनएएआरएम के संयुक्त निदेशक डॉ. जी. वेंकटेश्वरलू ने अपने अध्यक्षीय भाषण में देश में कृषि स्टार्ट-अप के समर्थन में बीआईआरएसी की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में लगभग 70 स्टार्टअप, उद्यमियों, छात्रों, संकाय और वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. पी. सुप्रिया, वैज्ञानिक के सदस्यों ने

विशेष कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 30 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। संस्कृत के आदिकवि, प्रभु श्री राम के आदर्श चरित्र को कलमबद्ध करने वाले रामायण महाकाव्य के रचयिता महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती के उपलक्ष्य में पूजा-अर्चना की गई। गौरतलब है कि जयंती के दिन ग्रहण लेगने से कोई पूजा-अर्चना कार्यक्रम नहीं आयोजित किया गया था। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जियागुडा वाल्मीकि समाज अध्यक्ष विजय सिंह द्वारा पगड़ी से सभी का सम्मान किया गया।

सभी पधारे मेहमानों में ठाकुर अमर सिंह, तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, बिजेपी वरिष्ठ सतीश बिरला, माणिक प्रभु, श्रीरामलु, सरूपसिंह जायसवाल, सोवनलाल कुमावत, ठाकुर सहाब, मोनु, श्याम, एवं अन्य वरिष्ठ लोग उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं का जायजा लिया गया

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र बोग्लुकुंटा के आसपास के इलाकों में पदयात्रा कर कई जनसमस्याओं को जायजा गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने लिया। स्थानीय लोगों ने आनंद कुमार गौड़ का ध्यान दिलाया कि पिछले दो साल से यहां सीवरेज की समस्या है। उन्होंने वहां एक तीर्थयात्रा का आयोजन किया और स्थानीय लोगों की पीड़ा देखकर द्रवित हो गये। उन्होंने याद किया कि उन्हें पिछले 35 वर्षों से यहां के लोगों के साथ अनुभव है। आनंद कुमार गौड़ ने इस मुद्दे को जलकार्य अधिकारियों के संज्ञान में लाते हुए तुरंत समस्या का अस्थायी समाधान कर दिया। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि वह इस समस्या से जुड़ी फाइल उन्हें सौंपेंगे और इसका स्थायी समाधान करेंगे। कार्यक्रम में सबिहा, उज्मा अलीम, इशरत सुल्ताना, जरीना बेगम, अर्शिया बेगम, जोसेफिन, मीर साजिद अली, मुजम्मिल, अहमद इस्माइल, मीर सरदार अली, परवेज, समद, यूसुफ और अन्य ने भाग लिया।

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर एनएफसी सीआईएसएफ इकाई द्वारा रन फॉर यूनिटी रन का आयोजन किया गया। इसमें भाग लेते हुए कमांडेंट राहुल सिंह गौतम, डिप्टी कमांडेंट जयशंकर सिंह, सहायक कमांडेंट श्रीमती एस. इंदिरा और उनके सहयोगी।

खैराताबाद निर्वाचन क्षेत्र से सतीश कुमार जाजू को भाषाई अल्पसंख्यक चुनाव प्रभारी का नियुक्ति पत्र देते हुए भारतीय जनता पार्टी खैराताबाद के चिंतला रामचंद्र रेड्डी, माइनॉरिटी मोर्चा के राष्ट्रीय नेता लायक अली, वेंकट स्वामी व समाजसेवी सुरेश शर्मा।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

मेरी माटी-मेरा देश...

इसलिए ये जो अमृत कलश यहां आए हैं, इनके भीतर मिट्टी का हर कण अनमोल है। ये सुदामा की पोटली में रखे चावल की तरह हैं। देशभर से लाई इस मिट्टी में देश की अनगिनत आकांक्षाएं, संकल्प शामिल हैं। ये मिट्टी हमें विकसित भारत की सिद्धि और परिश्रम के लिए प्रेरित करती रहेगी। आज हम संकल्प लेते हैं कि जन-जन का जाकर जगाएंगे। सौगंध मुझे इस मिट्टी की, हम भारत भव्य बनाएंगे।

इस मिट्टी के साथ-साथ देशभर से जो पौधे आए हैं, उनसे अमृत वाटिका बनाई जा रही है। इसका आज शिलान्यास हुआ है। ये आने वाली पीढ़ियों को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की प्रेरणा देगा। नई संसद में एक कलाकृति है, जिसे देश क 75 कलाकारों ने देश की मिट्टी से बनाया है। आजादी का अमृत महोत्सव करीब-करीब 1000 दिन चला। इसका सबसे सकारात्मक प्रभाव युवाओं पर पड़ा। हममें से कई लोगों ने गुलामी नहीं देखी। मैं पहला प्रधानमंत्री हूं, जिसका जन्म आजादी के बाद हुआ। दूरदर्शन पर मैं जब स्वराज सीरीज देख रहा था तो जो भाव उमड़े, वो भाव मैं युवाओं में देख रहा हूं। हर घर तिरंगा अभियान की सफलता देश के करोड़ों लोगों की सफलता है।

एक बहुत बड़ा डेटाबेस तैयार हुआ है, अल्लूरी सीताराम राजू, टंट्या भील, रानी चेन्नमा, रानी गाइडिल्यू, मातंगी हाजरा, वीरांगना झलकारी बाई जैसी कई हस्तियों को देश को जानने का मौका मिला।

महुआ बोलीं, सरकार...

कांग्रेस में लिस्ट बनी है। पवन खेड़ा, सुप्रिया, प्रियंका.. इनके साथ भी ऐसा हुआ है। सरकार चाहे तो मेरा फोन ले ले, मुझे फर्क नहीं पड़ता। इसे लेकर एपल ने अपना जवाब दे दिया है। एपल ने इन थ्रेट नोटिफिकेशंस को किसी विशेष स्टेट स्पॉन्सर्ड अटैकर से जोड़ने से मना कर दिया है। कंपनी ने बताया कि अगर हमने जानकारी दी तो अटैकर्स अलर्ट हो जाएंगे।

महुआ ने ट्वीट किया, अडाणी और पीएमओ के गुंडों के डर पर मुझे तरस आता है :

इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम...

ऐसे में किसी को इसके बारे में पता ही नहीं चल सकेगा।

प्रशांत भूषण : ये बांड सत्ता में पार्टियों को रिश्वत के रूप में दिए जाते हैं। इससे सरकारी निर्णय प्रभावित होते हैं। लगभग सभी बांड केवल सत्ताधारी पार्टियों को ही मिले हैं।

जस्टिस गवई : उम्मीदवार द्वारा अधिकतम कितना खर्च किया जाना है?

सिब्बल : संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट के मुताबिक, केवल 70 लाख रुपये है।

भूषण : लेकिन कई उम्मीदवार सीमा से 100 गुना ज्यादा भी खर्च कर रहे हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि यह एक भ्रष्ट आचरण है।

भूषण : एक आम आदमी को कैसे पता चलेगा कि 23 लाख कंपनियों में से किसने कितना दान दिया है? लेकिन अगर केंद्र एसबीआई पर दबाव डालेगा तो उन्हें इसके बारे में पता चल जायेगा। लेकिन नागरिकों को यह जानने का अधिकार खत्म हो जाता है कि इन राजनीतिक दलों को कौन फंडिंग कर रहा है?

सीजेआई : हो सकता है दान देने वाला व्यक्ति खुद ही अपनी पहचान छिपाना चाहता हो। क्योंकि वो व्यवसाय चलाता है। अगर नाम का खुलासा हुआ तो उसे दिक्कत हो सकती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: क्या टीम इंडिया नहीं खेलेगी चैंपियंस ट्रॉफी?

होस्ट पाकिस्तान को लेकर फिर छिड़ सकता है विवाद

मुंबई, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में खेला जाएगा। ऐसे में बीसीसीआई फिर से पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर सकता है।

आईसीसी वनडे विश्व कप का रोमांच अभी थमा भी नहीं है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की अपडेट ने फैंस में जुनून भरना शुरू कर दिया है। चैंपियंस ट्रॉफी साल 2025 में होने वाला है। इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान करने वाला है, ऐसे में भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने को लेकर फिर से विवाद छिड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेलेगी।

एशिया कप में भी पाकिस्तान नहीं

गई थी टीम इंडिया

बीसीसीआई और पीसीबी के बीच भी अकसर खटास देखने को मिलता है। वर्तमान में हो रहे आईसीसी वनडे विश्व कप के लिए पाकिस्तान ने शुरुआती दौर में भारत आने से मना कर दिया था। जब पाकिस्तान भारत आने के लिए तैयार हुआ, तो भारत वीजा ही जारी नहीं कर रहा था। इसके अलावा एशिया कप 2023 के लिए वेन्यू पाकिस्तान ही तय किया गया था, लेकिन बीसीसीआई ने पाकिस्तान में मैच खेलने से साफ इनकार कर दिया था। इसके बाद भारत के सभी मैच श्रीलंका में कराए गए थे। अब जब पाकिस्तान की मेजबानी में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने का ऐलान किया गया है, तो कयास लगाए जा रहे हैं कि बीसीसीआई एक बार फिर से टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर सकता है।

10 साल से चैंपियंस ट्रॉफी नहीं जीता है भारत

भारतीय टीम अगर पाकिस्तान की मेजबानी में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने से इनकार करती है, ऐसे में आईसीसी एक बार फिर से भारत के मैचों के लिए अलग वेन्यू का ऐलान करेगा, जो कि पाकिस्तान से बाहर होगा। वहीं, अगर आईसीसी भारत के मैच के लिए कोई दूसरा वेन्यू नहीं देता है और बीसीसीआई भी भारतीय टीम को पाकिस्तान जाने से इनकार कर देता है, इस स्थिति में भारत चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेल पाएगा। बता दें कि भारत 10 साल से चैंपियंस ट्रॉफी नहीं जीत पाया है। भारत ने आखिरी बार साल 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीता था।

ज्योति याराजी, तेजस ने राष्ट्रीय खेल रिकॉर्ड के साथ जीते स्वर्ण

पणजी, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रियंका ने 1.36.35 घंटे के साथ स्वर्ण जीता। पुरुषों की 20 किलोमीटर पदचाल में उत्तराखंड के सूरज पंवार ने 1.27.43 घंटे का समय निकाल उन्होंने मुनीता प्रजापति का रिकॉर्ड भंग किया।

राष्ट्रीय खेलों में एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता ज्योति याराजी और तेजस शिरसे ने राष्ट्रीय खेल रिकॉर्ड के साथ 100 और 110 मीटर बाधा दौड़ के स्वर्ण पदक जीते। वहीं 20 किलोमीटर पदचाल में प्रियंका गोस्वामी ने भी गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता। ज्योति ने 13.22 सेकंड के साथ अपना ही समय सुधारा, जबकि तेजस ने 13.71 सेकंड का समय निकाला।

प्रियंका ने 1.36.35 घंटे के साथ स्वर्ण जीता। पुरुषों की 20 किलोमीटर पदचाल में उत्तराखंड के सूरज पंवार ने 1.27.43 घंटे का समय निकाल उन्होंने मुनीता प्रजापति का रिकॉर्ड भंग किया। 400 मीटर विद्या रामराज ने 52.84 सेकंड के साथ स्वर्ण जीता। आभा खातून ने 17.09 मीटर दूर गोला फेंककर स्वर्ण जीता। महाराष्ट्र 47 स्वर्ण,, 34 रजत, 33 कांस्य के साथ पहले और हरियाणा 18 स्वर्ण, 15 रजत और 17 कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर है।

हार्दिक पंड्या फिट हुए तो मोहम्मद शमी प्लेइंग-11 से होंगे बाहर

शार्दुल ठाकुर की एंट्री, पूर्व दिग्गज का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम इस वक्त आईसीसी वर्ल्ड कप विजय रथ पर सवार है. टूर्नामेंट में लगातार 5 मैच जीतकर टीम इंडिया ने अंक तालिका में नंबर एक पर कब्जा जमा रखा है. न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत को ऑल राउंडर हार्दिक पंड्या के चोटिल होने की वजह से बड़ा झटका लगा था. उनकी जगह न्यूजीलैंड के खिलाफ मोहम्मद शमी को मौका दिया गया था जबकि शार्दुल ठाकुर को बाहर कर सूर्यकुमार यादव को प्लेइंग इलेवन में जगह दी गई थी.

आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में विजय रथ पर सवाल भारतीय टीम को अगला मुकाबला मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ खेलना है. भरत ने अब तक सभी 5 मुकाबले जीते हैं जबकि इंग्लैंड का हाल बुरा है और 4 में से सिर्फ 1 में ही जीत हासिल कर पाई है.

भारतीय टीम फिर भी इंग्लिश टीम के खिलाफ कोई जोखिम नहीं उठाना चाहेगी. अगर हार्दिक पंड्या फिट हो जाते हैं तो फिर प्लेइंग इलेवन में बदलाव यकीनन होगा. सवाल मोहम्मद शमी पर आकर टिक गया है. उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 विकेट लेकर जोरदार वापसी की थी. इस धमाकेदार प्रदर्शन के बाद उनको बाहर करना बड़ा साहसिक फैसला होगा.

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ का मानना है कि भले मोहम्मद शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 विकेट झटके हो लेकिन हार्दिक पंड्या के फिट होकर वापस लौटने पर उनको बाहर बैठना पड़ सकता है. साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच हुए मैच के दौरान उन्होंने कमेंट्री करते हुए कहा, अगर अगले मैच के लिए हार्दिक पंड्या फिट हो जाते हैं तो वो प्लेइंग इलेवन का हिस्सा यकीनन होंगे. ऐसे में शार्दुल ठाकुर भी वापसी करेंगे और मोहम्मद शमी को बाहर बैठना होगा. सूर्यकुमार यादव प्लेइंग इलेवन से बाहर होंगे.

बाबर आजम के बचाव में उतरे भारतीय दिग्गज

कहा- पाकिस्तान खराब खेला, कप्तान की गलती नहीं

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेजबान भारत और दक्षिण अफ्रीका जहां वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग तय कर चुके हैं. वहीं, पाकिस्तान अधर में लटका हुआ हैं. पाकिस्तान क्रिकेट टीम और कप्तान बाबर आजम आलोचकों के निशाने पर हैं. हालांकि, भारतीय दिग्गज संदीप पाटिल पाकिस्तानी कप्तान की आलोचना से सहमत नहीं हैं. संदीप पाटिल ने न्यूज18 हिंदी से बातचीत में साफ कहा कि पाकिस्तान की हार के लिए बाबर आजम को दोष देना ठीक नहीं है. इस बीच, पाकिस्तानी टीम के चीफ सिलेक्टर इंजमाम उक हक ने वर्ल्ड कप के बीच में ही अपना पद छोड़ दिया है. उन पर टीम के खराब प्रदर्शन के कारण सवाल उठ रहे थे. इंजमाम पर हितों के टकराव का भी आरोप लगने लग रहा है.

क्या पाकिस्तान की हार के लिए कप्तान जिम्मेदार हैं या बाबर आजम की कप्तानी में क्या कमी देखते हैं? न्यूज18 हिंदी के इस सवाल के जवाब में संदीप पाटिल कहते हैं, 'देखिए जब भी कोई टीम अच्छा करती है तो कप्तान और कोच हीरो बन जाते हैं. इसी तरह जब टीम को हार का सामना करना पड़ता है, तो सबसे पहले कप्तान और कोच पर ही उंगली उठती है. सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि बाबर ने अच्छी कप्तानी नहीं की है.'

संदीप पाटिल अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं, 'ऐसा नहीं है कि बाबर ने अच्छी कप्तानी नहीं की है. सच तो यह है कि बाबर ने जो टीम खिलाई और जिन खिलाड़ियों को चुना, उन्होंने अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभाई. इसलिए बाबर को दोष देना ठीक नहीं है.'

1983 की विश्व चैंपियन टीम का हिस्सा रहे संदीप पाटिल अपने जवाब में जॉस बटलर की बात भी करते हैं. पाटिल कहते हैं, बटलर की भी बात करें. बटलर भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं. ऐसे कई कप्तान हैं इस वर्ल्ड कप में, जो आलोचकों के निशाने पर हैं. लेकिन यह 11 खिलाड़ियों का खेल है. कप्तान तो फैसले लेता है, लेकिन खेलना तो खिलाड़ियों को है. इसलिए मुझे नहीं लगता कि बाबर या बटलर फेल हुए हैं. फेल तो पाकिस्तान और इंग्लैंड की टीम हुई है.'

ग्रैंड स्विस शतरंज: अर्जुन ने जुमाबायेव को हराया, संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचे

आइल ऑफ मैन, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। डी गुकेश को हमवतन एसएल नारायणन से हार मिलने के बाद टूर्नामेंट जीतने की उम्मीद खत्म हो गई। पिछले दो सप्ताह में यह नारायण की गुकेश पर दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने कतर मास्टर्स में जीत हासिल की थी। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फिडे ग्रैंड स्विस के पांचवें दौर के मुकाबले में कजाखस्तान के रिनैट जुमाबायेव को हराकर दो अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर आ गए। अर्जुन के संभावित पांच में से चार अंक हो गए हैं। वह दूसरे वरीय अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और रूस के आंद्रे एसिपेंको के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। रूस के खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में फिडे के ध्वज तले खेल रहे हैं। नाकामुरा ने सर्बिया के एलेक्सी सारामा को शिकस्त दी। वहीं, एसिपेंको ने अमेरिका के फाबिनो कारूआना के खिलाफ ड्रॉ खेला। अर्जुन ने सफेद मोहरों से खेलते हुए जुमाबायेव पर दबाव बनाए रखा। उन्होंने आखिरकार 69 चाल के बाद जीत दर्ज की। तीन मैचों में लगातार जीतने वाले विदित गुजराती के जीत के रथ पर रूस के इवगेनिय नाजेक ने रोक लगाई जो सफेद मोहरों से खेल रहे थे। गुजराती 3.5 अंकों के साथ 16 अन्य खिलाड़ियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

डी गुकेश को हमवतन एसएल नारायणन से हार मिलने के बाद टूर्नामेंट जीतने की उम्मीद खत्म हो गई। पिछले दो सप्ताह में यह नारायण की गुकेश पर दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने कतर मास्टर्स में जीत हासिल की थी। भारतीय खिलाड़ियों के अन्य मुकाबलों में पी हरिकृष्णा यूक्रेन के रूसलान पोनोमारिव को बराबरी पर रोकने में सफल रहे। अरविंद चिदंबरम और निहाल सरीन के बीच खेला गया मैच भी ड्रॉ रहा जबकि रौनक साधवान को ईरान के परहम माघसोडलो ने हराया।

महिलाओं की स्पर्धा में आर वैशाली ने उच्च रैंकिंग वाली खिलाड़ी यूक्रेन की एन्ना मुज्यचुक को ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया। वह चार अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, डी हरिका ने हमवतन दिव्या देशमुख जबकि तानिया सचदेव ने पोलैंड की ओलिविया कियोलबासा को शिकस्त दी।

बाबर का चैट लीक होने पर अफरीदी ने नाराजगी जताई

बोले- ये बहुत ही घटिया हरकत है; पीसीबी चेयरमैन ने बाबर का चैट लीक किया था

इस्लामाबाद, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कैप्टन बाबर आजम का चैट लिक होने के मामले में पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी ने बयान दिया है। वर्ल्ड कप में जहां पाकिस्तान क्रिकेट टीम बुरे दौर से गुजर रही है वहीं बाबर आजम का चैट लीक होने का मामला तूल पकड़ लिया है।

अफरीदी ने कहा, 'मैं ये कहूंगा ये बहुत ही घटिया हरकत है। किसी का प्राइवेट मैसेज, टीवी पर कौन दिखा सकता है और वह भी कैप्टन का? हमारे खिलाड़ियों को खुद इतना बदनाम कर रहे हैं। अगर चेयरमैन ने भी ये हरकत की है तो बहुत घटिया हरकत है।

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने राशिद भाई (पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ) को ये बात करते हुए देखा कि बाबर पीसीबी के चयेरमैन जका अशरफ को फोन कर रहा था लेकिन वह जवाब नहीं दे रहे थे। मुझे लगता है कि उन खबरों को काउंटर करने के लिए ऐसा किया गया था लेकिन यह जरूरी नहीं था।

दरअसल 28 अक्टूबर को राशिद लतीफ ने एक पाकिस्तानी चैनल को इंटरव्यू में बताया कि बाबर आजम ने जका अशरफ को कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की थी, लेकिन उन्होंने बाबर के कॉल या मैसेज का जवाब नहीं दिया।

अपनी आलोचना देखकर अशरफ ने एक पाकिस्तान चैनल को इंटरव्यू दिया। अपने ऊपर लगे आरोपों का अशरफ ने खंडन किया। इस पर सफाई देते हुए अशरफ ने बताया कि, बाबर ने उन्हें कॉन्टैक्ट नहीं किया। उन्होंने अपनी बात को सही साबित करने के लिए एक चैट इंटरव्यूवर के साथ शेयर कर दी। ये चैट बाबर और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सलमान नसीर के बीच हुई थी।

इस चैट में नसीर ने बाबर से पूछा कि टीवी और सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें भी चल रही हैं कि आप चेयरमैन को फोन कर रहे हैं और वह जवाब नहीं दे रहे हैं। क्या आपने उन्हें हाल ही में फोन किया है? जवाब में बाबर ने लिखा सलाम सलमान भाई, मैंने सर को कोई कॉल नहीं किया है।

वहीं पाकिस्तान टीम वर्ल्ड कप में बुरे दौर से गुजर रही है। लगातार चार मैच हार चुकी पाकिस्तान टीम को अगर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद कायम रखना है तो इस मुकाबले में हर हाल में आज श्रीलंका के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी।

पाकिस्तान की टीम फिलहाल 6 मैचों में 2 जीत और 4 हार के साथ 4 पॉइंट्स लेकर सातवें स्थान पर है। वहीं, बांग्लादेश की टीम 6 मैचों में सिर्फ 1 जीत और 5 हार के साथ 2 पॉइंट्स लेकर नौवें स्थान पर है। बांग्लादेश पहले ही सेमीफाइनल की होड़ से बाहर हो चुकी है।

अनीश ने कांस्य पर साधा निशाना

शूटिंग में देश को 12वां ओलंपिक कोटा दिलाया

चांगवान, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्वालिफाइंग दौर में अनीश ने 588 का स्कोर किया और वह यहां शीर्ष पर रहने वाले चीन के वांग जिनजी से सिर्फ एक अंक पीछे थे। विजयवीर सिद्धू (581) दसवें और आदर्श सिंह (570) 25वें स्थान पर रहे।

करनाल के निशानेबाज अनीश भानवाल ने एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक के साथ पेरिस ओलंपिक का कोटा भी देश को दिलाया। 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल के फाइनल में अनीश ने 28 हिट्स लगाईं। उन्हें जापान के दाई योशिओका से शूटआउट में हारकर कांस्य पदक मिला। योशिओका को रजत और कोरिया के ली गुनह्योक को 34 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक मिला। भारतीय निशानेबाज अब तक 12 पेरिस ओलंपिक के कोटा जीत चुके हैं। क्वालिफाइंग दौर में अनीश ने 588 का स्कोर किया और वह यहां शीर्ष पर रहने वाले चीन के वांग जिनजी से सिर्फ एक अंक पीछे थे। विजयवीर सिद्धू (581) दसवें और आदर्श सिंह (570) 25वें स्थान पर रहे। ट्रैप में जोरावर सिंह संधू (119), काइनन चेनाई (111) और पृथ्वीराज टोंडाइमान (111) ने 341 का कुल स्कोर कर टीम रजत पदक जीता। जोरावर व्यक्तिगत मुकाबलों में छठे स्थान पर रहे।

आठवीं बार बैलोन डी'ओर पुरस्कार से सम्मानित हुए मेसी

ट्रॉफी जीतने वाले पहले एमएलएस खिलाड़ी बने

पेरिस, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी एक बार फिर प्रतिष्ठित बैलोन डी ओर पुरस्कार जीत गए हैं। मेसी को आठवीं बार बैलोन डी ओर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी एक बार फिर प्रतिष्ठित बैलोन डी'ओर पुरस्कार जीत गए हैं। मेसी को आठवीं बार बैलोन डी'ओर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मेसी बैलोन डी'ओर पुरस्कार जीतने वाले पहले एसएलएस खिलाड़ी बन गए हैं। इंटर मियामी के मालिक और फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी डेविड बेकहम ने मेसी को यह सम्मान दिया है। लियोनल मेसी इससे पहले 2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019 और 2021 में भी बैलोन डी'ओर पुरस्कार जीत चुके हैं।

बता दें, बैलोन डी'ओर फुटबॉल का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जो व्यक्तिगत तौर पर खिलाड़ी को दिए जाने वाला सम्मान है। यह फुटबॉल क्लब और राष्ट्रीय टीम के किसी एक खिलाड़ी को हर साल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है।

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला फुटबॉल खिलाड़ी ही इसके हकदार हैं ।

1956 के बाद से हर साल पुरुषों को इस पुरस्कार से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाता है।

सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ियों को 2018 से बैलोन डी'ओर देने की परंपरा शुरू की गई है।

2020 में आई कोविड महामारी के कारण पुरस्कार नहीं दिया जा सका था।

लियोन फुटबाल टीम की बस पर हमला, कोच घायल, नौ लोग हिरासत में

पेरिस, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। यह घटना वेलोड्रोम स्टेडियम के बाहर हुई जिसमें 'प्रोजेक्टाइल' से हमला किया गया और बस की खिड़कियां टूट गईं। कांच के टुकड़ों से कोच ग्रोसो घायल हुए। उनके चेहरे से खून बहने लगा। फ्रांस की लियोन फुटबाल टीम और प्रशंसकों को लेकर जा रही बसों पर हिंसक हमला हुआ। इस हमले में टीम के कोच फैबियो ग्रोसो घायल हो गए, जबकि नौ लोगों को हिरासत में लिया गया। फ्रांस की पुलिस ने इसकी जानकारी दी। अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। ग्रोसो के सिर में चोट लग गई जिसके बाद मार्सेले में फ्रेंच लीग का मैच स्थगित हो गया। फ्रांस के मंत्री गेराल्ड डरमानिन ने कहा कि रविवार को रात हुए इस हमले में पांच पुलिस अधिकारी भी चोटिल हो गए।

यह घटना वेलोड्रोम स्टेडियम के बाहर हुई जिसमें 'प्रोजेक्टाइल' से हमला किया गया और बस की खिड़कियां टूट गईं। कांच के टुकड़ों से कोच ग्रोसो घायल हुए। उनके चेहरे से खून बहने लगा। क्लब के सहायक कोच राफाएल भी इस दौरान घायल हो गए। ग्रोसो की आंख के ऊपर गहरी चोट आई है जिस पर टांके लगाए गए। नौ बार की विजेता टीम के खिलाफ अनुशासनात्मक प्रतिबंध लगाने की संभावना नहीं है क्योंकि यह घटना स्टेडियम के बाहर हुई है।

तेलंगाना सरकार हमेशा किसानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध रही : केसीआर

हुजूरनगर, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने लोगों से यह तय करने के लिए कहा कि क्या वे ऐसी सरकार चाहते हैं, जो किसानों को रैतू बंधु योजना प्रदान करती है या ऐसी सरकार जो इसे नहीं चाहती है। मंगलवार को सूर्यापेट जिले के हुजूरनगर में सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केसीआर ही हैं, जिन्होंने दुनिया में पहली बार रैतू बंधु योजना तैयार की है और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों को फसल निवेश योजना के रूप में नकद की पेशकश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नेता कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो रैतू बंधु योजना समाप्त कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन खुद हैदराबाद आए थे और उन्होंने रैतूबंधु योजना की सराहना की थी। संयुक्त राष्ट्र ने भी रैतूबंधु योजना की सराहना की है, लेकिन कांग्रेस नेता उत्तम कुमार रेड्डी का कहना है कि रैतूबंधु योजना अच्छी नहीं है और यह किसानों को दिए जाने वाले पैसे की बर्बादी है। केसीआर ने कहा कि आपको (लोगों को) तय करना चाहिए कि योजना किसानों की मदद कर रही है या नहीं। सभी को आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को उचित सबक सिखाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों के दौरान बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों के कारण धान का उत्पादन 30 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 3 करोड़ मीट्रिक टन हो गया है और कहा कि एक बार सभी लिफ्ट सिंचाई परियोजनाएं पूरी हो गईं। धान का उत्पादन 4 करोड़ मीट्रिक टन को पार कर जाएगा और भविष्य में तेलंगाना पंजाब राज्य से आगे निकल जाएगा।

बाद में, मुख्यमंत्री ने नलगोंडा जिले के मिर्यालगुडा और देवरकोंडा विधानसभा क्षेत्रों में दो सार्वजनिक बैठकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चूंकि कृष्णा नदी को हर साल पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है, इसलिए बीआरएस सरकार कालेश्वरम परियोजना के तहत सभी लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करके गोदावरी नदी के माध्यम से जिले के कोने-कोने में सिंचाई का पानी उपलब्ध कराएगी और जिले में स्थायी रूप से सूखे की स्थिति को खत्म करेगी।

विधानसभा चुनाव की अधिसूचना 3 नवंबर को जारी होगी

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना राज्य विधान सभा चुनावों के संबंध में अधिसूचना 3 नवंबर को जारी की जाएगी और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर है और उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की अंतिम तिथि नवंबर है। निम्नलिखित 15 स्थानों पर नामांकन दाखिल किया जाएगा। इसमें 51-राजेंद्रनगर आरडीओ कार्यालय, राजेंद्रनगर, 52-सेरिलिंगमपल्ली जीएचएमसी जोनल कार्यालय, सेरिलिंगमपल्ली, 53-चेवेल्ला आरडीओ कार्यालय, चेवेल्ला, 84-शादनगर आरडीओ कार्यालय, शादनगर, 45-कुतबुल्लापुर डीसी सर्कल 25, जीएचएमसी कार्यालय, कुतबुल्लापुर और 46- कुकटपल्ली डीसी- मूसापेट सर्कल, जीएचएमसी कार्यालय शामिल हैं। कानून और व्यवस्था, शांति बनाए रखने और शांति भंग करने की घटनाओं को रोकने के लिए, एम. स्टीफन रवीन्द्र, आईपीएस, पुलिस आयुक्त, साइबराबाद ने उपरोक्त स्थानों पर 100 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी है। नामांकन के संबंध में 3 से 15 नवंबर तक नाम वापसी की अंतिम तिथि है।

साइबराबाद के पुलिस आयुक्त एम. स्टीफन रवीन्द्र, आईपीएस, ने जनता को सूचित किया है कि आदेशों का उल्लंघन करने वाला कोई भी व्यक्ति अभियोजन के लिए उत्तरदायी होगा। यह आदेश 3 नवंबर से 15 नवंबर 2023 तक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक लागू रहेगा।

एसएसीआर ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर 'रन फॉर यूनिटी' रैली आयोजित की

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने आज एससीआर स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एससीआरएसए) द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय एकता दिवस" (राष्ट्रीय एकता दिवस) के अवसर पर रेलवे स्पोर्ट्स कांप्लेक्स, सिकंदराबाद में 'रन फॉर यूनिटी' रैली आयोजित की, जिसके बाद शपथ ली गई। आयोजन में एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन, अध्यक्ष, एससीआरएसए और प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक ए.के. श्रीवास्तव, महासचिव, एससीआरएसए और अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, इन्फ्रा, सिकंदराबाद मंडल प्रदीप सिंह राठौड़, वरिष्ठ अधिकारी, खेल, नागरिक सुरक्षा कार्मिक और कर्मचारियों ने भाग लिया।

अरुण कुमार जैन ने रेलवे खेल परिसर में रेल कर्मियों की बड़ी सभा को एकता दिवस की शपथ दिलाई। महाप्रबंधक ने सतर्कता के महत्व पर जागरूकता पैदा करने के लिए 'रन फॉर यूनिटी' रैली को हरी झंडी दिखाई और इसका नेतृत्व किया। रैली का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और ईमानदारी को बढ़ावा देने, सार्वजनिक जागरूकता पैदा करने और भ्रष्टाचार के प्रतिकूल प्रभाव को प्रचारित करने और भ्रष्टाचार के खतरे को शून्य पर लाने के लिए एससीआर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है। रैली में रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बाद में, अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में अधिकारियों और कर्मचारियों को "राष्ट्रीय एकता दिवस" की शपथ भी दिलाई। राष्ट्रीय एकता दिवस दक्षिण मध्य रेलवे के सभी मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ में भी मनाया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल एक गतिशील नेता थे जिनका एकता में दृढ़ विश्वास था और उन्होंने अपने निरंतर प्रयासों और राष्ट्रीय एकता पर समझौता न करने वाले रुख के माध्यम से देश के लोगों को एक साथ लाया। यह दिन सभी भारतीयों के बीच राष्ट्रवादी उत्साह को बढ़ावा देने का काम करता है। वर्तमान वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) का विषय है भ्रष्टाचार को ना कहें; राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध रहें। एससीआर की सतर्कता शाखा सिस्टम से भ्रष्टाचार और अनैतिक प्रथाओं को जड़ से खत्म करने और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सुधार लाने के लिए जोनल मुख्यालयों, छह डिवीजनों, तीन प्रमुख कार्यशालाओं और फील्ड इकाइयों में 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक सतर्कता सप्ताह के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

एसपी ने मतदाताओं से किया निडर होकर मतदान करने का आग्रह

मुलुगु, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक (एसपी), गौश आलम ने मंगलवार को जिले के सुदूर वेंकटपुरम मंडल की सड़कों पर फ्लैग मार्च का नेतृत्व किया। इस आयोजन का उद्देश्य माओवादी उपस्थिति के मद्देनजर इस क्षेत्र के निवासियों में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना पैदा करना है।

इस मौके पर एसपी ने कहा कि आगामी चुनाव में उन्हें माओवादियों से डरने की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि पुलिस बल उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके वोट देने के अधिकार की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक मजबूत और अधिक सुरक्षित समाज के निर्माण में उनकी भूमिका के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रत्येक नागरिक से अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया। मार्च में एएसपी एटुरनगरम, सिरीशेट्टी, संकीर्थ, वेंकटपुरम सीआई कुमार, उप-निरीक्षक (एसआई) अशोक, और एसआई तिरुपति राव और सीआरपीएफ कर्मियों ने भाग लिया।

एसीबी के हत्थे चढी वरिष्ठ सहायक

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसीबी अधिकारियों ने मंगलवार को खम्मम में पंचायतीराज इंजीनियर कार्यालय में काम करने वाली वरिष्ठ सहायक बी हरिता को एक ठेकेदार से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। उसने सीसी रोड कार्य से संबंधित 2.59 लाख रुपये के बिल को मंजूरी देने के लिए जिले के नाचेपल्ली के शिकायतकर्ता के मल्लिकार्जुन राव से 3000 रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की। एक बयान में कहा गया कि आरोपी को हैदराबाद में एसीबी अदालत में पेश किया जाएगा।

चंद्रबाबू को अंतरिम जमानत

हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य खराब होने पर 28 दिन की राहत दी, 53 दिनों से जेल में हैं

अमरावती, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू को हाईकोर्ट ने 28 दिन की अंतरिम जमानत दे दी है। 9 सितंबर को स्किल डेवलपमेंट घोटाले में नायुडू को सीआईडी ने नांद्याल से गिरफ्तार किया था। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट की वकील सुनकारा कृष्णमूर्ति ने बताया कि नायुडू को मेडिकल ग्राउंड पर राहत दी गई है।

इधर, सीआईडी ने नायुडू के खिलाफ पांचवां केस दर्ज किया है। ताजा मामला शराब दुकानों के लाइसेंस से जुड़ा है। नायुडू पर आरोप है कि पिछली सरकार में उन्होंने गैरकानूनी शराब दुकानों को लाइसेंस दे दिया था। चंद्रबाबू के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ करेप्शन (पीसी) एक्ट 1988 के तहत केस दर्ज किया गया है। इस केस में चंद्रबाबू को आरोपी नंबर 3 बनाया गया है।

इस तरह नायुडू के खिलाफ सीआईडी पांच अलग-अलग मामलों में केस दर्ज कर चुका है। स्किल डेवलेपमेंट घोटाले में वह पहले से ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं। वहीं फाइबर नेट स्कीम केस और अमरावती रिंग रोड मामले में भी उनके खिलाफ जांच चल रही है।

शराब लाइसेंस घोटाला :

चंद्रबाबू नायुडू के खिलाफ ताजा मामला शराब लाइसेंस घोटाले का है। सीआईटी ने केस दर्ज करते हुए सोमवार को औपचारिक रूप से एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) कोर्ट में याचिका दायर की और अदालत ने सीआईडी की नायुडू के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है।

मुख्य सचिव ने सचिवालय में कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज डॉ. बी.आर.अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में आयोजित एक समारोह में सचिवालय के कर्मचारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। राष्ट्रीय एकता दिवस देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। बैठक में डीजीपी अंजनी कुमार, प्रधान सचिव गृह जितेंद्र, जीएडी सचिव शेषाद्री, ई.ओ. विशेष सचिव एवं आयुक्त सूचना एवं जनसंपर्क के. अशोक रेड्डी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बासर मंदिर के पुजारी को साँप ने काटा

निर्मल, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्राचीन श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम में काम करने वाले एक पुजारी को सोमवार को बासर मंदिर के परिसर में एक उप-मंदिर में पूजा करते समय सांप ने काट लिया। हालाँकि, साँप के विषहीन होने के कारण उसकी चिकित्सीय स्थिति स्थिर बताई जा रही है। सूत्रों ने बताया कि पुजारी प्रसाद को उस समय सांप ने काट लिया जब वह श्री दत्तात्रेय मंदिर में पूजा कर रहे थे। कर्मचारियों ने तुरंत उन्हें बेहतर दवा के लिए बसर के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर निज़ामाबाद के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। कथित तौर पर पुजारी को पानी के सांप चेकर्ड कीलबैक ने काट लिया था, जो मंदिर के अधिकारियों के अनुसार जहरीला नहीं था। हालाँकि, इस घटना से पुजारियों में खलबली मच गई और उन्होंने प्रसिद्ध मंदिर के अधिकारियों से निवारक उपाय करने का अनुरोध किया। संयोग से, यह मंदिर बड़े पत्थरों, छोटी पहाड़ियों और झाड़ियों से घिरा हुआ है जहां सांपों की विभिन्न प्रजातियां निवास कर सकती हैं।

वारंगल में 9 अक्टूबर से 4.55 करोड़ रुपये जब्त किए गए

हनमकोंडा, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने कहा कि उन्होंने 9 से 29 अक्टूबर तक 4,55,05,812 रुपये नकद, 15.64 लाख रुपये की 2,609 लीटर शराब और अन्य प्रतिबंधित सामग्री जब्त की है। कुल 165 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था और पर्याप्त सबूत प्रदान करने वालों में से 50 प्रतिशत को जिला शिकायत समिति के माध्यम से वापस कर दिया गया है। साथ ही चुनाव सामग्री से संबंधित 17 मामले दर्ज किये गये हैं। इसके अलावा, आपराधिक रिकॉर्ड वाले 4,038 व्यक्तियों को शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अग्रिम रूप से बाध्य किया गया है। नकदी और शराब की जब्ती के मामले में आयुक्तालय राज्य में पांचवें स्थान पर है।

सीपी ने स्वतंत्र रूप से मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के महत्व पर भी जोर दिया। आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के भीतर वारंगल, हनमकोंडा और जनगांव जिलों में आदर्श आचार संहिता के कार्यान्वयन और प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस ने चुनाव कार्यक्रम जारी होने के बाद कई कदम उठाए हैं।

आयुक्तालय के भीतर दस चौकियाँ स्थापित की गई हैं, जिनमें जनगाँव जिले, महबुबाबाद जिले, करीमनगर जिले और मुलुगु जिले की सीमाएँ शामिल हैं। चुनाव के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए झा ने कहा कि किसी भी व्यवधान से तुरंत निपटा जाएगा। शिकायत 100 नंबर डायल करके या 8712685257 पर व्हाट्सएप के माध्यम से की जा सकती है। चुनाव की तैयारियों के लिए केंद्र से कुल 18 अर्धसैनिक कंपनियां आवंटित की गई हैं, जिनमें से छह कंपनियां पहले से ही तैनात हैं। इसके अतिरिक्त, आयुक्तालय और राज्य पुलिस के 2,500 पुलिसकर्मी चुनाव कर्तव्यों में भाग लेंगे।

विजयवाड़ा मंडल ने मनाया सतर्कता जागरूकता सप्ताह

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा मंडल वर्तमान में 30 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2023 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा है। पूरे देश में अक्टूबर के अंतिम सप्ताह और नवंबर के पहले सप्ताह में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है। सतर्कता जागरूकता के एक भाग के रूप में, दक्षिण मध्य रेलवे-विजयवाड़ा मंडल ने आज यानी 31 अक्टूबर, 2023 को विजयवाड़ा के मंडल रेलवे सभागार में "भ्रष्टाचार को ना कहें-राष्ट्र के लिए प्रतिबद्ध रहें" विषय पर एक मेगा सेमिनार आयोजित किया। अरविंद मालखेड़े, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। नरेंद्र ए. पाटिल, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल सम्मानित अतिथि थे। अपने स्वागत भाषण में, डीआरएम नरेंद्र ए पाटिल ने कर्मचारियों को सतर्कता पहलुओं पर शिक्षित और प्रबुद्ध करने के लिए इस मूल्यवान सेमिनार को आयोजित करने के लिए अरविंद मालखेड़े, एसडीजीएम और सीवीओ और मुख्यालय के सतर्कता अधिकारियों की टीम को धन्यवाद दिया। नरेंद्र ए. पाटिल ने कहा कि सतर्कता विभाग की भूमिका हमें सभी परिस्थितियों में सही रास्ते पर चलने के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति और सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करना है। अरविंद मालखेड़े, एसडीजीएम और नरेंद्र ए पाटिल, डीआरएम ने सतर्कता जागरूकता पर तीन महीने के अभियान के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। एम बाला मुरलीधर, सीनियर डीपीओ ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया और कार्यक्रम का समापन किया। डी. श्रीनिवास राव, एडीआरएम, इन्फ्रास्ट्रक्चर, एम श्रीकांत, एडीआरएम, परिचालन, डॉ. एम सोवरीबाला, सीएमएस, मंडल रेलवे अस्पताल, श्रीनिवास, मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, रायनपाडु, सेमिनार में शाखा अधिकारी, निरीक्षक और लगभग 500 रेलवे कर्मचारी शामिल हुए।

मरम्मत कार्य के कारण 1 नवंबर से 24 घंटे जलापूर्ति बाधित

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड ने कहा किया पटनचेरु और हैदरनगर के बीच मंजीरा आपूर्ति चरण -2 पंपिंग मेन पर किए गए मरम्मत कार्यों के कारण, 1 नवंबर की सुबह 6 बजे से शहर के कुछ हिस्सों में पानी की आपूर्ति 24 घंटे के लिए प्रभावित रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में एर्रागड्डा, एसआर नगर, अमीरपेट (कम दबाव वाली जल आपूर्ति), केपीएचबी कॉलोनी, कुकटपल्ली, भाग्यनगर कॉलोनी, वसंतनगर, आरसी पुरम, अशोकनगर, ज्योतिनगर, लिंगमपल्ली, चंदनगर, गंगाराम, दीप्तिश्रीनगर, मदीनागुडा, मियापुर, बीरमगुडा, अमीनपुर और बोलाराम शामिल हैं।

आंध्र ट्रेन हादसा : रेलवे ने सभी लाइनें चालू कीं

अमरावती, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अलामंदा और कटकपल्ली के बीच ट्रेन दुर्घटना से प्रभावित सभी तीन लाइनें अब ट्रेन संचालन के लिए उपयुक्त हैं। ट्रैक और ओवरहेड उपकरण के काम के बाद कल रात 11.29 बजे मध्य लाइन ट्रेन संचालन के लिए फिट हो गई। मध्य लाइन पर पहली ट्रेन कल रात 0055 बजे (12.55 बजे) प्रभावित क्षेत्र से गुजरी। रेलवे विज्ञप्ति में कहा गया है। इससे पहले अपलाइन में पहली कोचिंग ट्रेन कल 14:36 बजे (02:36 बजे) और डाउन लाइन में पहली मालगाड़ी 14:25 बजे (02:25 बजे) गुजरी थी। अब, अलामंदा और कंटकपल्ली के बीच सभी तीन लाइनें ट्रेन की आवाजाही के लिए उपयुक्त हैं। पुलिस ने कहा कि आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में ट्रेन टक्कर में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। ईस्ट कोस्ट रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी बिस्वजीत साहू ने कहा कि बचाव अभियान खत्म हो गया है और अब ध्यान ट्रैक बहाली कार्य पर केंद्रित हो गया है। बचाव अभियान अब खत्म हो गया है। हमने फंसे हुए यात्रियों के लिए बसों और ट्रेनों की व्यवस्था की है। कुल 18 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं और 22 ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है।

पटाखे बेचने के लिए लाइसेंस जरूरी : पुलिस

फ़ाइल फोटो

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के भीतर अस्थायी आधार पर विस्फोटक (दीपावली त्योहार की पूर्व संध्या पर पटाखे) रखने और बेचने के इच्छुक आवेदकों को विस्फोटक अधिनियम 1884 और नियम 1983 के तहत (यथा संशोधित-2008), संबंधित जोन के पुलिस उपायुक्त द्वारा लाइसेंस जारी किया जाएगा।

किसी भी उल्लंघन पर अधिनियम और नियमों के तहत निर्धारित दंडात्मक प्रावधान और अन्य कार्रवाई की जाएगी। आवेदकों को संबंधित जोन के पुलिस उपायुक्त के कार्यालय में 5 नवंबर से पहले आवश्यक कार्रवाई के लिए विस्फोटक नियमों के फॉर्म एई-5 में अस्थायी लाइसेंस के लिए मैन्युअल रूप से आवेदन करना होगा। इसके बाद प्रस्तुत आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

पुलिस आयुक्त, साइबराबाद एम. स्टीफन रवीन्द्र ने कहा कि आवेदक को विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करने चाहिए। अग्निशमन सेवा विभाग से एनओसी/डिविजनल फायर ऑफिसर से एनओसी, सरकारी भूमि के मामले में जीएचएमसी अधिकारियों द्वारा जारी भूमि अनुमति, निजी भूमि के मामले में भूमि/परिसर के मालिक से एनओसी/समझौता। पिछले वर्ष जारी किए गए लाइसेंस की प्रति, पक्की संरचना में स्थित एकल दुकान के मामले में पड़ोसियों से एनओसी।

दुकान का साइट प्लान (ब्लू प्रिंट कॉपी), भारतीय स्टेट बैंक, गृहकल्पा शाखा, गांधी भवन के सामने, नामपल्ली में किए गए 600 रुपये की मूल चालान शुल्क रसीद भुगतान करना होगा। उपरोक्त दस्तावेजों के बिना प्राप्त आवेदनों को सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाएगा।

विजयवाड़ा मंडल ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई गई

हैदराबाद, 31 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लौह पुरुष श्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 148 वीं जयंती के उपलक्ष्य में, विजयवाड़ा मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे ने पूरे मंडल में राष्ट्रीय एकता दिवस धूमधाम से मनाया। विजयवाड़ा में, मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए. पाटिल ने विजयवाड़ा विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन के घंटाघर पर शाखा अधिकारियों, कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई।

कर्मचारियों और अधिकारियों ने राष्ट्र की एकता अखंडता, सुरक्षा को बनाए रखने और शांति और सद्भाव सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। बाद में, डिवीजन द्वारा विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन के पूर्व मुख्य प्रवेश द्वार पर क्लॉक टॉवर से 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए. पाटिल ने रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई और मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दौड़ का नेतृत्व किया।

दौड़ घंटाघर से शुरू हुई और कैल्टेक्स रोड, पुराने सरकारी अस्पताल और रेलवे अस्पताल के रास्ते विजयवाड़ा स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर समाप्त हुई। सुबह डिवीजन के 250 से अधिक कर्मचारियों, रेलवे पुलिस कर्मियों, भारत स्काउट्स और गाइड्स ने उत्साहपूर्वक दौड़ में भाग लिया। मीडिया से बातचीत करते हुए नरेंद्र ए. पाटिल, डीआरएम, विजयवाड़ा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय एकता के वास्तुकार हैं और इस विशेष अवसर पर एकता को बढ़ावा देना, सुदृढ़ करना और मजबूत करना हमारा कर्तव्य है। डीआरएम ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल भारत माता के महानतम सपूतों में से एक हैं, जिनका राष्ट्र के लिए योगदान, सबसे महत्वपूर्ण रूप से हमारे हालिया इतिहास के महत्वपूर्ण समय में, बेजोड़ है।

उन्होंने कर्मचारियों से भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए प्रयास करने और ईमानदारी के साथ कार्य प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की अपील की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.